संस्कृत के श्लोक भी समझे... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

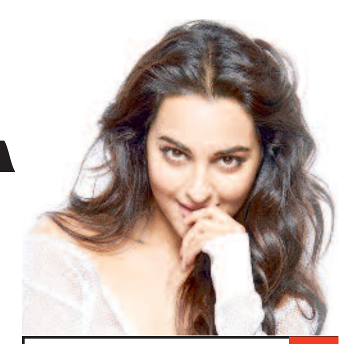

तू है मेरी किरण फिल्म में... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 184 | गाजियाबाद / मंगलवार 06 अक्टूबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

यूपी के स्कूलों में पढ़ाई जाए वैदिक मैथमेटिक्स

● राजनाथ सिंह बोले- संस्कृत श्लोक के साथ कंप्यूटर कोड भी समझें विद्यार्थी

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को रामलला और हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद रानोपाली स्थित उदासीन ऋषि आश्रम में गुरु पर्व समारोह में शामिल हुए। उन्होंने नारायण संस्कृत महाविद्यालय के नए भवन का लोकार्पण किया और संतों की समाधियों का

पूजन किया। संबोधन में राजनाथ सिंह ने संस्कृत को देवभाषा और भारत की ज्ञान परंपरा का आधार बताते हुए शिक्षा को आधुनिक जरूरतों से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में ज्ञान को सिर्फ पुस्तकों तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे परंपरा और संस्कार बनाया गया। आने वाली पीढ़ी अतीत से शक्ति लेकर भविष्य बनाए। ऐसे विद्यार्थी तैयार हों, जो संस्कृत के श्लोक के साथ कंप्यूटर कोड भी समझें।

वैदिक मैथमेटिक्स की पढ़ाई शुरू की जाए– राजनाथ सिंह ने कहा कि लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में वैदिक मैथमेटिक्स पढ़ाई जाती है। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उत्तर प्रदेश के विद्यालयों में भी वैदिक मैथमेटिक्स की पढ़ाई शुरू कराने की बात रखूंगा।

स्मित मच्छार को मिला मोरारी बापू का हनुमान प्रसाद

संत ने दिए 21 लाख रुपये, दोनों बजरंग बली के भक्त

अहमदाबाद (एजेंसी)। फ्लाईदुबई के हीरो कैप्टर स्मित मच्छार ने प्रसिद्ध रामकथाकार मोरारी बापू ने 21 लाख देने का ऐलान किया है। मूलरूप से गुजरात के रहने वाले स्मित मच्छार ने 2 अक्टूबर को फ्लाईदुबई कैप्टन स्मित मच्छार ने दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान के दौरान कॉकपिट में हुए जानलेवा हमले और संकट के समय अदम्य साहस का परिचय देते विमान को सुरक्षित

बचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इससे 180 यात्रियों की जान बची थी। बाद में पीएम मोदी से बातचीत में स्मित मच्छार ने कहा था कि वह संकट के वक्त पर हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे। हनुमान को अराध्य के दौर पूजने वाले मोरारी बापू ने गुजरात के सूपत स्मित मच्छार को 21 लाख रुपये बतौर हनुमान प्रसाद के दौरे पर देने का ऐलान किया है।

बजरंग बली को किया था याद– स्मित मच्छार के शौर्य की चर्चा पूरे देश और दुनिया में हो रही है। स्मित मच्छार ने बड़ी आतंकी साजिश को नकाम करने के बाद जब पीएम मोदी से बातचीत की थी तो उन्होंने बताया था कि वह गोस्वामी तुलसीदास रचित श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे।

यूनेस्को की रिपोर्ट

नईदिल्ली (एजेंसी)। यूनेस्को की रिपोर्ट बताती है कि 2030 तक दुनिया को 4.4 करोड़ और प्राइमरी और सेकेंडरी शिक्षकों की जरूरत होगी। इनमें से लगभग 1.5 करोड़ शिक्षकों की जरूरत अफ्रीका में है, जबकि दक्षिण एशिया (जिसमें भारत भी शामिल है।) में रिपोर्ट 78 लाख शिक्षकों की कमी दर्शाती है।

दुनियाभर में 5 अक्टूबर को हर साल विश्व शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन शिक्षकों के योगदान और सम्मान का प्रतीक है, जो शिक्षा क्षेत्र में सुधार लाते हैं और बेहतर भविष्य तैयार करते हैं। इसे वर्ल्ड टीचर्स डे इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इसे सेलिब्रेट करने की शुरुआत साल 1994 में यूनेस्को द्वारा की गई थी। इस मौके पर भारत में शिक्षकों की संख्या पर भी चर्चा होती है।

विश्व शिक्षक दिवस पर जहां गुरुओं के योगदान की सरहाना और उनके योगदान को सम्मान देने का मौका मिलता है। वहीं दुनियाभर में शिक्षकों की कमी के आंकड़े सोचने पर मजबूर करते हैं।

भारत में 11 लाख शिक्षक पद खाली सिंगल टीचर के भरोसे 1 लाख स्कूल

भारत में 11 लाख से अधिक शिक्षक पद खाली– अगर सिर्फ भारत में शिक्षकों की कमी की बात की जाए, तो यूनेस्को की रिपोर्ट बताती है कि भारत के स्कूलों में 11 लाख से अधिक (11.16 लाख) शिक्षकों की कमी है। कुल स्वीकृत खाली पदों में से 69 प्रतिशत रिक्तियां ग्रामीण इलाकों के स्कूलों में पाई गई है। केंद्रीय विद्यालयों में करीब साढ़े 8 हजार और नोवदय विद्यालयों में 24.8 प्रतिशत पद

खाली हैं। जिन राज्यों में शिक्षकों की सबसे ज्यादा कमी है, उनमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान और कर्नाटक शामिल हैं। हालांकि यह तब है जब साल दर साल शिक्षकों की संख्या में इजाफा भी हुआ है।

साल	शिक्षकों की संख्या
2022-23	94,83,294
2023-24	98,07,600
2024-25	1,01,22,420
2025-26	1,02,73,020

सिंगल टीचर के भरोसे चल रहे 1 लाख से ज्यादा स्कूल

यूडीआईएसई+ 2025-26 के अनुसार, भारत में सभी तरह के स्कूल मैनेजमेंट के तहत 1,00,843 ऐसे स्कूल थे जिनमें सिर्फ एक टीचर था। यह संख्या पिछले साल के मुकाबले लगभग 3 प्रतिशत कम हुई है, लेकिन फिर भी यह देश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था की एक अहम बात बनी हुई है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में, 2025-26 में आंध्र प्रदेश में सबसे ज्यादा 16,357 एक-टीचर वाले स्कूल थे। इसके बाद झारखंड (9,827), महाराष्ट्र (9,269), कर्नाटक (8,042), उत्तर प्रदेश (7,874), राजस्थान (7,200) और पश्चिम बंगाल (6,769) का नंबर आता है।

राज्या का नाम	सिंगल टीचर वाले स्कूलों की संख्या
आंध्र प्रदेश	16,357
झारखंड	9,827
महाराष्ट्र	9,269
कर्नाटक	8,042
उत्तर प्रदेश	7,874
राजस्थान	7,200
पश्चिम बंगाल	6,769
तेलंगाना	4,793
तमिलनाडु	3,957
असम	3,159
हिमाचल प्रदेश	3,128
उत्तराखंड	2,655
छत्तीसगढ़	2,461
गुजरात	2,335
मध्य प्रदेश	2,269
बिहार	2,006
पंजाब	1,749
ओडिशा	1,458
जम्मू-कश्मीर	1,544
हरियाणा	1,278

दिमागी कोशिकाओं को कंट्रोल करने की तकनीक पर मेडिसिन नोबेल

जर्मनी-अमेरिका के 3 वैज्ञानिकों की रिसर्च, अब डिप्रेशन और मानसिक बीमारियों को समझना आसान हुआ

स्टॉकहोम (एजेंसी)। 2026 का मेडिसिन नोबेल जर्मनी के पीटर हेगेमैन और जॉर्ज नागेल और अमेरिका के कार्ल डाइसेरोथ को दिया गया है। इन वैज्ञानिकों ने ऑप्टोजेनेटिक्स नाम की ऐसी तकनीक विकसित करने में मदद की, जिससे रोशनी की मदद से दिमाग की अलग-अलग तंत्रिका कोशिकाओं को नियंत्रित करके उनके काम को समझा जा सकता है।

पहले वैज्ञानिकों के लिए यह पता लगाना मुश्किल था कि दिमाग की कौन-सी तंत्रिका कोशिका किस काम के लिए जिम्मेदार है। ऑप्टोजेनेटिक्स की मदद से अब वैज्ञानिक याददाश्त, भावनाओं और व्यवहार को बेहतर तरीके से समझ पा रहे हैं। इससे डिप्रेशन जैसी मानसिक बीमारियों और दिमाग से जुड़ी दूसरी बीमारियों पर रिसर्च करना भी आसान हुआ है। नोबेल कमेटी के मुताबिक, इन तीनों वैज्ञानिकों की खोज ने दिमाग को समझने के लिए रिसर्च का एक नया रास्ता खोल दिया है। इस तकनीक का इस्तेमाल आंखों की बीमारियों पर भी किया जा रहा है। वैज्ञानिक यह पता लगा रहे हैं कि इसकी मदद से दृष्टि खो चुके लोगों की आंखों की रोशनी वापस लाई जा सकती है या नहीं।

बिहार दरोगा परीक्षा भर्ती को लेकर पटना में प्रदर्शन

बैरिकेड तोड़ी, पुलिस ने भांजीं लाठियां

पटना (एजेंसी)। कॅरियर में आगे कोई संकट नहीं हो, इसलिए पहचान छिपाने का संकट। प्रदर्शन भी जरूरी है, ताकि सरकार बात माने। इसी ऊहापोह में छात्र देरी से जुटे। सुबह 11 बजे से ही प्रदर्शन की तैयारी थी, लेकिन जुटान में समय लगा। अब माहौल बन गया और जमकर हंगामा हुआ। दरोगा परीक्षार्थियों का जत्था फिर पटना में मुख्यमंत्री आवास घेरने के लिए निकला तो प्रदर्शनकारियों की आवाज गूंजती रही। रास्ते जाम हो

गए। कुल मिलाकर प्रदर्शन के कारण एक बार फिर पटना में पुलिस के लिए असहज स्थिति दिखी।

● **चार महीने से शारीरिक परीक्षा की तैयारी, तारीख जारी करने की मांग–** प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से हस्तक्षेप करने की मांग की है। उनका कहना है कि मेंस परीक्षा पास करने के बाद वे पिछले करीब चार महीने से शारीरिक परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में परीक्षा रद्द होने के फैसले से उनकी मेहनत और भविष्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं। अभ्यर्थियों ने मांग की कि मेंस परीक्षा रद्द करने का आदेश वापस लिया जाए।

1799 पदों की भर्ती में मेंस परीक्षा रद्द करने का विरोध

प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी 1799 पदों पर होने वाली दरोगा भर्ती की रद्द की गई मेंस परीक्षा को लेकर नाराज हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि काफी मेहनत के बाद उन्होंने प्रारंभिक प्रक्रिया पूरी की और मेंस परीक्षा में सफल हुए। करीब 10 हजार अभ्यर्थियों का परिणाम जारी किया गया था। अब मेंस परीक्षा रद्द किए जाने से उनका भविष्य अधर में पड़ गया है।अभ्यर्थियों का आरोप है कि कुछ शिक्षा माफिया और छात्र नेताओं की शिकायतों के आधार पर बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग ने मेंस परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया है। उनका कहना है कि अगर परीक्षा में किसी स्तर पर गड़बड़ी हुई थी तो उसकी जांच कर दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए थी। पूरी परीक्षा रद्द करने का फैसला अभ्यर्थियों के साथ अन्याय है।

एसआईआर के लिए बदले गए फार्म-6 को सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी नहीं दी

सीजेआई सूर्यकांत बोले- रिकॉर्ड देखेंगे किसने किया संशोधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने का अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया। उन पर एसआईअर से जुड़े करीब 14 फैसले दो अन्य चुनाव आयुक्तों की सहमति के बिना लेने का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि अगर फैसले बिना सहमति के लिए पाए गए, तो उन्हें वापस लिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'फार्म-6 के किसी भी संशोधन को हमने मंजूरी नहीं दी है। हम यह देखेंगे कि इसमें किसने बदलाव किया।' दरअसल, 9 दिन पहले चुनाव आयोग ने कहा था कि फार्म 6 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। अतिरिक्त डिक्लेरेशन एसआईआर के दौरान अलग से लगाया गया था। इसे सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिली है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग, केंद्र, सीईसी को नोटिस भेजा– सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने याचिका पर केंद्र सरकार, चुनाव आयोग, सीईसी ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी, डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर मनीष गर्ग और डीजी सीमा खन्ना को नोटिस जारी किया और 4 हफ्ते में जवाब मांगा।

रात 10 बजे के बाद क्यों बढ़ता है डर? महिला सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, पुलिस को दिखाया आईना

दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त रुख अपनाया। अदालत ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस से कहा कि राजधानी में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि हर महिला सार्वजनिक जगहों और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करते समय खुद को सुरक्षित महसूस करे। जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि एनसीटी दिल्ली में हर महिला सुरक्षित महसूस करे, चाहे वह रात 10 बजे पैदल चल रही हो या मेट्रो और सड़क के रास्ते सफर कर रही हो। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली-एनसीआर में हाल में सामने आए दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न के मामलों को लेकर स्वतः संज्ञान से शुरू की गई सुनवाई कर रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में लगातार सामने आ रहे मामले– सुप्रीम कोर्ट ने 28 सितंबर को दिल्ली-एनसीआर में महिलाओं और नाबालिगों से जुड़े कई मामलों का स्वतः संज्ञान लिया था। इनमें कालकाजी के आस्था कुंज पार्क में 17 साल की किशोरी से कथित सामूहिक दुष्कर्म, स्वरूप नगर में एक नाबालिग से कथित गैंगरेप और ग्रेटर नोएडा से दिल्ली आ रही बस में 16 साल की लड़की के कथित यौन उत्पीड़न का मामला शामिल था।

सीईसी, एसआईआर और बैलेट पेपर पर

कांग्रेस अध्यक्ष ने याद दिलाईं तीन शर्तें, सरकार से कहा- इससे कम पर समझौता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को चुनावी ढांचे को लेकर पार्टी की ओर से तीन मुख्य मांगें रखी। उन्होंने कहा कि यह मांग ऐसी हैं जिन पर कोई समझौता नहीं हो सकता है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पार्टी कार्यकर्ता और इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर इन मांगों के समर्थन में देश भर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। खरगे ने लिखा, कांग्रेस पार्टी की तीन मांगें ऐसी हैं जिन पर कोई समझौता नहीं हो सकता। पहली, ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा, दूसरी, एसआईआर को रद्द करना, तीसरी, बैलेट पेपर से चुनाव कराना। इन तीन मुद्दों को लेकर देश भर में कांग्रेस कार्यकर्ता और इंडिया गठबंधन के सहयोगी सड़कों पर हैं। देश भर में अलग-अलग जगहों पर जो भी नागरिक समाज के सदस्य और युवा संगठन इन मुद्दों पर संघर्ष कर रहे हैं, हम उनके साथ खड़े हैं।

भारत-फिनलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट अगले साल लागू होने की उम्मीद

● फिनलैंड के राजदूत ने कहा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने में भारत की अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में फिनलैंड के नए राजदूत मिको किविकोस्की ने कहा कि भारत और फिनलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट अगले साल लागू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि इस समझौते पर इस साल के आखिर में हस्ताक्षर हो जाएंगे।

कार्यभार संभालने के बाद क्या बोले मिको किविकोस्की– राजदूत का कार्यभार संभालने के बाद पहली बार मिको मीडिया से मुखातिब हुए। उन्होंने कहा कि फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू होने का मतलब होगा कि इससे करीब 2 अरब लोगों का बाजार तैयार होगा- भारत में 1.5 अरब और यूरोप में 50 करोड़ लोग। यह बहुत बड़ा बाजार होगा।

इस एग्रीमेंट पर भी चल रही बातचीत– उन्होंने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते के अलावा, यूरोपीय संघ और भारत के बीच इनवेस्टमेंट प्रोटेक्शन एग्रीमेंट पर भी बातचीत चल रही है। जब इन दोनों को साथ देखें, तो हम मूल रूप से यूरोपीय संघ और भारत के बीच एक तरह के साझा इकॉनमिक स्पेस की बात कर रहे हैं।

दोनों दिशाओं में होंगे व्यापार और निवेश– उन्होंने कहा कि व्यापार और निवेश दोनों दिशाओं में होंगे। फिनलैंड के राजदूत ने कहा कि आज हम जिस दौर में रह रहे हैं, उसमें यह अहम है कि हमारे भरोसेमंद साझेदार हों। इस मामले में यूरोपीय संघ और भारत एक-दूसरे को भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखते हैं।

भारत से कुशल कामगार आएं फिनलैंड– फिनलैंड के राजदूत ने कहा कि फिनलैंड में 30 हजार से ज्यादा भारतीय स्थायी रूप से रह रहे हैं। इनमें करीब दो-तीन हजार छात्र हैं, जबकि बाकी लोग वहां स्थायी रूप से काम कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या आईटी सेक्टर और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में काम करने वालों की है। ये लोग वहां अच्छी तरह से घुले-मिले हैं और अच्छा काम कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा में भारत की अहम भूमिका

उन्होंने कहा कि हम यूक्रेन युद्ध के साथ-साथ दूसरे संघर्षों को लेकर भारत के साथ होने वाली द्विपक्षीय बातचीत को बहुत महत्व देते हैं। इनमें पश्चिम एशिया का संघर्ष भी शामिल है। हमें सूडान को नहीं भूलना चाहिए, जहां पहले से ही एक संघर्ष चल रहा है। उन्होंने कहा कि इन सभी संघर्षों को रोकने के लिए भारत जो भी प्रयास कर रहा है उसकी हम सराहना करते हैं। हम सभी चाहते हैं कि ये संघर्ष खत्म हों। इसलिए दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होने के नाते, सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते और ग्लोबल साउथ की प्रमुख आवाजों में से एक होने के नाते, भारत अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यूपी- राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने घोषित किए 8 उम्मीदवार

● धर्मपाल सिंह और प्रियंका समेत अनुभवी नेताओं को दिया मौका

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश से आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपने आठ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। पार्टी ने अनुभवी नेताओं और नए चेहरों के मिश्रण को प्राथमिकता दी है। यह सूची पार्टी की रणनीति का एक अहम हिस्सा मानी जा रही है।

- धर्मपाल सिंह ● राधाकांत ओझा
- प्रकाश पाल ● विद्यासागर सोनकर
- गोपी कृष्ण पाण्डेय ● प्रियंका सिंह रावत
- राम प्रताप सिंह चौहान ● श्रुति गंगवार

भाजपा की ओर से जारी सूची में सामाजिक समीकरणों का विशेष ध्यान रखा गया है। इसमें तीन अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दो अनुसूचित जाति (एससी) और तीन सामान्य वर्ग के उम्मीदवार शामिल हैं। कुल उम्मीदवारों में दो महिलाएं भी हैं। सामान्य वर्ग से दो ब्राह्मण और एक राजपूत उम्मीदवार को मौका मिला है। अन्य पिछड़ा वर्ग में एक लोधी, एक पाल और एक कुर्मी उम्मीदवार को प्रतिनिधित्व दिया गया

है।धर्मपाल सिंह लोधी बिरादरी से आते हैं। वह वर्तमान में योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। प्रकाश पाल संगठन में क्षेत्रीय मंत्री के पद पर कार्यरत हैं। वह पाल बिरादरी से संबंध रखते हैं, जिसे ओबीसी समुदाय में गड़रिया बिरादरी माना जाता है। विद्यासागर सोनकर दलित बिरादरी से हैं। वह पार्टी के अहम पदों पर रह चुके हैं। सोनकर पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) और मछलीशहर से पूर्व सांसद भी रहे हैं।

संस्कृत के श्लोक भी समझें, कंप्यूटर कोड भी: राजनाथ सिंह

अयोध्या , एजेंसी।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश को ऐसे विद्यार्थियों की जरूरत है जो संस्कृत के श्लोकों के साथ-साथ कंप्यूटर कोड को भी समझें। वे वेदों के मंत्रों की गहराई को जानें और आधुनिक विज्ञान की भाषा को भी समझने की क्षमता रखें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को न्याय और मीमांसा जैसे भारतीय ज्ञान-विषयों के साथ आधुनिक समाज की समस्याओं को समझने की योग्यता भी विकसित करनी चाहिए।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को अयोध्या में श्रीनारायण संस्कृत महाविद्यालय के नए भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने संस्कृत के अध्ययन को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि परंपरा को संरक्षित करने का सबसे बेहतर तरीका उसे वर्तमान समय की जरूरतों से जोड़ना है। आने वाली पीढ़ी के लिए केवल अतीत को जानना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे अतीत से प्रेरणा और शक्ति लेकर भविष्य का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि वेदों से लेकर उपनिषद, दर्शन से लेकर व्याकरण, आयुर्वेद से लेकर गणित, ज्योतिष से लेकर साहित्य और न्याय से लेकर मीमांसा तक भारतीय ज्ञान-परंपरा का बड़ा हिस्सा संस्कृत के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ा है। इस परंपरा ने दुनिया की बौद्धिक विरासत को भी समृद्ध किया है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि भारतीय सभ्यता की बड़ी विशेषता यह रही है कि यहां ज्ञान को सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रखा गया। ज्ञान को परंपरा बनाया गया और उस परंपरा को संस्कार का रूप दिया गया। इसके बाद शिक्षा के माध्यम से संस्कारों को समाज के व्यवहार में उतारा गया। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की संस्कृति के पुनरुत्थान को देख रही है और अयोध्या एक बार फिर अपने प्राचीन गौरव को प्राप्त कर रही है। इस गौरव में संत परंपरा का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा है।
उन्होंने कहा कि संस्कृत को केवल एक भाषा के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। संस्कृत में भारत की ज्ञान-परंपरा का विशाल भंडार मौजूद है। उन्होंने भारतीय संस्कृति में संतों के योगदान को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत की स्मृतियों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाने में संतों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। संतों ने लोगों को अपनी संतानों की तरह प्रेम, ज्ञान और शांति का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि देश के संतों ने जेल की यातनाएं सहीं और अपने प्राणों तक की आहुति दी। आज जब रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हैं, तब उन संतों को भी याद किया जाना चाहिए, जिनके त्याग और बलिदान से यह संभव हुआ। उन्होंने कहा कि अयोध्या की पुण्यभूमि पर वर्षों का संघर्ष आज भव्य रूप में सामने है और भगवान रामलला अपने घर में विराजमान हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या की संत परंपरा 500 से अधिक वर्षों से श्रीराम जन्मभूमि से जुड़े विभिन्न आंदोलनों की सहयोगी रही है।

बंगाल में यूसीसी लागू करने के शुभेंदु अधिकारी के वादे से विहिप हुई खुश

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने पश्चिम बंगाल में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के वादे का स्वागत किया है। विहिप ने कहा कि समान नागरिक संहिता लागू होने से राज्य में सभी नागरिकों की सुरक्षा और अधिकारों को मजबूत करने में मदद मिलेगी। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने पोस्ट के जरिए सीएम अधिकारी की घोषणा की खूब सराहना की। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और गुजरात के बाद यूसीसी लागू करने की योजना घोषित करने वाला देश का तीसरा राज्य होगा। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता बंसल ने कहा कि विहिप सीएम सुवेंदु अधिकारी की अहम घोषणा का स्वागत करती है और महत्वपूर्ण कदम मानती है। उन्होंने सीएम अधिकारी की ओर से छह महीने के भीतर 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के खिलाफ कानून बनाने की प्रतिबद्धता का पूर्ण स्वागत किया। बंसल के मुताबिक, इसतरह के कानून नागरिकों और राज्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करने वाले है। उन्होंने दावा किया कि 'लैंड जिहाद' के खिलाफ प्रस्तावित कानून के जरिए सुवेंदु सरकार कथित अवैध कब्जे से सरकारी और निजी भूमि को मुक्त कराने की दिशा में कदम उठा सकती है। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने कोलकाता में विहिप के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये घोषणाएं कीं।

मुंबई में कांग्रेस मुख्यालय से आदिवासी छात्रों को हिरासत में लेने का आरोप, पुलिस ने किया इंकार

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने मुंबई स्थित पार्टी के महाराष्ट्र मुख्यालय तिलक भवन में प्रवेश कर नासिक से पहुंचे आदिवासी छात्रों और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। पार्टी ने सभी को तत्काल रिहा करने की मांग की है। हालांकि, पुलिस ने तिलक भवन से किसी भी व्यक्ति की गिरफ्तारी से इंकार किया है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने आरोप लगाया कि आदिवासी छात्र अपनी मांगों को लेकर आजाद मैदान में प्रदर्शन करने के लिए नासिक से मुंबई आए थे और रात में दादर स्थित तिलक भवन में रुके थे। उनके मुताबिक, पुलिसकर्मी देर रात पार्टी कार्यालय में पहुंचे, छात्रों को धमकाया और कुछ को हिरासत में लिया। सपकाल ने एनएसयूआई महाराष्ट्र अध्यक्ष सागर सालुंखे और युवा कांग्रेस के मुंबई प्रमुख को भी गिरफ्तार करने का दावा किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि छात्रों और एनएसयूआई पदाधिकारियों को रिहा नहीं किया गया, तब कांग्रेस नेता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सरकारी आवास 'वर्षा' का घेराव करने वाले है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस कार्रवाई को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधकर आदिवासी विरोधी बताया। दूसरी ओर, पुलिस उपायुक्त मनीष कलवानिया ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि तिलक भवन से किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने राज्यपाल के आवास लोक भवन तक मार्च निकालने का आह्वान किया था। लोक भवन जाने की कोशिश कर रहे लोगों को अलग-अलग स्थानों से हिरासत में लिया गया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।
कांग्रेस के अनुसार, आदिवासी छात्र छात्रवृत्ति, आश्रम स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं और छात्रावासों समेत कई मांगों को लेकर 10 दिन से अधिक समय से आंदोलन कर रहे हैं। पार्टी का दावा है कि कुछ छात्र बसों और पैदल मुंबई पहुंचे हैं। छात्र आदिवासी विकास मंत्री और विभाग के आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश स्वीकार नहीं की जाएगी और पार्टी उनके अधिकारों के लिए उनके साथ खड़ी रहेगी।

गांधीजी पर आपत्तिजनक रील बनाना पड़ा भारी

सूरत (एजेंसी)। सूरत में 47 साल की महिला इंफ्लूएंसर को महात्मा गांधी की तस्वीर वाले 500 रुपए के नोट पर आपत्तिजनक रील डालने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सूरत पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच ने सोमवार को यह कार्रवाई की। आरोपी की पहचान सिमरन पटेल के रूप में हुई है। उसके इंस्टाग्राम पर करीब 10 लाख फॉलोअर्स हैं। पुलिस के मुताबिक, सिमरन ने 1 अक्टूबर को इंस्टाग्राम पर यह रील अपलोड की थी। इसके बाद एक नागरिक ने पुलिस से शिकायत की। साइबर क्राइम ब्रांच की प्रेस नोट के अनुसार, सिमरन पटेल सूरत के अडाजण इलाके की रहने वाली है। वह गृहिणी है। पुलिस ने बताया कि रील में 500 रुपए के नोट पर गांधीजी की तस्वीर को अश्लील तरीके से दिखाया गया था। इसमें आपत्तिजनक और अपमानजनक बातें कही गई थीं। रील में यौन संकेत वाले इशारे भी किए गए थे। सिमरन ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था।

संत रविदास की प्रतिमा तोड़ने के आरोप में पांच आरोपी गिरफ्तार

बलिया (एजेंसी)। यूपी के बलिया जिले के सुखपुरा थाना क्षेत्र में संत रविदास की प्रतिमा तोड़े जाने के मामले में पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनमें से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है और दो की तलाश जारी है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि सुखपुरा थाना क्षेत्र के कुम्हिया गांव में अनुसूचित बस्ती के लोगों ने संत रविदास मंदिर में प्रतिमा स्थापित की थी, जिसे शनिवार देर रात कुछ अराजक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त मरम्मत की तत्काल मरम्मत करा दी। उन्होंने बताया कि रविवार को सोहन राम की तहरीर पर सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पुलिस ने रविवार को मोहन, राकेश, उमेश, शंभू और अशोक को गिरफ्तार कर लिया है। नामजद आरोपी लालबहादुर और वकील की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि अब गांव में स्थिति शांतिपूर्ण है।

विपक्षी विधायक श्रेय न ले सकें इसलिए रोकी जा रही सहायता राशि: सीएम सरमा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि पूर्वी जिलों में बाढ़ प्रभावित लोगों को दी जाने वाली आर्थिक मदद जारी करने में देरी की जा रही है, ताकि विपक्षी विधायक अखिल गोगोई इसका श्रेय न ले सकें।
सीएम सरमा ने कहा कि करीब सात दिन पहले गोगोई ने मुआवजे के मुद्दे पर मुझसे फोन पर काफी देर तक बात की थी...मैंने उन्हें विस्तार से समझाया था। अब जब उन्हें पता है कि लोगों को पैसा मिलने वाला है, तो वह इसका श्रेय लेना चाहते हैं। हमें सहायता राशि जारी करने में देरी करनी होगी, ताकि वह इसका श्रेय न ले सकें। सरमा ने कहा कि मेरी गलती यह थी कि मैंने उन्हें मुआवजे से जुड़ी जानकारी दे दी। वह इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं और मैं भी राजनीति करूंगा।

एसआईआर विवाद-सुप्रीम कोर्ट संविधान और लोकतंत्र को बचाएं: चिदंबरम

-पूर्व जजों की टिप्पणियों का हवाला देकर चुनाव आयोग के कामकाज पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद पी चिदंबरम ने सोमवार को एसआईआर और वोट के अधिकार को लेकर जारी विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट से संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हस्तक्षेप की उम्मीद जताई है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस रोहिंटन एफ नरिमन और मौजूदा जज जस्टिस उज्जल भूषण की हालिया टिप्पणियों का हवाला देते हुए चुनाव आयोग के कामकाज पर उठ रहे सवालों का जिक्र किया। चिदंबरम ने एक्स पर लिखा कि लोगों को राजकोट में जस्टिस नरिमन और हैदराबाद में जस्टिस भूषण की टिप्पणियां पढ़नी चाहिए। चिदंबरम ने उम्मीद जताई कि सुप्रीम कोर्ट इस मौके पर आगे आएगा और संविधान व लोकतंत्र को बचाएगा। साथ ही उन्होंने अपने राजनीतिक विरोधियों पर तंज कसते हुए 'भक्तों' से चुप रहने की अपील की।
चिदंबरम की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब सुप्रीम कोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कामकाज को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई होनी है। एसआईआर को लेकर भी राजनीतिक दलों और चुनाव आयोग के बीच लगातार विवाद चल रहा है। 4 अक्टूबर को जस्टिस उज्जल भूषण ने चुनावी अधिकार से जुड़े एक कार्यक्रम में कहा था कि अगर किसी प्रक्रिया के कारण लाखों नागरिक अपने मताधिकार से वंचित होते हैं और उन्हें वोट देने के अधिकार के बिना 'दूसरे दर्जे का नागरिक' बना दिया जाता है, तो ऐसी प्रक्रिया मूल रूप से मनमानी है। उन्होंने कहा था कि इस स्थिति को किसी भी तरह के 'व्हाटअबाउटरी' से सही नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक ऐसा कदम संविधान के मूल केंद्र पर चोट है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस रोहिंटन एफ नरिमन ने भी एसआईआर के दौरान मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर चिंता जताई। पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची से करीब 90 लाख नाम हटाए जाने का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि वोट देने का अधिकार लोकतंत्र के केंद्र में है। जस्टिस नरिमन ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए।

युवाओं से वोटिंग अधिकार छीनने में मिलीभगत: सौरभ दास

सुप्रीम कोर्ट पर सीजेपी के गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सुप्रीम कोर्ट पर बेहद गंभीर सवाल उठाए हैं। पार्टी के पदाधिकारी सौरभ दास ने एक बयान जारी कर शीर्ष न्यायालय पर युवाओं के वोटिंग अधिकार को छीनने में मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने इस दौरान दो जजों, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची, का नाम लेते हुए, कहा कि बंगाल और बिहार में एसआईआर प्रक्रिया को बिना किसी बाधा के चलने देने वाले ये जज अब शांत रहे। दास ने कहा कि भले ही वे अब कुछ करना चाहें, तो कर सकते हैं, लेकिन किसी को इससे फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट जेन जी के वोट देने के अधिकार और राज्य के चुनाव छीनने की इस मिलीभगत में शामिल था।
सौरभ दास ने अपने बयान में न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने लिखा कि इसे सुनिश्चित करते हुए समय रहते जरूरी याचिकाएं नहीं सुनी गईं, जिनमें महाराष्ट्र सरकार का गिरना, पार्टियों का टूटना और दिल्ली में संवैधानिक संकट जैसे मामले शामिल हैं। दास ने आरोप लगाया कि इन सभी मामलों में भाजपा की मर्जी चली, जो हमारी न्यायपालिका पर एक बड़ा धब्बा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में अब सुप्रीम कोर्ट की बेंच जो चाहे करे, लेकिन लोगों की नजरों में उसकी विश्वसनीयता नहीं रहेगी। विश्वसनीयता किस बात की होगी, यह भारत के लोग और युवा तय करेंगे, कोर्ट कल या कभी भी जो चाहे तो करे। बता दें कि पटना के रहने वाले राकेश कुमार सिंह ने इस मामले में एक जनहित याचिका दाखिल की है। इस याचिका के जरिए सुप्रीम कोर्ट से यह तय करने का अनुरोध किया गया है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार अकेले उन शक्तियों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो कानूनी तौर पर पूरे निर्वाचन आयोग की है। याचिका में यह भी मांग की गई है कि अगर ऐसा है तो उन कार्यों को अनधिकृत घोषित किया जाए, और उपयुक्त कानूनी कार्रवाई की जाए। याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि प्रतिवादी संख्या 3 (सीईसी) इस याचिका की लंबित अंतिम सुनवाई तक मुख्य निर्वाचन आयुक्त के तौर पर काम न करें। साथ ही यह भी निर्देश दिया जाए, कि इस दौरान आयोग का कामकाज प्रतिवादी संख्या 4 (सुखबीर सिंह संधू) और 5 (विवेक जोशी) की सर्वसम्मति से चलाया जाए और परिणामस्वरूप रिक्त होने वाले पद पर कोई भी नियुक्ति एक ऐसी समिति की सिफारिश पर की जाए, जिसमें माननीय प्रधान न्यायाधीश भी शामिल हों।

नीतीश कुमार पहुंचे ललन सिंह के घर, अनंत सिंह-नीरज कुमार विवाद का निकल सकता है हल?

पटना (एजेंसी)। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर जेडीयू विधायक अनंत सिंह और पार्टी के उम्मीदवार नीरज कुमार के बीच चल रहे विवाद के बीच पूर्व सीएम नीतीश कुमार केंद्रीय मंत्री ललन सिंह से मिलने उनके आवास पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच हुई इस मुलाकात को अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच चल रहे विवाद के लिहाज से अहम माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक ललन सिंह दिल्ली रवाना होने से पहले उनका जवाब आ सकता है। माना जा रहा है कि ललन सिंह के बयान के बाद अनंत सिंह और नीरज कुमार के विवाद पर तस्वीर साफ होने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि ललन सिंह का बयान इस पूरे विवाद की दिशा तय कर सकता है।
बता दें इससे पहले जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने इसे ललन सिंह के क्षेत्र का मामला बताते हुए उनसे समाधान की पहल करने की बात कही थी। वहीं ललन सिंह ने इस पर अब तक एक तरह से चुप्पी साध रखी थी, लेकिन इशारों में यह भी बता दिया था कि वे नीरज कुमार और अनंत सिंह की अदावत के पचड़े से दूर रहना चाहते हैं। अब जब नीतीश कुमार खुद उनके आवास पहुंचे और निशांत कुमार ने खुलकर नीरज कुमार के समर्थन में मोर्चा संभाल लिया है, तो माना जा रहा है कि ललन सिंह की चुप्पी टूटेगी और पार्टी इस विवाद पर अपना स्टैंड क्लियर करेगी।
रिपोर्ट के मुताबिक ललन सिंह ने अब तक इस विवाद पर खुलकर कोई हस्तक्षेप नहीं किया है। वहीं सोमवार को जेडीयू के चारों उम्मीदवारों का नामांकन से पहले नीतीश-ललन की यह मुलाकात बेहद अहम मानी जा रही है। अब नीतीश कुमार का उनके आवास पहुंचना इस पूरे घटनाक्रम में नया मोड़ माना जा रहा है। बता दें अनंत सिंह लगातार नीरज कुमार के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोले हुए हैं, जबकि नीरज कुमार पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से जेडीयू के उम्मीदवार हैं। एक ही पार्टी के विधायक और उम्मीदवार के बीच इस तरह का विवाद पार्टी नेतृत्व के लिए भी असहज स्थिति पैदा कर रहा है।

ममता बनर्जी की 2021 चोट की मेडिकल रिपोर्ट कथित तौर पर लीक, अस्पताल को कानूनी नोटिस

कोलकाता , एजेंसी।
पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की 2021 में नंदीग्राम चुनाव प्रचार के दौरान लगी पैर की चोट से जुड़े मेडिकल रिकॉर्ड कथित तौर पर सार्वजनिक होने के बाद राजनीतिक विवाद तेज हुआ है। ममता बनर्जी के वकील ने उनके इलाज से जुड़े गोपनीय दस्तावेजों के कथित अनधिकृत खुलासे को लेकर एसएसकेएम अस्पताल प्रबंधन और राज्य स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारियों को कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में आरोप लगा है कि ममता के इलाज और स्वास्थ्य से जुड़ी संवेदनशील जानकारी तथा मेडिकल रिपोर्ट बिना अनुमति सार्वजनिक की गई। उनके वकील ने मरीज की मेडिकल गोपनीयता और चिकित्सकों के पेशेवर आचार नियमों का उल्लंघन बताया है।
यह कार्रवाई मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के उन हालिया दावों के बाद हुई है, जिसमें उन्होंने 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान नंदीग्राम में ममता के पैर में लगी चोट को लेकर सवाल उठाए थे। सीएम अधिकारी ने कथित तौर पर मेडिकल दस्तावेजों का हवाला देकर दावा किया कि अस्पताल के रिकॉर्ड में पैर में फ्रैक्चर या डिसलोकेशन का कोई प्रमाण नहीं था। उन्होंने इस मामले की जांच की बात भी कही थी। तृणमूल कांग्रेस ने अधिकारी के आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें बेबुनियाद और दुर्भावपूर्ण बताया। पार्टी का आरोप है कि इसतरह के दावे राजनीतिक लाभ लेने और चुनावी माहौल को प्रभावित करने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। मामला 10 मार्च 2021 का है, जब नंदीग्राम के बिरुलिया स्थित रेयापाड़ा इलाके में चुनाव प्रचार के दौरान ममता बनर्जी के बाएं पैर में चोट लगी थी। उन्होंने शुरुआत में आरोप लगाया था कि कुछ लोगों ने उन्हें धक्का दिया, जिससे वह कार के खुले दरवाजे से टकरा गईं। बाद में उन्होंने भीड़ के दबाव में चोट लगने की बात भी कही थी।

एसपी सिटी ने कनखल कोतवाली का किया अर्द्धवार्षिक निरीक्षण, लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। पुलिस अधीक्षक नगर ने कनखल कोतवाली का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की सफाई व्यवस्था, कार्यालय, मालखाना, भोजनालय और बैरकों का बारीकी से निरीक्षण किया। इसके बाद कोतवाली में तैनात अधिकारी और कर्मचारियों से शस्त्रों का अभ्यास कराया गया तथा शस्त्रों की स्थिति का भी परीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक नगर ने थाना कार्यालय और अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क प्रणाली के अभिलेखों व रजिस्टरों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मालखाने में लंबे समय से लंबित मालों का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण करने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बीट अधिकारियों और हल्का प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहने तथा आपात सेवा 112 से संबंधित सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी उप निरीक्षकों को लंबित विवेचनाओं, प्रार्थना पत्रों और शिकायतों का निर्धारित समय में निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता से देखते हुए उनका निस्तारण करने और कार्रवाई की रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में संचालित सभी पुलिस पोर्टलों पर नियमित रूप से आवश्यक कार्रवाई की जाए। पुलिस अधीक्षक नगर ने चेतक, पुलिस कर्मियों और थाना मोबाइल को क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहने की सलाह दी। जिन मामलों का निस्तारण उनके स्तर से संभव न हो, उनकी सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को देने के निर्देश भी दिए गए।

जनसुनवाई में 88 शिकायतें दर्ज, 45 का मौके पर निस्तारण; 356 लंबित शिकायतों पर अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। जनपदवासियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न विभागों से संबंधित 88 शिकायतें और समस्याएं दर्ज की गईं, जिनमें से 45 का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र और समयबद्ध निस्तारण के लिए भेजा गया।
जनसुनवाई में राजस्व, भूमि विवाद, विद्युत, अतिक्रमण, जलभराव, पेयजल और राशन कार्ड सहित विभिन्न मामलों से संबंधित शिकायतें सामने आईं। हरिलोक कॉलोनी फेस-1, ज्वालापुर निवासी ओपी सिंह ने आवासीय भवनों में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होने तथा कॉलोनी की सुरक्षा दीवार तोड़कर बाहरी वाहनों के आवागमन से सुरक्षा संबंधी समस्या उठाई। लाल वाला खालसा के ग्रामीणों ने ग्राम समाज की भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत की। सैदपुर पंचायत कुरड़ी की विद्या ने आर्थिक स्थिति कमजोर होने और आवास नहीं होने पर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की। बहादराबाद-बेगमपुर औद्योगिक क्षेत्र की मुख्य सड़क पर लंबे समय से जलभराव, गंदगी और क्षतिग्रस्त सड़क की शिकायत भी दर्ज कराई गई। वहीं ग्राम रंधड़वाला के रामकुमार ने वर्ष 1988-99 में आवंटित पट्टे को खतौनी में दर्ज करने तथा शिव गंगा विहार सोसाइटी क्षेत्र के निवासियों ने प्लास्टिक कबाड़ के अनियंत्रित भंडारण और जलाने से हो रहे प्रदूषण की शिकायत की।
मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का प्राथमिकता और संवेदनशीलता के साथ समयबद्ध निस्तारण किया जाए। स्थलीय निरीक्षण वाले मामलों में संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय से निरीक्षण कर समस्या का समाधान सुनिश्चित करें। लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी दी गई।
सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में 36 दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। एल-1 स्तर पर 267 और एल-2 स्तर पर 89 शिकायतें लंबित पाई गईं। बैठक में अपर जिलाधिकारी वैभव गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और फरियादी मौजूद रहे।

जनसुनवाई में डीएम ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई कर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों की समस्याएं और शिकायतें गंभीरता से सुनीं। बड़ी संख्या में लोगों ने जिलाधिकारी के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुनवाई में आने वाले किसी भी फरियादी को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ने चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से गरीब, पीड़ित, दिव्यांग, बुजुर्ग और बेसहारा लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराने के निर्देश दिए। साथ ही पात्र लोगों को शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने को कहा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसामान्य की शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाए। प्रत्येक प्रकरण में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करते हुए शिकायतकर्ता को राहत दिलाना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों की नियमित निगरानी की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि संबंधित विभाग द्वारा कार्रवाई निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी हो। शासन की मंशा के अनुरूप आमजन को त्वरित और पारदर्शी तरीके से राहत पहुंचाना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

जनसुनवाई के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन, अपर जिलाधिकारी नगर, नगर मजिस्ट्रेट सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सुमित कुमार पदोन्नत होकर बने उप निरीक्षक लिपिक, डीआईजी ने कंधे पर स्टार लगाकर दी बधाई

मेरठ (शिखर समाचार)। मेरठ परिक्षेत्र कार्यालय में कार्यरत सहायक उप निरीक्षक लिपिक सुमित कुमार को पदोन्नति देकर उप निरीक्षक लिपिक बनाया गया है। पदोन्नति के अवसर पर पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने उनके कंधों पर स्टार लगाकर नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पुलिस उपमहानिरीक्षक ने सुमित कुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए पदोन्नत पद के अनुरूप जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पदोन्नति के साथ अधिकारी एवं कर्मचारी की जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं, इसलिए कार्य के प्रति अनुशासन, पारदर्शिता और ईमानदारी बनाए रखना आवश्यक है। पदोन्नति मिलने पर सुमित कुमार ने पुलिस उपमहानिरीक्षक का आभार व्यक्त किया और अपने दायित्वों का पूरी लगन एवं निष्ठा से निर्वहन करने का भरोसा दिलाया। इस दौरान परिक्षेत्र कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे और उन्होंने सुमित कुमार को पदोन्नति पर शुभकामनाएं दीं।

मोबाइल से दूरी, आंखों की सुरक्षा है जरूरी: डॉ. वांछिता वर्मा

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। स्थानीय एमएलएम एकेडमी में रोटरेक्ट क्लब खतौली ह्यउड़ानह्ण की ओर से बच्चों को आंखों की सुरक्षा एवं देखभाल के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक दिवसीय विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. वांछिता वर्मा ने बच्चों को आंखों की देखभाल के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों द्वारा मोबाइल, टैबलेट और अन्य डिजिटल उपकरणों की स्क्रीन का अत्यधिक उपयोग आंखों के स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। उन्होंने बच्चों को ह्यमोबाइल से दूरी, आंखों की सुरक्षा है जरूरी का संदेश देते हुए स्क्रीन देखने का समय सीमित करने की सलाह दी। डॉ. वांछिता वर्मा ने बच्चों को मंच से विभिन्न नेत्र व्यायाम भी करवाए और उन्हें सही तरीके से करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आंखों में धुंधलापन, दर्द, जलन अथवा किसी अन्य प्रकार की समस्या महसूस होने पर उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में समय रहते विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना जरूरी है, ताकि समस्या गंभीर रूप न ले। सेमिनार के दौरान नेत्र सुरक्षा से संबंधित ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और डॉ. वांछिता वर्मा द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को आंखों की सुरक्षा से जुड़ी उपयोगी जानकारियां भी मिलीं। कार्यक्रम में रोटरेक्ट क्लब की अध्यक्षा नित्या अग्रवाल, नारायणी अग्रवाल, निश्चल अग्रवाल और सौरभ विश्वकर्मा के अलावा रोटरी क्लब खतौली से सुबोध जैन, मनोज जैन, विभू शर्मा, नीतू अग्रवाल और नीरज अग्रवाल मौजूद रहे।

स्वास्थ्य शिविर में 75 यूनिट रक्तदान, 150 लोगों ने कराई आंखों की जांच

हापुड़ (शिखर समाचार)। माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में तुलाराम धर्मशाला में एक विशाल रक्तदान, नेत्र जांच एवं दंत जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। सभा के प्रधान अंकुश तापड़िया ने बताया कि शिविर के दौरान देवनंदिनी ब्लड बैंक के सहयोग से कुल 75 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जिसमें 5 महिलाओं का भी सराहनीय योगदान रहा। इसके अलावा शिविर में पहुंचे 150 लोगों ने अपनी आंखों की और 82 लोगों ने दांतों की नि:शुल्क जांच कराई। इस आयोजन में दो मुस्लिम भाइयों द्वारा भी रक्तदान कर सामाजिक सौहार्द और एकता का अनूठा संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर पूर्व में आयोजित देव वंदन और 'आरक्षण में सुधार' प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल महासभा के नवनिर्वाचित प्रधान अतुल चोकडायत, मंत्री विमेश गोयल, उपमंत्री शरद अग्रवाल, उप कोषाध्यक्ष अनुज गर्ग सहित कई प्रमुख पदाधिकारी, चंडी मंदिर समिति के मंत्री मोहित जैन और व्यापारी नेता अरुण कुमार विशेष रूप से मौजूद रहे। शिविर में कोषाध्यक्ष सीए अभिषेक सोमानी और निवर्तमान प्रधान हर्ष माहेश्वरी ने रक्तदान को मानव सेवा का सबसे बड़ा कार्य बताया। कार्यक्रम के अंत में देवनंदिनी ब्लड बैंक के डॉ. शिव कुमार, वेदांत नेत्रालय की टीम और डॉ. हिमांशु तोमर को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

मोदीनगर में 6 सूत्रीय मांगों को लेकर किसानों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू, मांगें पूरी न होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले सोमवार से 6 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया गया है। मोर्चे के अध्यक्ष बबली गुर्जर के नेतृत्व में कार्यकर्ता बस स्टैंड स्थित भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल के पास एकत्र हुए और आंदोलन का बिगुल फूंका। किसान नेताओं ने चेतावनी दी है कि जब तक सभी मांगें पूरी नहीं होंगी, तब तक धरना लगातार जारी रहेगा और दो दिन बाद इसे क्रमिक अनशन में बदल दिया जाएगा। धरने को संबोधित करते हुए बबली गुर्जर ने तिबड़ा रोड और सीकरी रोड रेलवे फाटक पर जाम से मुक्ति के लिए रेलवे ओवरब्रिज या अंडरपास का निर्माण कराने की मांग की। उन्होंने सीकरी महामाया देवी मंदिर के खाते में जमा लगभग 30 करोड़ रुपये की धनराशि को मंदिर के सौंदर्यीकरण एवं भूमि विस्तार पर खर्च करने का मुद्दा उठाया। इसके अलावा, सीकरी से कलछीना तक के जर्जर मार्ग का तत्काल नवनिर्माण कराने और हनुमानपुरा से दिल्ली-मेरठ मार्ग को जोड़ने वाले 70 साल पुराने बंद किए गए रास्ते को दोबारा खुलवाने की मांग की गई। किसान नेताओं ने तहसील में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार पर रोक लगाने और गोविंदपुरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आधुनिक चिकित्सा उपकरण व सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग दोहराई। धरने को सतेंद्र शर्मा, महिला नेत्री नीरज प्रजापति, तिलक राज, सचिन तेवतिया और सुरेश शर्मा ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महावीर भड़ाना तथा संचालन राहुल कलछीना ने किया। इस अवसर पर गुलाब सिंह, टीकम सिंह, बलबीर भड़ाना, प्रेमचंद शर्मा और धर्मवीर सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

अवकाश प्राप्त सभी श्रमजीवी पत्रकारों को आयुष्मान योजना में शामिल करने की मांग

लखनऊ (शिखर समाचार)। यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन ने 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी श्रेणी के अवकाश प्राप्त पत्रकारों और उनके परिवारों को आयुष्मान योजना में शामिल किए जाने की मांग की है। यूनियन का कहना है कि वर्तमान में यह सुविधा केवल मान्यता प्राप्त पत्रकारों को मिल रही है, जबकि लंबे समय तक पत्रकारिता करने वाले अन्य श्रमजीवी पत्रकार भी इस सुविधा के हकदार हैं। यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उनके अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद को सौंपा।

ज्ञापन में मांग की गई कि ऐसे अवकाश प्राप्त पत्रकार, जिन्हें एक निश्चित अवधि तक पत्रकार के रूप में मान्यता प्राप्त रही है, उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद भी आयुष्मान योजना का लाभ दिया जाए। इसके साथ ही कर्मचारी भविष्य निधि संगठन का पेंशन भुगतान आदेश रखने वाले अन्य श्रमजीवी पत्रकारों

को भी योजना में शामिल किया जाए। अन्य श्रमजीवी पत्रकारों के लिए अलग नियमावली बनाने की मांग भी की गई। प्रतिनिधिमंडल में यूनियन के प्रादेशिक महामंत्री देवराज सिंह, लखनऊ मंडल अध्यक्ष शिवशरन सिंह, अविनाश शुक्ला, शिव विजय सिंह, टीएन मिश्रा, डीपी शुक्ला और अनिल सैनी शामिल रहे। अपर मुख्य सचिव को महोबा में आयोजित प्रादेशिक प्रतिनिधि सम्मेलन में पत्रकारों को पेंशन, पीजीआई सुविधा के सरलीकरण, सस्ती दर पर आवास एवं भूखंड आवंटन, पत्रकार सुरक्षा कानून तथा प्रेस मान्यता समिति के गठन संबंधी प्रस्ताव भी सौंपे गए। यूनियन के प्रादेशिक अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी ने मान्यता प्राप्त पत्रकारों को आयुष्मान योजना में शामिल किए जाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को आयुष्मान योजना का लाभ दिया जा रहा है। ऐसे में 60 वर्ष से अधिक आयु के अवकाश प्राप्त पत्रकारों को भी योजना में शामिल किया जाना चाहिए। अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

साहिबाबाद में रावण का पुतला बनाते समय विस्फोट, सामुदायिक केंद्र की दो दीवारें ढहीं, 5 लोग झुलसे

साहिबाबाद/गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शनि चौक स्थित रामलीला मैदान के पीछे बने सामुदायिक केंद्र भवन में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां तैयार किए जा रहे रावण के पुतले में अचानक जोरदार विस्फोट के साथ भीषण आग लग गई। विस्फोट इतना तीव्र था कि सामुदायिक केंद्र के हॉल की दो दीवारें ढह गईं। हादसे में पुतला बना रहे 5 लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल से दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह लगभग 09:26 बजे फायर स्टेशन साहिबाबाद को आरटी सेट के माध्यम से सूचना मिली कि शनि चौक स्थित पटाखों की दुकान में आग लगी है। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम 3 फायर टेंडरों के साथ मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला कि आग पटाखों की दुकान में न

होकर सामुदायिक केंद्र के एक बड़े हॉल में लगी थी, जहां रामलीला के लिए रावण का पुतला बनाने का काम चल रहा था। फायर सर्विस की टीम ने तुरंत पंपिंग शुरू कर आग पर पूरी तरह से काबू पाया। अग्निशमन अधिकारियों द्वारा बारीकी से निरीक्षण करने पर प्राथमिक रूप से यह बात सामने आई कि पुतला बनाते समय उसमें इस्तेमाल की जा रही आतिशबाजी या किसी अन्य विस्फोटक सामग्री में अचानक विस्फोट होने के कारण यह दुर्घटना हुई। घटना में घायल हुए 5 व्यक्तियों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अग्निशमन टीम ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को जीटीबी अस्पताल भेज दिया गया। घायलों में से दो व्यक्तियों की पहचान ऋषभ और हरेंद्र के रूप में हुई है, जबकि अन्य 3 घायलों की पहचान की कोशिश की जा रही है। पुलिस और अग्निशमन विभाग मामले की जांच में जुटे हैं।

संचारी माह और नमामि गंगे अभियान को लेकर सख्ती, जस्सू वाला तालाब पर चला विशेष सफाई अभियान

थानाभवन/शामली (शिखर समाचार)। नगर में स्वच्छता और जनस्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर पंचायत ने विभिन्न वार्डों में सफाई व्यवस्था का सघन निरीक्षण किया। अधिशासी अधिकारी जितेंद्र राणा और अध्यक्ष पति हाजी राव जमशेद ने वार्डों का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान वार्ड नंबर 10 स्थित सरस्वती विहार कॉलोनी की गलियों और नालियों में सफाई व्यवस्था देखी गई। कई स्थानों पर सफाई में कमी मिलने पर संबंधित कर्मचारियों को मौके पर बुलाकर तत्काल सफाई कराई गई। अधिशासी अधिकारी ने कर्मचारियों को चेतावनी दी कि निर्धारित क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लापरवाही मिलने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ

कार्रवाई की जाएगी।

इसके बाद नगर पंचायत की टीम और सफाई मित्रों ने वार्ड नंबर 15 स्थित जस्सू वाला तालाब पर विशेष सफाई अभियान चलाया। अभियान के दौरान तालाब के किनारों और जल क्षेत्र में जमा कचरे एवं अपशिष्ट को बाहर निकाला गया तथा आसपास के क्षेत्र की सफाई कराई गई। नगर पंचायत ने नागरिकों से तालाब और अन्य जलस्त्रोतों में कचरा नहीं डालने की अपील की।

नगर पंचायत कार्यालय में अधिशासी अधिकारी जितेंद्र राणा ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026, नमामि गंगे कार्यक्रम और एक से 31 अक्टूबर तक चलने वाले संचारी माह को लेकर कर्मचारियों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी नालियों और नालों की नियमित सफाई, सड़कों के किनारे उगी घास की कटाई, सफाई के बाद एंटी लार्वा दवा का छिड़काव तथा निर्धारित समय पर सभी वार्डों में नियमित धुआं छिड़काव कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाए रखना नगर पंचायत की प्राथमिकता है।

आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में पूर्व छात्र मिलन समारोह, पुरानी यादें हुई ताजा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मोहन नगर स्थित आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में शनिवार को पूर्व छात्र मिलन समारोह-2026 का आयोजन किया गया। इसमें वर्ष 1997 से 2024 तक के विभिन्न बैचों के पूर्व छात्र-छात्राओं, शिक्षक और वर्तमान विद्यार्थियों ने भाग लिया। समारोह का उद्देश्य पूर्व छात्रों को संस्थान से दोबारा जोड़ने के साथ उनके अनुभवों और स्मृतियों को साझा करने के लिए मंच उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। संस्थान के निदेशक डॉ. अजय कुमार ने स्वागत संबोधन में पूर्व छात्रों और संस्थान के बीच मजबूत एवं दीर्घकालिक संबंधों के महत्व पर प्रकाश डाला। आईटीएस शिक्षा समूह के अध्यक्ष डॉ. आरपी चड्ढा और उपाध्यक्ष अर्पित चड्ढा ने पूर्व छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। समारोह में विभिन्न बैचों के पूर्व छात्र-छात्राओं का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। गणेश वंदना, समूह नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। अनुभव-साझाकरण सत्र में पूर्व छात्रों ने संस्थान से जुड़ी अपनी यादें और व्यावसायिक अनुभव साझा किए। इससे वर्तमान विद्यार्थियों को भी वरिष्ठ पूर्व छात्रों से सीखने और संवाद करने का अवसर मिला। विद्यार्थियों और पूर्व छात्रों के लिए आयोजित मनोरंजक खेलों ने समारोह में उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में पीजीडीएम की अध्यक्ष डॉ. डीके पांडेय की अध्यक्षता में सामान्य सभा की बैठक भी हुई, जिसमें पूर्व छात्र समुदाय से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इसके बाद पूर्व छात्रों के लिए भाग्यशाली ड्रा आयोजित किया गया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का औपचारिक समापन हुआ। बाद में सभी प्रतिभागियों ने रात्रिभोज में हिस्सा लिया।

स्थापना दिवस पर विश्वविद्यालय के 12 और परिसर के 58 शीर्ष छात्रों का सम्मान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम परिसर में संस्थान का 37वां स्थापना दिवस समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आईएमएस गाजियाबाद समूह संस्थानों के महासचिव सीए डॉ. राकेश छारिया, कार्यकारी परिषद सदस्य सीए विदुर छारिया, संस्थान की निदेशक प्रोफेसर डॉ. जसकिरण कौर और शैक्षणिक अधिष्ठाता डॉ. गीति शर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय और परिसर स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पदक एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस वर्ष संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 12 छात्र-छात्राओं ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय स्तर पर

शीर्ष स्थान हासिल किया। इनमें चार को स्वर्ण, पांच को रजत और तीन को कांस्य पदक प्रदान किए गए। इसके अलावा विभिन्न पाठ्यक्रमों के 58 परिसर शीर्ष छात्रों को सम्मानित किया गया, जिनमें 19 को स्वर्ण, 20 को रजत और 19 को कांस्य पदक मिले। सभी सम्मानित विद्यार्थियों को पदकों के साथ नगद पुरस्कार भी प्रदान किए गए। समारोह में संस्थान के 23 छात्र क्लबों के 96 पदाधिकारियों को पदभार भी सौंपा गया। महासचिव डॉ. राकेश छारिया ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सफलता केवल अच्छे अंक हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि निरंतर सीखने, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से प्राप्त होती है। निदेशक जसकिरण कौर ने कहा कि हर उपलब्धि के पीछे मेहनत, धैर्य और निरंतर प्रयास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को असफलताओं से सीख लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन डॉ. संध्या शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

तंत्र विद्या के नाम पर 70 लाख की ठगी का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। धामपुर थाना पुलिस ने झाड़-फूंक और तंत्र विद्या के नाम पर एक पीड़ित परिवार से करीब 70 लाख रुपये की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए मुख्य आरोपी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में उत्तराखंड के हरिद्वार निवासी तांत्रिक संजय पहाड़ी, यश चौधरी, कमल सिंह और देशराज उर्फ मोनू शामिल हैं। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने ठगी की रकम में से 1 लाख 4 हजार रुपये की नकदी बरामद की है। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण गौतम राय ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि एक अक्टूबर को धामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नगला नैंसी निवासी संदीप कुमार ने पुलिस को तहरीर दी थी। संदीप ने बताया कि उसके पुत्र यक्ष की काफी समय से तबीयत खराब चल रही थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात गजुपुरा निवासी यश

चौधरी, साकेत कॉलोनी निवासी कमल सिंह और देशराज उर्फ मोनू से हुई। आरोपियों ने झाड़-फूंक और तंत्र विद्या के माध्यम से उसके पुत्र का उपचार कराने का भरोसा दिलाया और उसकी मुलाकात हरिद्वार के कनखल क्षेत्र स्थित गायत्री विहार निवासी संजय पहाड़ी से कराई। आरोपियों ने संदीप को विश्वास दिलाया कि तंत्र क्रिया के माध्यम से उसके बेटे को पूरी तरह ठीक कर दिया जाएगा। बेटे की बीमारी से परेशान संदीप उनकी बातों में फंसता चला गया। आरोपियों ने मकान बेचने से मिले 38 लाख रुपये, पत्नी के सोने-चांदी के जेवरात और अन्य कीमती सामान समेत करीब 70 लाख रुपये ठग लिए। ठगी के लिए पीड़ित को कभी गंगा किनारे, कभी हरिद्वार और कभी काली मंदिर ले जाकर झाड़-फूंक का दिखावा किया जाता था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने घटना में संलिप्तता स्वीकार की है। गिरोह में शामिल अन्य लोगों की तलाश जारी है।

संक्षिप्त समाचार

कोचिंग मंडी में छात्रों को पीटने का वीडियो वायरल

कानपुर एजेंसी। काकादेव थाना क्षेत्र की कोचिंग मंडी में छात्रों को पीटने का वीडियो रविवार रात सोशल मीडिया पर वायरल रहा। वायरल वीडियो को लेकर देवा ठाकुर नाम के युवक पर साथियों के साथ छात्रों से वसूली मांगने और विरोध करने पर पीटने के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, वायरल वीडियो की संवाद न्यूज एजेंसी पुष्टि नहीं करती है। काकादेव थाना प्रभारी ने बताया कि वीडियो के आधार पर जांच की जा रही है।

खेरागढ़ में गूंजा संदेश, पॉलीथिन हटाओ-कपड़े का थैला अपनाओ

आगराएजेंसी। स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान के तहत रविवार को नगर पंचायत ने कस्बे के बाजारों में पॉलीथिन मुक्त जागरूकता अभियान चलाया। चेयरमैन सुधीर गर्ग गुड्डू और ईओ अपर्णा मिश्रा के निर्देशन में भूमि फाउंडेशन की टीम ने दुकानदारों, ठेले-ढकेल वालों और नागरिकों से पॉलीथिन के बजाय कपड़े के थैले इस्तेमाल करने की अपील की। चेयरमैन ने बताया कि टीम ने दुकानदारों से आसपास सफाई रखने और कूड़ा डस्टबिन में डालने एवं लोगों को पॉलीथिन से पर्यावरण और स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए 'पॉलीथिन हटाओ, कपड़े का थैला अपनाओ' का संदेश दिया गया।

फिन तैराकी में गायत्री ने बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

वाराणसी एजेंसी। छठवीं राष्ट्रीय फिन स्वीमिंग चैंपियनशिप पुणे के शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्वीमिंग पूल में हुई। इस प्रतियोगिता में वाराणसी के सात खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। पांडेयपुर निवासी गायत्री ने 50 मीटर तैराकी में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। गायत्री ने 24.04 सेकंड में 50 मीटर की दूरी तय की। वह 200 मीटर सरफेस तैराकी में स्वर्ण, 100 मीटर में रजत पदक, 50 मीटर सरफेस तैराकी में कांस्य पदक जीतते हुए कुल 14 अंक लेकर व्यक्तिगत स्पर्धा की चैंपियन बनीं। प्रतियोगिता 29 सितंबर से दो अक्तूबर तक हुई। उनके प्रदर्शन पर वाराणसी तैराकी संघ के सचिव शंभु प्रसाद, सिगरा स्वीमिंग पूल के प्रभारी कनाई चंद तालापात्र और रूपा चौरसिया, अभिषेक पांडेय और कोच सत्यम शर्मा ने बधाई दी।

नेशनल हेरिटेज क्विज में वाराणसी की टीम अव्वल

गोरखपुर एजेंसी। भारतीय इतिहास, कला, संस्कृति और विरासत के सवालों के साथ रविवार को शहर के एक होटल में इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज के नेशनल हेरिटेज क्विज-2026 के स्टेट राउंड का आयोजन हुआ। इसमें प्रदेश के सात चैप्टर की टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में वाराणसी की टीम ने बाजी मारी। कानपुर की टीम दूसरे और लखनऊ की टीम तीसरे स्थान पर रही। वाराणसी चैप्टर से द आर्यन इंटरनेशनल स्कूल के नंदिका सिंह और हृषिकेश सिंह ने 70 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं कानपुर चैप्टर के डीपीएस कल्याणपुर के अभिनव चंद्र शास्त्री और अनन्या ओमर 55 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे। लखनऊ चैप्टर के सीएमकेपी यूपी सैनिक स्कूल के कैडेट उदय वीर सिंह और कैडेट चार्वी प्रताप सिंह ने 45 अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

सेब की आवक बढ़ी, कश्मीर संग शिमला से भी मंडी में आ रहा सेब

गोरखपुर एजेंसी। फल मंडी में कश्मीर और शिमला से सेब की आवक बढ़ने लगी है। इस समय थोक बाजार में सेब 100 से 110 रुपये किलो तक बिक रहा है। कश्मीर से नए सेब की आवक शुरू होने के साथ ही शिमला से भी सेब पहुंच रहा है। रोजाना करीब 10 टन सेब गोरखपुर की मंडी में पहुंच रहा है। आवक बढ़ने से आने वाले दिनों में सेब के दाम में और नरमी आने की उम्मीद है। व्यापारी विजय कुमार सोनकर और धर्मेंद्र कुशवाहा ने बताया कि कश्मीर से सेब की आवक शुरू होने के बाद बाजार में उपलब्धता बढ़ी है। शिमला से भी माल आने के कारण कारोबारियों के पास सेब की कई किस्में उपलब्ध हैं। अभी मांग के मुकाबले आवक संतुलित है, इसलिए दाम 100 से 110 रुपये किलो के आसपास बने हुए हैं। आने वाले दिनों में कश्मीर की आवक और बढ़ने पर कीमतों में और कमी आ सकती है।

बारिश के बाद त्वचा रोगियों की संख्या बढ़ी

बरेली, एजेंसी। मानसूनी बारिश का दौर थमने के बाद निकल रही तेज धूप सेहत पर भारी पड़ रही है। जगह-जगह जलभराव होने से कीट पतंगों समेत बैक्टीरिया पनप रहे हैं। इससे सर्द-गर्म, बुखार और त्वचा रोगी बढ़े हैं। रविवार को आरोग्य मेले में तीन हजार से ज्यादा मरीजों का इलाज हुआ।वरिष्ठ त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. नितिन मिश्रा के मुताबिक, सोने के दौरान या आवाजाही में शरीर पर कीट चिपक जाते हैं। जो संक्रमण की वजह बनते हैं। इससे दाने निकलते हैं ओर त्वचा पर लाल चकत्ते उभरते हैं। बताया कि बारिश के बाद ऐसे मामले बढ़े हैं। दवा के साथ बचाव का उपाय भी बताया जा रहा है।कहा, जिन्हें भी यह समस्या है उन्हें दवा का कोर्स पूरा करना चाहिए। अधूरा छोड़ने पर समस्या बढ़ने की आशंका होती है। इसके अलावा खुजली, दाद, खाज के भी मरीज इलाज को पहुंच रहे हैं। खुजली की अहम वजह स्वच्छता का अभाव मिल रहा है।फरीदपुर सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनुराग गौतम ने बताया कि ओपीडी में चर्म रोग के अलावा डिहाइड्रेशन और बुखार के मरीज अधिक आ रहे हैं। सिरदर्द, चक्कर आने, आंखों में धुंधलापन, सांस संबंधी मरीजों को दवा दी जा रही है। गंभीर मरीज हायर सेंटर रेफर किए गए हैं। सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने रविवार को कीरतपुर परेवा में स्वास्थ्य मेले का निरीक्षण किया। मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सेवा, जांच, चिकित्सकीय परामर्श, दवा वितरण और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सक्रिय सहभागिता पर स्टाफ के प्रयास को सराहा।

लखनऊ में उपकेंद्रों पर बिजलीकर्मी घट रहे,

उपभोक्ता हर साल बढ़ रहे, अनुभव की कमी से बढ़े हादसे

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में बिजली उपकेंद्रों पर उपभोक्ताओं की शिकायतें दूर करने वाले संविदाकर्मियों की संख्या करीब 30 फीसदी घटा दी गई है, जबकि हर साल करीब 15 फीसदी उपभोक्ता बढ़ रहे हैं। पहले चार कर्मचारियों के गैंग से होने वाला काम अब तीन कर्मियों से कराया जा रहा है। आरोप है कि कई उपकेंद्रों पर 11 और 33 हजार वोल्ट की लाइनों के खंभों पर बिना पर्याप्त प्रशिक्षण और अनुभव के कर्मियों को चढ़ाया जा रहा है। इससे हादसों का खतरा बढ़ गया है।

संविदा यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद खालिद के मुताबिक, पहले एक गैंग में एक लाइनमैन, एक पेट्रोलमैन और दो सहयोगी होते थे। खंभे पर चढ़कर काम करने की जिम्मेदारी सिर्फ लाइनमैन की थी। अब तीन कर्मचारियों के गैंग में एक कुशल और दो अकुशल संविदा कर्मी रखे जा रहे हैं।

वेतन रोकने की धमकी भी दी जाती : शिकायतों का बोझ बढ़ने के बावजूद कर्मचारियों की संख्या घटा दी गई है। खालिद का आरोप है कि शिकायतों का दबाव बढ़ने पर जेई और एसडीओ संविदाकर्मियों से आठ की जगह 12 घंटे तक काम करा रहे हैं। नौकरी से निकालने और वेतन रोकने की धमकी भी दी जाती है।

उपकेंद्रों पर नहीं है ड्यूटी चार्ट : वीआईपी क्षेत्रों के उपकेंद्रों को

छोड़कर अधिकांश जगह संविदाकर्मियों का ड्यूटी चार्ट चस्पा नहीं किया जाता। यूनियन का आरोप है कि ड्यूटी चार्ट नहीं होने से तय अवधि से अधिक काम कराने की शिकायतों का रिकॉर्ड सामने नहीं आ पाता।

कर्मी बढ़े तो सुधरी व्यवस्था : मई से जुलाई के बीच राजधानी में बिजली संकट के दौरान मध्यांचल निगम के निदेशक तकनीकी हरीश बंसल ने उपकेंद्रों का निरीक्षण किया था। इस दौरान कर्मचारियों की कमी सामने आई। तत्कालीन एमडी रिया केजरीवाल की अनुमति से तीन-चार माह के लिए कर्मियों की संख्या बढ़ाई गई, जिससे व्यवस्था में सुधार हुआ।

पारिश्रमिक : अकुशल संविदाकर्मी 11,200 रुपये और कुशल संविदाकर्मी 14,100 रुपये।

वर्टिकल में कर्मियों का शोषण बढ़ा है। प्रबंधन ने उपकेंद्र कर्मियों की संख्या करीब 30 फीसदी घटाकर उपभोक्ताओं की समस्याएं बढ़ा दी हैं। कुछ उपकेंद्रों पर जेई कर्मचारियों से आठ की जगह 12 घंटे तक काम करा रहे हैं।

कई हादसे, फिर भी नहीं बदली व्यवस्था

- फरवरी में कल्याणपुर में परशुराम रावत की मौत
- अप्रैल में दुबग्गा उपकेंद्र पर सुहैल करंट से झुलसा।
- मई में मोहनलालगंज ओल्ड उपकेंद्र में महानंद झुलसे।
- सितंबर में चिनहट शिवपुरी उपकेंद्र के रंजीत कुमार की मौत।
- अक्टूबर में आशियाना उपकेंद्र के संविदा लाइनमैन अभिषेक झुलसे।

पदोन्नति और एसीपी का लाभ न मिलने पर चिकित्सकों में रोष, काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

शामली (शिखर समाचार)। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के आह्वान पर सोमवार को जिलेभर के चिकित्सकों ने पदोन्नति में देरी और सुनिश्चित कैरियर प्रगति योजना (एसीपी) का लाभ नहीं मिलने के विरोध में हाथों पर काली पट्टी बांधकर कार्य किया। चिकित्सकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के बैनर तले शामली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। संघ के जिला सचिव डॉ. विजेंद्र कुमार ने बताया कि निर्धारित सेवा अवधि पूरी होने के बावजूद चिकित्सकों को पदोन्नति का लाभ नहीं मिल रहा है। ग्रेड-1, ग्रेड-2 और ग्रेड-3 में पदोन्नति लंबे समय से लंबित होने के कारण चिकित्सकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही सुनिश्चित कैरियर प्रगति योजना का लाभ नहीं मिलने से भी चिकित्सकों में रोष बढ़ रहा है।

उन्होंने बताया कि चिकित्सक अगले दस दिनों तक हाथों पर काली पट्टी बांधकर कार्य करेंगे। इस दौरान नियमित स्वास्थ्य सेवाएं जारी रखते हुए सरकार तक अपनी मांग पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। दस दिन बाद मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य सचिव के नाम जिलाधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपा जाएगा।

डॉ. विजेंद्र कुमार ने कहा कि इसके बाद भी यदि चिकित्सकों की मांगों का समाधान नहीं किया गया तो संघ के सदस्य लखनऊ पहुंचकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। आवश्यकता पड़ने पर हड़ताल का रास्ता भी अपनाया जा सकता है। चिकित्सकों ने सरकार से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने और पात्र चिकित्सकों को सुनिश्चित कैरियर प्रगति योजना का लाभ देने की मांग की है।

विरोध प्रदर्शन के दौरान डॉ. उपकार, डॉ. सचिन मलिक, डॉ. प्रवीन त्यागी, डॉ. राघव अग्रवाल, डॉ. दीपक चौधरी, डॉ. सुशील और डॉ. तरुण सहित अन्य चिकित्सक मौजूद रहे।

उद्योगों को मिलेगी निर्बाध बिजली, तीन नए बिजलीघरों को मंजूरी

गाजियाबाद , एजेंसी। औद्योगिक क्षेत्रों में बढ़ती बिजली की जरूरत और निर्बाध आपूर्ति के लिए जिले में तीन नए बिजलीघरों के निर्माण की कार्ययोजना को यूपीसीडा ने मंजूरी दे दी है। कविनगर, साहिबाबाद साइट फोर और मसूरी-गुलावठी औद्योगिक क्षेत्र में 20-20 एमवीए क्षमता के बिजलीघर बनाए जाएंगे। इन पर करीब 30 करोड़ रुपये खर्च होंगे। तीनों बिजलीघरों के लिए जमीन भी चिह्नित की जा चुकी है।

यूपीसीडा के सीनियर मैनेजर इलेक्ट्रिकल राजवीर सिंह ने बताया कि अटल मिशन के तहत नए बिजलीघरों के निर्माण का प्रस्ताव भेजा गया था। कानपुर मुख्यालय से इसकी मंजूरी मिल गई है। कार्ययोजना स्वीकृत होने के बाद इसी महीने आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। नए बिजलीघरों से इन औद्योगिक क्षेत्रों में संचालित हजारों उद्योगों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

औद्योगिक क्षेत्रों में साढ़े चार सौ मेगावाट खपत

जिले के 11 औद्योगिक क्षेत्रों में प्रतिदिन करीब साढ़े चार सौ मेगावाट बिजली की खपत होती है। ऊर्जा निगम के मुख्य अभियंता पवन अग्रवाल ने बताया कि आने वाले दिनों में औद्योगिक इकाइयों की क्षमता वृद्धि को देखते हुए नए बिजलीघरों के प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं। 60 एमवीए क्षमता के तीन नए बिजलीघर बनने के बाद उद्योगों को पर्याप्त बिजली मिलने की उम्मीद है।

नए बिजलीघरों के निर्माण के साथ बिजली आपूर्ति के लिए लाइन डालने का काम भी किया जाएगा। जरूरत के अनुसार कहीं ओवरहेड तो कहीं अंडरग्राउंड केबल डाली जाएगी। यूपीसीडा के उप महाप्रबंधक सलिल यादव ने बताया कि निर्माण पूरा होने के बाद बिजलीघरों को ऊर्जा निगम को हैंडओवर कर दिया जाएगा। जिले के अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी बिजली के ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रस्ताव तैयार किए जा रहे हैं।

तीन दिन जनकपुरी आयोजन, रूट देखकर ही सड़क पर निकलें

आगरा, एजेंसी। भावना एस्टेट में जनकपुरी का आयोजन 7 से 9 अक्तूबर तक किया जा रहा है। इसे देखते हुए यातायात पुलिस ने ट्रैफिक व्यवस्था की है। हाईवे पर दोपहर तीन से रात 1 बजे तक मध्यम और भारी वाहनों के आवागमन पर भी प्रतिबंध रहेगा। हाईवे पर लोगों की भीड़ से छोटे वाहन का आवागमन सिकंदरा से बोदला-गुरुद्वारा गुरु का ताल से हलवाई की बगीची और आवास विकास कॉलोनी की तरफ होने से लोगों को जाम की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

जनकपुरी में प्रवेश केके नगर कट, पुरुषोत्तम खंडेलवाल कट, भावना एस्टेट कट, बुलेट अड्डा कट, गुरुद्वारा गुरु का ताल गेट से मिलेगा। पार्किंग की व्यवस्था पांच स्थान पर की गई है। इनमें जनक महल के पीछे वीआईपी-वीवीआईपी पार्किंग होगी। बाईपुर, केके नगर, विनायक नगर से आने वालों के लिए नवीन जैन और कमल चौधरी का प्लॉट, सिकंदरा से आने वालों के लिए देव कॉलेज के सामने तीन खाली प्लॉट, होली पब्लिक स्कूल और गणपति किंग काउंटी के बगल में खाली प्लॉट में पार्किंग बनाई गई है।

राष्टीय राजमार्ग-19 पर रैपुरा जाट दक्षिणी बाईपास मथुरा सीमा से कुबेरपुर कट के बीच मध्यम वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। इन वाहनों को यमुना एक्सप्रेसवे, इनर रिंग रोड, जयपुर, ग्वालियर मार्ग, रोहता, पथौली नहर होकर निकाला जाएगा। जनकपुरी में भीड़ को देखते हुए वाहन हाईवे से कम बल्कि सिकंदरा से बोदला, मारुति एस्टेट, कोठी मीना बाजार, पंचकुइयां, गुरुद्वारा से आवास विकास, खंदारी से मदिया कटरा की तरफ अधिक जाएंगे।

सुभाष पार्क से मारुति एस्टेट का रूट एमजी रोड-2 में आता है। इस रूट पर वाहनों की संख्या बढ़ने से जाम लगना तय है। इन मार्ग पर पहले से ही आम दिनों में जाम की समस्या रहती है। जनकपुरी आयोजन में आने वाले लोगों के वाहन, सवारी वाहनों की संख्या बढ़ने से सड़क पर दबाव बढ़ सकता है।

मन से नफरत–प्रतिशोध खत्म करने में है सच्ची 'शुद्धि'

बरेलीएजेंसी। दो समुदायों के युगल के रिश्तों को समाज की अस्वीकृति और सांप्रदायिक तनाव को दिखाते हुए नाटक 'शुद्धि' का मंचन किया गया। इसमें मन से नफरत और प्रतिशोध खत्म करने को सच्ची शुद्धि बताया गया। इसके साथ ही थिएटर अड्डा में रंगालय एकेडमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर सोसाइटी की ओर से खुशहाली सभागार में आयोजित 15 दिवसीय थिएटर फेस्ट का रविवार को समापन हुआ।

संस्कार भारती व चित्राली थिएटर फाउंडेशन शाहजहांपुर ने राजेश कुमार के लिखित और कप्तान सिंह कर्णधार के निर्देशित नाटक शुद्धि का मंचन किया। कहानी त्रिभुवन तिवारी और हुस्ना के प्रेम और विवाह पर आधारित है। दो समुदाय से ताल्लुक रखने वाले युगल के अच्छे-बुरे हालात को दर्शाते हुए संदेश दिया गया कि सच्ची शुद्धि किसी व्यक्ति के धर्म परिवर्तन में नहीं, बल्कि मन से नफरत, हिंसा और प्रतिशोध की भावना खत्म करने में है। इस दौरान सलोचना कार्की, कप्तान सिंह 'कर्णधार', किंजल सक्सेना, अंकित त्रिवेदी, नौशाद अंसारी, शशि भूषण जौहरी, राज भूषण जौहरी, अभ्युदय कर्णधार, धृतिका कर्णधार, चित्राली कर्णधार और आमन जौहरी ने अभिनय किया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. विनोद पागरानी और पवन सक्सेना ने किया। शालिनी गुप्ता, अजय सुमन आदि ने सहयोग किया। संयोजक शैलेंद्र कुमार आजाद ने सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

हनुमान जी की प्रतिमा खंडित किए जाने के विरोध में ग्रामीणों का जोरदार धरना-प्रदर्शन, नवरात्र में नई प्रतिमा स्थापना के आश्वासन पर आंदोलन स्थगित

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना-बुदकी मार्ग पर स्थित ग्राम मुगलवाला के सामने सड़क किनारे स्थापित भगवान हनुमान की प्रतिमा को कुछ शरारती तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर खंडित कर दिया गया। इस घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत अज्ञात असामाजिक तत्वों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी और नई प्रतिमा की शीघ्र स्थापना की मांग को लेकर सोमवार सुबह करीब 10 बजे ग्राम मुगलवाला के सैकड़ों महिला, पुरुष और युवा हनुमान प्रतिमा परिसर में एकत्र हुए। ग्रामीणों ने धरना स्थल पर बैठकर नारेबाजी की और अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझाते हुए स्पष्ट किया कि सनातन परंपरा के अनुसार पितृपक्ष के दौरान नई प्रतिमा की स्थापना नहीं की जा सकती। उन्होंने आश्वासन दिया कि आगामी नवरात्र प्रारंभ होते ही पूरे विधि विधान और धार्मिक रीति रिवाज के साथ हनुमान जी की नई प्रतिमा स्थापित करा दी जाएगी।

थाना प्रभारी के इस लिखित व स्पष्ट आश्वासन पर भगवाधारी सेना के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार और महंत मंगलदास सहित सभी प्रदर्शनकारी सहमत हो गए, जिसके बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया। प्रदर्शन में मुख्य रूप से कुसुम देवी, सविता, कमला, राधा, अंजलि, नेहा, बबीता, पुष्पा, निर्देश, ज्योति, मूर्ति, माला, रीमा, रीता, जूली, कविता, पूनम, भगवती, मिथिलेश, करन, उमेश, नरेश, सुरेश, कलवा, सुनील कुमार, अजीत, अनिल, विद्या पाल, राम सिंह, तिलकराम सिंह, नरेंद्र शर्मा और संदीप वर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक के जरिए सरकारी योजनाओं की दी जानकारी, अंतिम पायदान तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद बिजनौर के तत्वावधान में केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लखनऊ से आए कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आम नागरिकों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और पात्र लोगों से योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने की, जबकि मंच संचालन गौरव धीमान ने किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए इंदिरा सिंह ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के

लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही हैं। सरकार की मंशा है कि इन योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि जागरूकता के अभाव में कई पात्र लोग सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाते, इसलिए इस तरह के कार्यक्रम महत्वपूर्ण हैं।

जागरूकता अभियान के तहत लखनऊ से आए 10 सदस्यीय कलाकार दल ने रोचक और ज्ञानवर्धक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। कलाकारों ने अभिनय के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वरोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को सरल भाषा में समझाया। नाटक के माध्यम से पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक जानकारी भी दी गई। प्रस्तुति को स्थानीय नागरिकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह, अवर अभियंता जलकल गौरव शर्मा, अवर अभियंता सिविल यशवंत कुमार और कर निरीक्षक सुंदरलाल मौजूद रहे। इसके अलावा सभासद मनी चौधरी, नीरज शर्मा, हितेश सैनी, हिमांशु, राजू अग्रवाल और अवनीश निगम सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

एशियाई खेलों की पदक विजेता प्राची चौधरी का जिलाधिकारी ने किया सम्मान

सहारनपुर (शिखर समाचार)। एशियाई खेल 2026 में देश और सहारनपुर का नाम रोशन करने वाली स्टार एथलीट प्राची चौधरी का जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान ने कलेक्ट्रेट सभागार में स्वागत एवं सम्मान किया। जिलाधिकारी ने प्राची चौधरी को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए बधाई दी। प्राची ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में कांस्य पदक हासिल किया, जबकि महिला 4400 मीटर रिले स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा बनकर महत्वपूर्ण योगदान दिया।

स्वागत कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान ने प्राची चौधरी की कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्राची की उपलब्धि सहारनपुर के साथ-साथ देश की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रोत्साहन और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। जिलाधिकारी ने प्राची को आगामी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं देते हुए भरोसा दिलाया कि युवाओं को खेलों में आगे बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराएगा।

सम्मान से अभिभूत प्राची चौधरी ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, प्रशिक्षक और जनपदवासियों के सहयोग एवं प्रोत्साहन को दिया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने से उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने भी प्राची चौधरी की उपलब्धि पर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

कुंभ क्षेत्र में 13,865 शौचालय सीट और 8,065 मूत्रालय लगेंगे, एकीकृत सफाई योजना को एक सप्ताह में अंतिम रूप देने के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 में सफाई और स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने तथा संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। शहरी विकास विभाग के सचिव नितेश कुमार झा ने सोमवार को मेला नियंत्रण भवन में कुंभ क्षेत्र में शामिल नगर निकायों, जिला पंचायतों और पंचायतीराज विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर प्रस्तावित एकीकृत स्वच्छता कार्ययोजना की समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित निकायों और विभागों को अपनी विस्तृत कार्ययोजना एक सप्ताह के भीतर अंतिम रूप देकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

सचिव ने कहा कि कुंभ क्षेत्र में सफाई व्यवस्था के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें और प्रत्येक सेक्टर में आवश्यक मानव संसाधन, उपकरण व अन्य सुविधाओं की उपलब्धता समय से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि सफाई और स्वच्छता व्यवस्था की ऑनलाइन निगरानी की जाएगी। इसके लिए शहरी विकास विभाग के डैशबोर्ड पर कुंभ क्षेत्र में शामिल सभी नगर निकायों और जिला पंचायतों को जोड़ा जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि एकीकृत कार्ययोजना में कुंभ से पहले, मेला अवधि और

मेला समाप्त होने के बाद की व्यवस्थाओं को भी शामिल किया जाए। सफाई व्यवस्था के लिए आवश्यक सामग्री और उपकरणों की खरीद तथा उनके वितरण की योजना पहले से तैयार करने को कहा गया। नगर निगम हरिद्वार के नगर आयुक्त नंदन कुमार को योजना के क्रियान्वयन और समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में हरिद्वार, ऋषिकेश और रुड़की नगर निगम सहित अन्य निकायों की तैयारियों की जानकारी ली गई। सचिव ने ग्रामीण क्षेत्रों और जिला पंचायतों के स्तर पर भी सफाई व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। दिसंबर की शुरूआत से पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मियों की तैनाती तथा उन्हें रसायनों और उपकरणों के सुरक्षित उपयोग का प्रशिक्षण देने को कहा गया। नगर आयुक्त नंदन कुमार ने बताया कि कुंभ क्षेत्र के 32 सेक्टरों में 13,865 शौचालय सीट, 8,065 एफआरपी मूत्रालय और 4,840 कूड़ेदान स्थापित करने की तैयारी है। सफाई के लिए 493 वाहनों का उपयोग किया जाएगा। सीवेज निस्तारण के लिए छह मल-कीचड़ उपचार संयंत्र और सेक्टर आधारित मल-स्थानांतरण केंद्रों का उपयोग होगा। बैठक के बाद सचिव ने सवार्नंद घाट से लगी मेला भूमि का निरीक्षण कर प्रस्तावित व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

बाल सृजन प्रतियोगिता में सांची प्रथम, रूही द्वितीय और देवांशी तृतीय

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बे के कांधला रोड स्थित मेपल्स एकेडमी में सामाजिक संस्था निर्विका फाउंडेशन के तत्वावधान में संस्कार एवं बाल सृजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में चौथी कक्षा के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़े विषयों पर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में छात्रा सांची ने प्रथम, रूही चौधरी ने द्वितीय और देवांशी गर्ग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. गरिमा वर्मा और संस्था के सदस्य सोनू कुमार ने विजेता छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्या डॉ. गरिमा वर्मा ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेना भी आवश्यक है। इस तरह के आयोजन बच्चों में नैतिक मूल्यों को मजबूत करने के साथ उनकी कल्पनाशक्ति, आत्मविश्वास और बौद्धिक क्षमता को विकसित करने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे निखारने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम के सफल संचालन में समन्वयक ऋतु मनचंदा का विशेष योगदान रहा। प्रतियोगिता में बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपने विचारों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक राजीव गर्ग, संस्था अध्यक्ष दीपक राठी, कपिल मित्तल, उप प्रधानाचार्य क्षितिज श्रीवास्तव सहित विद्यालय के शिक्षक, संस्था के सदस्य और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। आयोजकों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

सच्ची भक्ति से भक्त को मिलता है प्रभु के भावों का अनुभव: उद्यो जी महाराज

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। सुविख्यात कथा वाचक उद्यो जी महाराज ने कहा कि सच्चे मन से की जाने वाली भक्ति में भक्त को अपने उपास्य के सभी भावों, जैसे नाराजगी, प्रसन्नता, प्रेम और स्नेह का प्रत्यक्ष अनुभव होने लगता है। उन्होंने कहा कि भक्ति के अद्भुत रंग होते हैं और भगवान की भक्ति में लीन भक्त धीरे-धीरे सांसारिक मोह-माया के जंजाल से मुक्त होता चला जाता है। उद्यो जी महाराज

रेलवे रोड स्थित खादी भंडार मैदान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में श्रद्धालुओं को कथा का रसपान करा रहे थे। भगवान जगन्नाथ और माता कर्मा के प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि देवता भी पवित्र भारत भूमि पर जन्म लेने की कामना करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान केवल भक्त की भक्ति भावना देखते हैं। उनके लिए बाहरी पवित्रता या अपवित्रता के बनाए गए नियम-कायदे महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि भक्त के मन की श्रद्धा और भावना सर्वोपरि है। इससे पूर्व श्री राम सेवा ट्रस्ट मंडल के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ आदेश गुप्ता और उनकी पत्नी साधना गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया। रामपुर मनिहारान देहात के पूर्व प्रधान संजय राठी ने फीता काटकर कथा का विधिवत शुभारंभ कराया। कथा के दौरान उद्यो जी महाराज ने मनोहारी भजनों की प्रस्तुति भी दी। भजनों पर कथा पंडाल में मौजूद श्रद्धालु भावविभोर होकर झूमने लगे। आयोजन में श्री राम सेवा ट्रस्ट मंडल के संरक्षक चौधरी रमेश पंवार, अध्यक्ष संदीप मित्तल, सुरेंद्र फौजी, विजय आनंद, हरिओम शर्मा, पद्म सिंह अधिवक्ता, गौरव मित्तल, सावन मित्तल, विजय शर्मा, अनिल शर्मा, अमरदीप पंवार और भीम सैन सहित अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

भगवान शिव की भव्य बारात के साथ रामलीला मंचन का शुभारंभ, एसडीएम ने फीता काटकर किया रवाना

मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्री बड़ी रामलीला कमेटी के तत्वावधान में भगवान शिव की भव्य बारात के साथ नगर में रामलीला मंचन का विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसडीएम कोमल पंवार ने फीता काटकर शिव बारात को गंतव्य के लिए रवाना किया। इस अवसर पर एसडीएम कोमल पंवार ने कहा कि रामलीला भारतीय संस्कृति, धार्मिक आस्था और आदर्श जीवन मूल्यों का अनूठा प्रतीक है। भगवान श्रीराम के आदर्शों से समाज को सत्य, मयार्दा और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की निरंतर प्रेरणा मिलती है। शिव बारात रावली रोड स्थित रामलीला ग्राउंड से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई विजय मंडी स्थित शिव मंदिर पहुंची। बारात

के मार्ग में स्थान-स्थान पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर बारात का जोरदार स्वागत किया। डीजे और बैंड-बाजों की मधुर धुनों पर शिवभक्त जमकर थिरके। हरियाणा से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की गई अघोरी झांकी पूरे आयोजन में आकर्षण का मुख्य केंद्र रही, जिससे पूरा नगर शिवमय नजर आया। वहीं, शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा व शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इस अवसर पर कमेटी अध्यक्ष मोहित मुंडे, सतीश मित्तल, परमानंद गर्ग, धर्मप्रकाश नेताजी, अंकुर मित्तल, दीपक मित्तल, विपिन गर्ग, मोहित गर्ग, अंकित गर्ग, नरेश कश्यप, अरविंद सिंघल, हरिमोहन गोयल, अर्पित कुमार, जयभगवान कश्यप, नीरज जांगिड़, नवीन गर्ग, विश्रान्त कौशिक, प्रवीण सिंघल, विकास गोयल, प्रशांत खटीक, राजू सक्सेना, संजीव सिंघल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महिलाओं ने गौशाला में किया सेवा कार्य, गौमाता को खिलाए केले गुड़; बच्चों को बांटे कपड़े और बिस्किट

हापुड़ (शिखर समाचार)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन जिला हापुड़ की महिला विंग द्वारा हापुड़ स्थित गौशाला में एक विशेष सेवा कार्य का आयोजन किया गया। इस दौरान महिला पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने गौमाता को केले व गुड़ खिलाकर पुण्य अर्जित किया। इसके साथ ही जरूरतमंद बच्चों को कपड़े, बिस्किट और केले वितरित किए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रति अग्रवाल ने कहा कि समाज के प्रति हमारी भी कुछ जिम्मेदारियां हैं। ऐसे सेवा कार्य समय समय पर आयोजित होते रहने चाहिए, जिससे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े जरूरतमंदों के जीवन में खुशी की नई किरण लाई जा सके। सेवा कार्य के इस पुनीत अवसर पर संगठन की मंत्री पारुल जिंदल और कोषाध्यक्ष वसु कंसल के साथ राधिका, स्वाति, युक्ति, आंचल, हेमा, सुप्रवा, प्रियंका और प्रिया प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

पुलिस चौकी के सामने किसान नेता की लहूलुहान लाश से सनसनी, भाई पर हत्या का आरोप

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर कोतवाली क्षेत्र के गांव नीमका में सोमवार सुबह पुलिस चौकी के ठीक सामने बिल्डिंग मैटेरियल कारोबारी एवं किसान नेता भोले शंकर का शव लहूलुहान हालत में मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी फॉरेंसिक और फील्ड यूनिट की टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। मृतक के बेटे योगेंद्र ने अपने ही सगे चाचा देवेंद्र पर रंजिश और मामूली विवाद के चलते फावड़े से हमला कर पिता की हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार भोले शंकर खुर्जा रोड पर नीमका पुलिस चौकी के सामने बिल्डिंग मैटेरियल का कारोबार करते थे और वहीं धर्मकांटे का निर्माण करा रहे थे। वह भारतीय किसान यूनियन से भी जुड़े थे। परिजनों के मुताबिक, उनका छोटा भाई देवेंद्र नशे का आदी है और परिवार से अलग रहता है। आरोप है कि देवेंद्र अक्सर विवाद और गाली-गलौज करता था।

योगेंद्र ने पुलिस को बताया कि रविवार रात करीब 10:45 बजे वह पिता को धर्मकांटे पर खाना देकर घर लौट रहा था। रास्ते में उसने देवेंद्र को पिता को गाली देते हुए धर्मकांटे की ओर जाते देखा। सोमवार सुबह चाय देने पहुंचा तो पिता का शव खून से लथपथ पड़ा मिला। परिजनों के अनुसार, पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में देवेंद्र के हमले की बात सामने आई है।

पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल से खून के नमूने समेत अन्य साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस के अनुसार तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है।

4500 से अधिक किसानों को मिलेगा 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर, 500 करोड़ से अधिक भुगतान का रास्ता साफ

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा में वर्ष 2002 से 2013 के बीच क्रय अथवा अधिग्रहित की गई भूमि के ऐसे किसानों को अब मूल प्रतिकर की 64.7 प्रतिशत राशि अतिरिक्त प्रतिकर के रूप में मिलने का रास्ता साफ हो गया है, जिन्हें किसी कारणवश इसका लाभ नहीं मिल सका था। उत्तर प्रदेश शासन ने इस संबंध में आदेश जारी कर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को नियमानुसार कार्रवाई करते हुए निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। इस फैसले से 4,500 से अधिक किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। प्राधिकरण की ओर से किसानों को 500 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त प्रतिकर दिए जाने का अनुमान है।

बताया गया है कि जिन किसानों की भूमि उक्त अवधि में क्रय अथवा अधिग्रहित की गई थी, लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने या न्यायालय की शरण में नहीं जा पाने के कारण उन्हें 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर का लाभ नहीं मिल सका, अब ऐसे किसानों को भी इसका लाभ मिल सकेगा। शासनादेश जारी होने के बाद लंबे समय से अतिरिक्त प्रतिकर की मांग कर रहे किसानों में खुशी है। किसानों को अतिरिक्त प्रतिकर का लाभ दिलाने के लिए शासनादेश जारी कराने में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, जिले के प्रभारी मंत्री कुंवर बृजेश सिंह, स्थानीय सांसद डॉ. महेश शर्मा, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह और दादरी विधायक तेजपाल नागर की भूमिका रही है। उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने ग्रेटर

नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को नियमानुसार कार्रवाई करते हुए मामले में निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, प्राधिकरण ने वर्ष 2002 से 2013 के मध्य क्रय अथवा अधिग्रहित भूमि के संबंध में 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर दिए जाने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा था। इसमें उच्च न्यायालय में गजराज व अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य मामले में पारित आदेश का भी हवाला दिया गया था। शासन ने कहा है कि उक्त अवधि में भूमि क्रय अथवा अधिग्रहित होने के बावजूद जिन किसानों को 64.70 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर का लाभ नहीं मिला है, उन्हें मूल प्रतिकर की 64.7 प्रतिशत राशि अतिरिक्त प्रतिकर के रूप में दिए जाने पर प्राधिकरण निर्णय ले सकता है। अब प्राधिकरण संबंधित किसानों के अभिलेखों, पात्रता और लागू नियमों की जांच कर आगे की प्रक्रिया पूरी करेगा।

हनुमान टीला हनुमान धाम पर 57वें रामलीला महोत्सव का शुभारंभ, नारद मोह की लीला ने मोहा मन

शामली (शिखर समाचार)। शहर के प्रसिद्ध हनुमान टीला हनुमान धाम पर 57वें रामलीला महोत्सव का विधिवत शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अरविंद संगल और वरिष्ठ समाजसेवी अजय मानव संगल ने दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर रामलीला महोत्सव का शुभारंभ किया। रामलीला समिति के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने अतिथियों का स्वागत किया।

नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल ने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्शों को प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में उतारना चाहिए। उनके जीवन से सत्य, मयार्दा, त्याग और कर्तव्य पालन की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चे धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से दूर होकर मोबाइल के अधिक करीब होते जा रहे हैं। ऐसे में अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को धर्म, संस्कृति और संस्कारों से जोड़कर उनका उचित मार्गदर्शन करें। बच्चों को संस्कारवान

और जिम्मेदार बनाने के लिए उन्हें धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों से जोड़ना जरूरी है।

वरिष्ठ समाजसेवी अजय मानव संगल ने रामलीला के कलाकारों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कलाकार कई दिनों तक मेहनत और अभ्यास के बाद अपनी प्रस्तुति को बेहतर बनाते हैं। रामलीला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम के चरित्र और सत्य एवं धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन है। यह अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देती है।

शुभारंभ के बाद स्थानीय और बाहरी कलाकारों ने गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद नारद मोह की लीला का मनोहारी मंचन हुआ। नारद की भूमिका वंश निर्वाल, कामदेव की भूमिका पंडित भगवत निशांत पाठक, इंद्र की भूमिका सुनील गुप्ता और भगवान विष्णु की भूमिका आकाश धीमान ने निभाई। कलाकारों के प्रभावी अभिनय और संवादों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लीला देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कार्यक्रम में रामलीला समिति के प्रधान सुनील द्विवेदी, महासचिव राजकुमार मित्तल सहित समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। मंच संचालन डॉ. अनुराग शर्मा एवं लोकेश शर्मा ने किया।

डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय में फ्रेशर्स पार्टी अभ्युदय 2026 का भव्य आयोजन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय, मोदीनगर में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत हेतु फ्रेशर्स पार्टी 'अभ्युदय 2026' का भव्य एवं रंगारंग आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुलाधिपति डॉ. डी.के. मोदी, कुलसचिव यू.एन. मिश्रा, कुलपति डॉ. पी.एन. हृषिकेश, समस्त डीन, निदेशकगण, विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10:00 बजे दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर को आकर्षक गुब्बारों, फूलों एवं लाइटों से सजाया गया था। समारोह को संबोधित करते हुए कुलाधिपति डॉ. डी.के. मोदी ने सभी नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि चरित्र, करियर और भविष्य निर्माण का मंच है। उन्होंने छात्रों को बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, कुलपति डॉ. पी.एन. हृषिकेश ने कहा कि विश्वविद्यालय जीवन सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव है, जहाँ छात्र ज्ञान, कौशल और अनुशासन पर ध्यान देकर अपना भविष्य उज्ज्वल बना सकते हैं। कुलसचिव यू.एन. मिश्रा ने भी नवागत छात्रों का स्वागत करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में सीनियर छात्रों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई, जिनमें समूह नृत्य, गायन, कविता पाठ एवं फैशन रैंप वॉक शामिल रहे। समारोह का मुख्य आकर्षण मिस्टर एंड मिस फ्रेशर 2026 प्रतियोगिता रही, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और बुद्धिमत्ता का परिचय दिया। विजेताओं को कुलाधिपति एवं कुलपति द्वारा ताज व सैश पहनाकर सम्मानित किया गया। अंत में डीजे धमाल और धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

रामचरितमानस एक मयार्दा का ग्रंथ : पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल

मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वाधान में टंकी रोड पर रामलीला महोत्सव का शुभारंभ हवन-यज्ञ और फीता काटकर भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, सिल्वर स्पून होटल के नीटू खेमानी तथा भाजपा के पूर्व महानगर महामंत्री गोपाल अग्रवाल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर महोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने कहा कि रामचरितमानस एक मयार्दा का ग्रंथ है। भगवान श्री राम ने जीवन के हर क्षेत्र में एक उच्च आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों को एकजुट कर आसुरी शक्तियों के विरुद्ध संघर्ष किया, और हमें भी उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। इससे पूर्व, पंडित चंद्रशेखर शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ

संपन्न कराया। कमेटी के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का पटका पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। उद्घाटन के पश्चात रामलीला मंच पर सबसे पहले गणपति वंदना की प्रस्तुति दी गई। इसके बाद कलाकारों द्वारा 'नारद संवाद' की लीला का भावपूर्ण और जीवंत मंचन किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम के दौरान कमेटी के संचालक बुधप्रकाश गोयल, अरविंद भारतीय, सुशील गोयल, अध्यक्ष विनोद धनगर, महामंत्री महेश गोयल, कोषाध्यक्ष सुभाष चंद गर्ग, रघुनंदन रस्तोगी, वरिष्ठ पत्रकार रामकिशन बंधु, लघु उद्योग भारती के मंडलाध्यक्ष अमरीश गोयल, संजीव त्यागी, अनिल गोयल, उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष राजकुमार गोयल, रामऔतार गर्ग, शिवकुमार गोयल, मोहित त्यागी, सभासद अनिल शर्मा, नितिन कुमार, भूपेंद्र पाल, महेश, सुरेश चंद और राजकुमार गौतम सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ईंट-भट्ठों पर पर्यावरण स्वच्छता प्रमाणपत्र लागू करने का विरोध, प्रदेश स्तर पर आंदोलन की चेतावनी

सहारनपुर (शिखर समाचार)। जिला ईंट निमार्ता समिति की बैठक में ईंट-भट्ठों पर पर्यावरण स्वच्छता प्रमाणपत्र लागू किए जाने का कड़ा विरोध किया गया। स्थानीय जीपीओ रोड स्थित एक होटल के सभागार में आयोजित बैठक में ईंट-भट्ठा संचालकों ने इस व्यवस्था को लेकर अपनी आपत्तियां रखीं। जिला अध्यक्ष सन्नी चौधरी और मुजफ्फरनगर ईंट निमार्ता समिति के जिला अध्यक्ष प्रमोद बालियान ने कहा कि इस मुद्दे को जनपद से लेकर प्रदेश स्तर तक उठाया जाएगा। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही ईंट-भट्ठा संचालकों का प्रतिनिधिमंडल केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी से मुलाकात कर प्रदेश में लागू किए जा रहे पर्यावरण स्वच्छता प्रमाणपत्र की व्यवस्था समाप्त कराने की मांग करेगा।

सन्नी चौधरी ने आरोप लगाया कि प्रमाणपत्र के नाम पर ईंट-भट्ठा संचालकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भट्ठा उद्योग

पहले से ही बढ़ते कर और ईंधन की कीमतों के कारण संकट से गुजर रहा है। उनके अनुसार कोयले के दाम 10 हजार रुपये प्रति टन से बढ़कर करीब 27 हजार रुपये प्रति टन हो गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी भट्ठों पर आगामी एक नवंबर से श्रमिक लाए जाएंगे और एक जनवरी से भट्ठों में ईंट पकाई शुरू की जाएगी।

बैठक में जिला खनन अधिकारी और वस्तु एवं सेवा कर विभाग के अधिकारी अमित पाठक ने भट्ठा संचालकों से समय पर रॉयल्टी जमा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रॉयल्टी जमा होने पर मिट्टी खनन में असुविधा नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि समय से कर जमा करने वाले भट्ठा संचालकों को किसी प्रकार के उत्पीड़न का सामना नहीं करना पड़ेगा। बैठक में अरुण राणा, अकरम प्रधान, आशीष गोयल, याकूब कुरैशी, संजय चौधरी, अनिल लाला, सुरेंद्र अरोड़ा, ओमवीर सिंह, संरक्षक ब्रजभूषण शर्मा, कोषाध्यक्ष वरुण सैनी, गोल्डी गोयल और बब्बू गोयल सहित सैकड़ों भट्ठा संचालक मौजूद रहे। संचालन श्रवण शर्मा ने किया।

संपादकीय

राज्यसभा की बिसात पर भाजपा का नया दांव

उत्तर प्रदेश की राजनीति में राज्यसभा चुनाव हमेशा केवल उच्च सदन की कुछ सीटों का चुनाव नहीं रहे हैं। देश के सबसे बड़े राजनीतिक राज्य से संसद के उच्च सदन में जाने वाले प्रतिनिधियों का चयन प्रदेश की सत्ता, संगठन, सामाजिक समीकरण और आने वाले चुनावों की दिशा का संकेत भी देता है। ऐसे समय में जब उत्तर प्रदेश वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ रहा है, भारतीय जनता पार्टी ने राज्यसभा के लिए आठ उम्मीदवारों की घोषणा कर जिस तरह पुराने चेहरों को हटाकर नए नामों पर भरोसा जताया है, उसने प्रदेश की सियासत में नई बहस छेड़ दी है। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार के नामों को मंजूरी दी है। भाजपा की इस सूची की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पार्टी ने उत्तर प्रदेश से मौजूदा किसी भी भाजपा राज्यसभा सदस्य को दोहराया नहीं है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और बीएल वर्मा जैसे नाम भी इस बार सूची में नहीं हैं। इसके अलावा अरुण सिंह, बृजलाल, नीरज शेखर, गीता शाक्य और सीमा द्विवेदी जैसे मौजूदा सदस्यों का भी पुननार्माकन नहीं किया गया। इसे महज टिकट वितरण का फैसला मानना राजनीति की गहराई को नजरअंदाज करना होगा। यह साफ संकेत है कि भाजपा उच्च सदन के लिए अपने प्रतिनिधित्व को संगठनात्मक सक्रियता, क्षेत्रीय पकड़ और सामाजिक संतुलन के साथ नए सिरे से गढ़ना चाहती है। दूसरी महत्वपूर्ण बात उम्मीदवारों की सामाजिक और क्षेत्रीय संरचना है। सूची में पिछड़े वर्ग, दलित, ब्राह्मण और राजपूत समाज के प्रतिनिधित्व के साथ दो महिला चेहरों को भी जगह दी गई है। धर्मपाल सिंह पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पिछड़े वर्ग की राजनीति में प्रभाव रखने वाले नेता हैं। प्रकाश पाल संगठन और पिछड़े वर्ग के बीच भाजपा की पकड़ मजबूत करने वाले चेहरे के रूप में सामने आते हैं। विद्यासागर सोनकर दलित समाज के प्रमुख नेताओं में गिने जाते हैं। प्रियंका सिंह रावत पूर्व सांसद हैं और महिला तथा दलित प्रतिनिधित्व का महत्वपूर्ण चेहरा हैं। श्रुति गंगवार को भी महिला और सामाजिक प्रतिनिधित्व के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण स्थान मिला है। यह सूची बताती है कि भाजपा ने राज्यसभा को केवल वरिष्ठ नेताओं के पुनर्वास का माध्यम मानने के बजाय उसे संगठन विस्तार और राजनीतिक संदेश का मंच बनाया है। उच्च सदन में भेजे जाने वाले नेताओं से केवल सदन में उपस्थिति की अपेक्षा नहीं होती, बल्कि वे पार्टी की विचारधारा, नीतियों और प्रदेश की राजनीतिक प्राथमिकताओं को राष्ट्रीय स्तर पर रखने का काम भी करते हैं। ऐसे में संगठन से जुड़े नेताओं को अवसर देना भाजपा की उस कार्यशैली को दशार्ता है जिसमें जमीन पर सक्रियता को संसदीय भूमिका से जोड़ने की कोशिश की जा रही है। लेकिन इस पूरी तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश की दस राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होना है। भाजपा ने आठ उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि समाजवादी पार्टी ने रामगोपाल यादव और धनराज परिमल नाथवाणी को मैदान में उतारा है। विधानसभा में दलों की संख्या को देखते हुए भाजपा की स्थिति मजबूत मानी जा रही है, लेकिन आठ उम्मीदवार उतारने का अर्थ यह भी है कि चुनावी गणित को लेकर अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता पड़ सकती है। राज्यसभा चुनाव प्रत्यक्ष जनमत से नहीं, बल्कि निर्वाचित विधायकों के मतों से होता है और इसमें एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व की व्यवस्था लागू होती है। इसलिए यहां हर मत, हर रणनीति और हर राजनीतिक संपर्क का महत्व बढ़ जाता है। यही कारण है कि आने वाले कुछ दिन उत्तर प्रदेश की राजनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 6 अक्टूबर है। 7 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 9 अक्टूबर तक उम्मीदवार नाम वापस ले सकेंगे।

~ मौलिक चिंतन ~

हर विवाद जीतना जरूरी नहीं; कई विवादों से बच जाना ही बुद्धिमानी है।

~~~~~~~~~

©
विनय संकोची

नशे में उड़ता पंजाब: बद अच्छा बदनाम बुरा

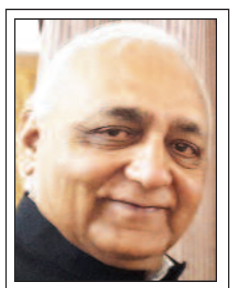

तनवीर जाफ़री

पंजाब राज्य का भारतीय कृषि उत्पादन और देश की खाद्य सुरक्षा में सबसे अहम योगदान है। भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का मात्र 1.5% हिस्सा होने के बावजूद, पंजाब को भारत का अन्न भंडार और भारत की खाद्य टोकरी कहा जाता है। भारत सरकार द्वारा खरीदे जाने वाले कुल गेहूं का लगभग 46% हिस्सा अकेले पंजाब से आता है। केंद्रीय पूल में जमा होने वाले कुल चावल के सरकारी उपार्जन में भी पंजाब का लगभग 31% योगदान है। देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में पंजाब 13 से 14 प्रतिशत का योगदान देता है। गेहूं उत्पादन का लगभग 14% से 22% हिस्सा पंजाब में उगता है, जो इसे देश के शीर्ष उत्पादकों में बनाए रखता है। इसी तरह पंजाब देश के चावल उत्पादन का लगभग 10% से 11% हिस्सा पैदा करता है। भारत के कुल दूध उत्पादन में भी पंजाब लगभग 6.2% से 10% का योगदान देता है। इसी तरह देश के शहद उत्पादन में भी पंजाब का योगदान करीब 20% और मशरूम उत्पादन में रिकॉर्ड 48% है। पंजाब की यह सफलता उसकी फसल सघनता के कारण है, जो 186% से भी अधिक है। राज्य का लगभग 82% से 87% भूभाग खेती के अंतर्गत आता है, जबकि राष्ट्रीय औसत केवल 40% है। यही कारण है कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन के मामले में पंजाब के किसान देश में अग्रणी बने हुए हैं और देश की भुखमरी मिटाने में सबसे आगे खड़े हैं।

परन्तु दुर्भाग्यवश कृषि उत्पादन से लेकर लंगर चलाने व जरूरतमंदों की मदद के लिये अग्रणी रहने वाले इस राज्य को विगत कुछ वर्षों से मात्र नशे को लेकर बदनाम करने की बड़ी साजिश रची जा रही है। चूँकि पंजाब की 17 वीं विधानसभा चुनाव फरवरी 2027 में कराए जाने की पूरी संभावना इसीलिये चुनाव पूर्व विभिन्न राजनैतिक दल पंजाब में कथित तौर पर व्याप्त नशे की समस्या को एक प्रमुख राजनैतिक मुद्दा बना रहे हैं। मिसाल के तौर पर भारतीय जनता पार्टी ने हाल ही में राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों पर 13 दिवसीय नशा मुक्त पंजाब यात्रा निकाली और नशे को ही राज्य का अपना मुख्य चुनावी एजेंडा घोषित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों जालंधर में यह घोषणा की, कि यदि पंजाब में भाजपा की सरकार बनती है, तो 31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को पूरी तरह से नशे के कारोबार से मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने राज्य की भगवंत मान सरकार को आपदा सरकार करार देते हुये यह आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने राज्य में सिंथेटिक ड्रग्स के अवैध कारोबार को खुलेआम फलने-फूलने दिया है। जबकि आप नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार पंजाब को बदनाम कर रही है। आप नेताओं ने गुजरात जैसे राज्यों के बंदरगाहों पर पकड़े जाने वाले भारी मात्रा में नशीले पदार्थों का हवाला देते हुए केंद्र की सीमा सुरक्षा की विफलता पर सवाल उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वादा किया है कि सत्ता में आने के 6 महीने के भीतर पंजाब के पूरे ड्रग नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया जाएगा और नशे के व्यापारियों को जेल भेजा जाएगा। पंजाब में कथित तौर पर फैले नशा नेटवर्क को लेकर बनाई गई फिल्म उड़ता पंजाब ने और भी इस विषय को प्रमुखता से कुछ इसतरह प्रचारित कर दिया गोया देश का कृषि प्रमुख व भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के माध्यम से अपना अतुलनीय योगदान देने वाला देश का यही इकलौता राज्य है जो नशे में डूबा हुआ है।

मतदाता सूची से जंतर-मंतर तक: लोकतंत्र के भरोसे की अग्निपरीक्षा

योगेश कुमार गोयल

एसआईआर, फॉर्म-6 और सवालों के घेरे में चुनावी विश्वास...

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 2, 3 और 4 अक्तूबर को दिल्ली में हुए प्रदर्शनों, बड़ी संख्या में लोगों की हिरासत, भारी सुरक्षा व्यवस्था और केंद्रीय दिल्ली के कई मार्गों तथा मैट्रो स्टेशनों पर लगाए गए प्रतिबंधों ने चुनावी संस्थाओं को लेकर चल रही बहस को और तीखा कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने प्रस्तावित प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी थी और सुरक्षा कारणों से 11 मैट्रो स्टेशनों के प्रवेश-निकास अस्थायी रूप से बंद किए गए थे। जंतर-मंतर लोकतंत्र की उस सार्वजनिक जगह का नाम है, जहां सत्ता से असहमति दर्ज कराने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से नागरिक या संगठन आते हैं। इसलिए वहां उठी आवाज को केवल भीड़, राजनीतिक प्रदर्शन या कानून-व्यवस्था की समस्या मान लेना लोकतांत्रिक विमर्श को छोटा करना होगा।

मतदाता-सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम प्रभावित हुए हैं और इससे चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। हालांकि निर्वाचन आयोग का कहना है कि एसआईआर का उद्देश्य मतदाता-सूचियों को शुद्ध और अद्यतन करना है तथा गलत तरीके से छूट गए पात्र मतदाताओं को फिर शामिल करने के लिए विशेष अभियान भी शुरू किया गया है। आयोग ने अब 20 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में ऐसे पात्र मतदाताओं की पहचान और पुनः नामांकन के लिए विशेष अभियान की घोषणा की है। यही वह बिंदु है, जहां राजनीतिक आरोपों और संस्थागत तथ्यों को गहराई से देखना आवश्यक है। जब मतदाता-सूची जैसी लोकतंत्र की बुनियादी व्यवस्था पर व्यापक संदेह पैदा हों तो निर्वाचन आयोग पर केवल यह कहकर आगे नहीं बढ़ा जा सकता कि वह संवैधानिक संस्था है, इसलिए उस पर विश्वास किया जाए। संवैधानिक संस्था की प्रतिष्ठा अधिकार से नहीं, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से मजबूत होती है।

वर्तमान विवाद का सबसे ठोस और जांच योग्य पहलू फॉर्म-6 से जुड़ा है। फॉर्म-6 मतदाता सूची में नाम शामिल कराने का निर्धारित आवेदन है। विवाद तब उठा, जब एसआईआर से संबंधित एक अतिरिक्त घोषणा ऑनलाइन फॉर्म-6 में जोड़े जाने पर आयोग के भीतर ही दोनों चुनाव आयुक्तों की आपत्तियां सामने आई। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने इस बदलाव की वैधानिक प्रक्रिया पर सवाल उठाए, जिसके बाद आयोग ने 30 सितंबर को उन राज्यों में, जहां एसआईआर पूरा हो चुका है, ऑनलाइन फॉर्म-6 से यह अतिरिक्त घोषणा हटा दी। यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि घोषणा-पत्र हटाया गया या नहीं बल्कि यह है कि उसे जोड़ा किस अधिकार के तहत गया, किस स्तर पर स्वीकृति मिली, उसका तकनीकी क्रियान्वयन किस आदेश पर हुआ और बाद में उसे हटाने का निर्णय किस प्रक्रिया से लिया गया? इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर सार्वजनिक होने चाहिएं।

इस प्रकरण को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से आगे ले जाने की जरूरत है। यदि कोई अतिरिक्त घोषणा वैधानिक रूप से आवश्यक नहीं थी तो उसके कारण किसी पात्र नागरिक को आवेदन प्रक्रिया में कठिनाई हुई या उसका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका तो इसकी पहचान और सुधार जरूरी है। निर्वाचन आयोग ने अब पात्र लेकिन छूटे मतदाताओं को फिर जोड़ने के लिए विशेष अभियान की बात कही है लेकिन प्रश्न यही है कि इस प्रक्रिया के परिणाम सार्वजनिक रूप से कितने और किस तरह बताए जाएंगे। मतदाता सूची केवल सरकारी रिकॉर्ड नहीं होती, वही लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व का आधार बनती है। इसलिए 'कितने नाम हटे' से अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि कितने पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गलत तरीके से हटे, कितने वापस जोड़े गए, कितने मामलों में आपत्ति स्वीकार हुई और कितनों को अपने मताधिकार की पुनर्स्थापना के लिए अलग से संघर्ष करना पड़ा? इन आंकड़ों का राज्यवार, निर्वाचन क्षेत्रवार और कारणवार सार्वजनिक होना चाहिए। यही पारदर्शिता आरोपों और वास्तविकता के बीच अंतर स्पष्ट कर सकती है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग का राजनीतिक भविष्य क्या होगा, यह कहना अभी संभव नहीं। निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है तथा उसके प्रमुख को हटाने की संवैधानिक प्रक्रिया अलग है। यहां बड़ा सवाल केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे का नहीं, चुनाव आयोग पर भरोसे का है। यदि नागरिकों का एक बड़ा वर्ग यह मानने लगे कि मतदाता सूची में उसका नाम सुरक्षित नहीं है, चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं है या निर्वाचन आयोग उसके सवालों का संतोषजनक उत्तर नहीं दे रहा तो लोकतंत्र के लिए यह किसी भी राजनीतिक दल की जीत-हार से कहीं अधिक गंभीर स्थिति है। चुनाव का वास्तविक आधार वह विश्वास है, जिसके कारण हारने वाला पक्ष परिणाम स्वीकार करता है और जीतने वाला पक्ष अपनी वैधता पर आश्वस्त रहता है। इसीलिए सरकार और निर्वाचन आयोग दोनों के लिए एक ही रास्ता है, सवालों का तथ्यात्मक उत्तर। सरकार को आयोग की हर आलोचना का राजनीतिक बचाव करने के बजाय यह सुनिश्चित करना चाहिए कि संवैधानिक संस्था पर उठे सवालों की संस्थागत जांच और सार्वजनिक स्पष्टीकरण हो। निर्वाचन आयोग को भी आलोचना को अपने विरुद्ध राजनीतिक अभियान मानकर खारिज करने के बजाय अपने निर्णयों, सॉफ्टवेयर बदलावों, आदेशों और प्रक्रियाओं का दस्तावेजी विवरण सामने रखना चाहिए।

यदि आयोग स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है तो उसके प्रशासनिक निर्णयों की जिम्मेदारी भी उसी की होनी चाहिए। सरकार का काम आयोग के हर निर्णय का बचाव करना नहीं, ऐसी संस्थागत व्यवस्था सुनिश्चित करना है, जिसमें आयोग बिना किसी राजनीतिक दबाव के काम करे और जनता को उसके निर्णयों का विश्वसनीय स्पष्टीकरण मिल सके। जंतर-मंतर पर लोगों को रोकने के लिए की गई भारी सुरक्षा व्यवस्था ने एक दूसरी बहस भी पैदा की है। कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है और किसी भी प्रदर्शन की सीमाएं कानून से तय होती हैं लेकिन शांतिपूर्ण असहमति लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि प्रतिबंध सुरक्षा की वास्तविक जरूरत के अनुपात में हों और उनका उद्देश्य नागरिकों की लोकतांत्रिक आवाज को दबाना प्रतीत न हो।

अब समय है कि इस पूरे विवाद को 'सत्ता बनाम विपक्ष' की संकीर्ण चौखट से बाहर निकाला जाए। चुनाव आयोग किसी सरकार का नहीं, मतदाता का आयोग है। मतदाता सूची किसी दल की संपत्ति नहीं, नागरिक के मताधिकार का आधार है और चुनाव का परिणाम किसी राजनीतिक दल की निजी उपलब्धि नहीं, संवैधानिक प्रक्रिया से मिली सार्वजनिक वैधता है। इसलिए फॉर्म-6 के विवाद से लेकर एसआईआर के आंकड़ों तक, हर प्रश्न का दस्तावेजी उत्तर सामने आना ही चाहिए। जिन मतदाताओं के नाम प्रक्रिया में छूटे हैं, उनकी पहचान और पुनर्स्थापना की समयबद्ध व्यवस्था होनी चाहिए। सॉफ्टवेयर में हुए बदलावों की जिम्मेदारी स्पष्ट होनी चाहिए। आयोग के भीतर दर्ज असहमतियों का तथ्यात्मक स्पष्टीकरण होना चाहिए। जहां मामला न्यायालय में है, वहां अंतिम निर्णय तक संस्थागत पारदर्शिता बनी रहनी चाहिए।

लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा आलोचना से नहीं, अविश्वास से होता है। आलोचना का उत्तर तर्क से दिया जा सकता है लेकिन अविश्वास को केवल पारदर्शिता ही दूर कर सकती है। जंतर-मंतर और मुम्बई से उठ रही आवाज का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि केवल चुनाव जीतना पर्याप्त नहीं, चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास कायम रहना भी उतना ही जरूरी है। यदि इस विश्वास में दरार पड़ रही है तो उसका इलाज प्रदर्शनकारियों को रोकना नहीं, उन सवालों का सार्वजनिक और संवैधानिक समाधान करना है, जिनके कारण वे सड़क पर उतरने को मजबूर हो रहे हैं। लोकतंत्र की असली परीक्षा यह नहीं कि सरकार कितनी बड़ी भीड़ को रोक सकती है बल्कि यह है कि वह कितने कठिन सवालों का जवाब देने के लिए तैयार है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे से बहाल नहीं होगी बल्कि ऐसी पारदर्शी व्यवस्था से सुनिश्चित होगी, जिस पर हारने वाला भी भरोसा कर सके और जीतने वाला भी।

भारत में आर्थिक विकास की गति तेज रहने के बावजूद क्यों गिर रहा है शेयर बाजार

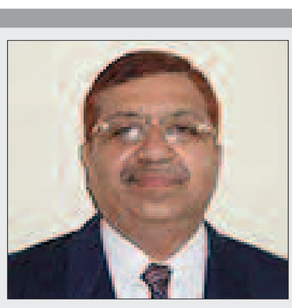

प्रह्लाद सबनानी

उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है।

हाल ही के समय में भारत के शेयर बाजार में लगातार तेज गिरावट दर्ज हुई है, इससे देश में इस तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस बीच भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है। फिर, ऐसे क्या कारण हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का चमकता चेहरा होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है।

दरअसल किसी भी देश का शेयर बाजार, स्टॉक एक्सचेंज पर दर्ज कम्पनियों की आगे आने वाले वर्षों में होने वाली अनुमानित आय के आधार पर, घटता अथवा बढ़ता रहता है। दूसरे, आजकल जब समस्त देश एक तरह से आपस में जुड़ से गए हैं और हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं तब एक देश में होने वाली घटनाओं का प्रभाव दूसरे देश के शेयर बाजार पर भी पड़ता हुआ दिखाई देता है। जैसे, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्मास युद्ध, अमेरिका-ईरान युद्ध, सऊदी अरब-हूथी युद्ध एवं खाड़ी के देशों का आपसी युद्ध, आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जिनके चलते भारतीय शेयर बाजार भी सहमा हुआ दिखाई दे रहा है, हालांकि भारत किसी भी प्रकार से, अप्रत्यक्ष अथवा प्रत्यक्ष रूप से, इन युद्धों से नहीं जुड़ा है । तीसरे, विदेशी निवेशक भारी मात्रा में कुछ देशों के शेयर बाजार में अपनी पूंजी का निवेश करते हैं, क्योंकि उन्हें इन देशों में किए गए निवेश से अच्छे रिटर्न की सम्भावना दिखाई देती है। परंतु, जब इन विदेशी निवेशकों द्वारा अपना निवेश शेयर बाजार से निकाला जाता है तब उस देश का शेयर बाजार तेजी से गिरने लगता है।

उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50

प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है, अतः भारत के उक्त युद्धों से किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े होने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, ऐसा माहौल बनाए जाने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश भारी मात्रा में निकाल रहे हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में बनाए रखने के प्रयास अभी तक तो सफल ही रहे हैं। फिर भी, केलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.8 लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक इतनी भारी मात्रा में अपना निवेश भारत से निकालकर अमेरिकी बांडस, अमेरिका के शेयर बाजार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया के शेयर बाजार एवं चीन के शेयर बाजार में कर रहे हैं। क्योंकि, अमेरिका में ब्याज दरों (यूएस फेड दर) में वृद्धि के चलते, बांडस की यील्ड पिछले लगभग 24-25 वर्षों के उच्चत्तम स्तर 5.60 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि वहां की कम्पनियों द्वारा उच्च तकनीकी के नवाचार करने के चलते उनकी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी प्रकार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया में आरटीफिशीयल इंटेलीजेंस के क्षेत्र की कम्पनियों में उच्च स्तर की लाभप्रदता दर्ज होने की सम्भावनाएं दिखाई दे रही है, इसलिए विदेशी निवेशक अमेरिका, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया जैसे देशों की ओर आकर्षित हो रहे है एवं अपना निवेश इन देशों में बढ़ा रहे हैं। चीन का शेयर बाजार बहुत ही तेजी से नीचे गिरा था जिसके कारण वहां पर कम्पनियों के शेयरों का (Price to Earning - PE Ratio) कीमत/आय रेशो भारतीय कंपनियों के कीमत/आय रेशो की तुलना में अत्यधिक आकर्षक हो गया है। चीन में औसतन यह रेशो 12 प्रतिशत के नीचे है जबकि भारत में यह रेशो औसतन 20 प्रतिशत से अधिक है। अतः विदेशी संस्थागत निवेशकों को भारतीय कम्पनियों के शेयर, चीनी कम्पनियों के शेयर की तुलना में महंगे दिखाई दे रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने चलते भारतीय रुपया लगातार कमजोर हो रहा है, इस कारण से भी विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश निकाल रहे है। आज भारतीय रुपए की कीमत 96 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। साथ ही, डॉलर इंडेक्स जो 1 अक्टोबर 2025 को 97.71 के स्तर पर था वह 1 अक्टोबर 2026 को बढ़कर 101.80 के स्तर पर आ गया है। स्वर्ण की कीमतें भी 3,871 अमेरिकी डॉलर प्रति ओंस से बढ़कर 4,170 अमेरिकी डॉलर प्रति ओंस पर पहुंच गई है। भारत स्वर्ण का भारी मात्रा में (कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक) आयात करता है, स्वर्ण के आयात का भुगतान अमेरिकी डॉलर में ही करना होता है, अतः भारतीय रुपए पर इससे अतिरिक्त दबाव बनता हुआ दिखाई दे रहा है।

उक्त संदर्भों को यदि भारतीय अर्थव्यवस्था से जोड़कर देखा जाय तो स्थिति कुछ अलग ही दिखाई देती है। भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह वृद्धि केवल 3 प्रतिशत एवं तेजी से आर्थिक विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में यह 3.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। जब भारत में आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से अधिक तेज गति से आगे बढ़ेगी तो भारतीय कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में भी तेज गति से वृद्धि सम्भव होगी। इसी प्रकार, अगस्त 2026 माह में भारत की औद्योगिक विकास दर भी 8 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है जो कि अगस्त 2025 में 4.7 प्रतिशत के स्तर पर थी। विभिन्न उत्पादों के भारत से निर्यात अगस्त 2026 में 4,380 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गए हैं जो अगस्त 2025 में 3,480 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर थे। 15 सितम्बर 2026 को समाप्त पखवाड़े में समस्त बैंकों के ऋणों में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह वृद्धि दर 10.4 प्रतिशत की रही थी। इसी प्रकार, बैंकों की जमाराशि में वृद्धि दर भी पिछले वर्ष की 9.5 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष 17.3 प्रतिशत की रही है। बैंकों का ऋणःजमा अनुपात लगभग 81 प्रतिशत के पास पहुंच गया है। यह आंकड़े दशार्ते हैं कि भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में अतुलनीय वृद्धि दर आंकी जा रही है। बैंकों की सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियों में भी कमी दर्ज हुई है और यह जुलाई 2025 के 2.2 प्रतिशत की तुलना में जुलाई 2026 में घटकर 1.68 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गई है। शुद्ध गैर निष्पादनकारी आस्तियां तो पिछले वर्ष के 0.5 प्रतिशत की तुलना में 0.4 प्रतिशत ही रही है। अर्थात, बैंकों द्वारा प्रदत्त किए जा रहे ऋणों की अदायगी समय पर हो रही है। भारतीय बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात तो आज विकसित देशों की बैंकों से भी अधिक हो गया है, जो जुलाई 2025 के 17.5 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई 2026 में 17.8 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। इससे भारतीय बैंकों की मजबूत स्थिति झलकती है। उद्योगों द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता का 75 प्रतिशत से अधिक उपयोग किया जा रहा है, यह ऐसी स्थिति है जब सम्बंधित उद्योग को अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के बारे में विचार प्रारम्भ करना होता है। उक्त जानकारी की सत्यता की गवाही वस्तु एवं सेवा कर के संग्रहण में हो रही लगातार वृद्धि से भी ध्यान में आती है। सितम्बर 2026 माह में 14.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण 2.04 लाख करोड़ से अधिक की राशि का रहा है और यह लगातार तीसरा महीना है जब यह संग्रहण 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का रहा है। भारत में सितम्बर 2026 माह के दौरान Unified Payments Interface (एकीकृत भुगतान अन्तरापृष्ठ) सिस्टम के अंतर्गत प्रतिदिन औसतन 80 करोड़ से अधिक के व्यवहार दर्ज हो रहे हैं, जो पूरे विश्व में किसी भी देश में सबसे अधिक व्यवहार हैं। अगस्त 2026 माह के दौरान उक्त व्यवहार 79 करोड़ के रहे थे और सितम्बर 2025 में 65 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रतिदिन के रहे थे।

कुल मिलाकर भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में दर्ज हो रही विकास दर की कहानी स्पष्ट तौर पर कह रही है कि भारत का भविष्य बहुत सुरक्षित है। और, यह झूठा विमर्श खड़ा किया जाना कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका कष्टकारी प्रभाव पड़ने वाला है, पूर्णतः असत्य है। घबराहट में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा शेयर बाजार से निकाले जा रहे निवेश को आधार बनाकर उक्त झूठे विमर्श को खड़ा करने का प्रयास हो रहा है।
~~~~~~~~~

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं ? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं ? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।
सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।
आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं।
पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डे बल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं।
गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं।
मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें।
बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

रनवाल एंटरप्राइजेज के शेयर की बाजार में धीमी शुरुआत

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट डेवलपर रनवाल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयर ने सोमवार को शेयर बाजार में फीकी शुरुआत की। बीएसई पर शेयर 306 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो 305 रुपये के निर्गम मूल्य से मामूली 0.32 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर शेयर 305 रुपये के निर्गम मूल्य के बराबर भाव पर ही सूचीबद्ध हुआ। बाद में कारोबार के दौरान बीएसई पर शेयर 3.22 प्रतिशत फिसलकर 295.15 रुपये पर आ गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 4,365.68 करोड़ रुपये रहा। रनवाल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शेयर बिक्री के अंतिम दिन गत मंगलवार को 2.5 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ का मूल्य दायरा 290-305 रुपये प्रति शेयर था। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पूरी तरह से 500 करोड़ रुपये तक के नए शेयर पर आधारित था। इससे जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, भविष्य की रियल एस्टेट परियोजनाओं के वित्तपोषण और सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए किया जाएगा।

एसवेक्टर का शेयर 11.5 फीसदी गिरावट के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

सॉफ्टबैंक समर्थित डिजिटल-कॉमर्स मंच एसवेक्टर लिमिटेड का शेयर अपने 32 रुपये के निर्गम मूल्य से 11.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। स्नैपडील की मूल कंपनी का शेयर बीएसई पर 28.30 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ जो निर्गम मूल्य से 11.56 प्रतिशत की गिरावट है। एनएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 11.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 28.32 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,394.75 करोड़ रुपये रहा। एसवेक्टर लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 4.93 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 420 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 30-32 रुपये प्रति शेयर था।

बाजार की गिरावट में भी पांच इक्विटी फंड्स का जलवा

- फंडों ने अपनी विशिष्ट वैश्विक और सेक्टर-केंद्रित निवेश रणनीतियों के चलते गिरावट को मात दी

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में बिकवाली के भारी दबाव के बावजूद, पांच इक्विटी म्युचुअल फंड्स ने निवेशकों को सकारात्मक रिटर्न देकर चौंका दिया। वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार, इन फंडों ने अपनी विशिष्ट वैश्विक और सेक्टर-केंद्रित निवेश रणनीतियों के चलते गिरावट को मात दी। बाजार की चुनौतियों के बीच भी इन फंडों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इनमें सबसे ऊपर रहा निप्पॉन इंडिया जापान इक्विटी फंड, जिसने पिछले एक हफ्ते में 2.54 फीसदी का प्रभावशाली रिटर्न दिया, और एक साल में 30.60 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज की। दूसरे स्थान पर आदित्य बिड़ला सन लाइफ ग्लोबल इमर्जिंग अपॉर्च्युनिटीज फंड रहा, जिसने 0.86 फीसदी साप्ताहिक और 18.98 फीसदी वार्षिक रिटर्न दिया। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में, डीएसपी निफ्टी आईटी इंडेक्स फंड और डीएसपी निफ्टी आईटी ईटीएफ ने क्रमशः 0.46 फीसदी और 0.45 फीसदी का सकारात्मक रिटर्न देकर अपनी चमक बिखेरी।

मुंबई टी1 विवाद- एयरलाइंस ने अदाणी से मांगे बातचीत के रिकॉर्ड

नवी मुंबई शिफ्टिंग के आदेश पर भी उठाए सवाल

मुंबई ।

विमानन कंपनियों ने मुंबई एयरपोर्ट के ऑपरेटर अदाणी समूह (एमआईएएल) के उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि टर्मिनल 1 के पुनर्विकास को लेकर 2020 से उनसे व्यापक बातचीत चल रही है। एयरलाइन ऑपरेटर्स कमिटी (एओसी) ने एमआईएएल को एक पत्र भेजकर 2020 से हुई ऐसी सभी बैठकों के रिकॉर्ड और बातचीत का विवरण मांगा है। इसके साथ ही एयरलाइंस ने मुंबई एयरपोर्ट से अपनी 33 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय सेवाओं को हाल ही में खुले नवी मुंबई एयरपोर्ट पर 25 अक्टूबर तक शिफ्ट करने के आदेश के आधार पर भी सवाल उठाए हैं।

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने हाल ही में एक विज्ञप्ति जारी कर कहा था कि 60 साल पुरानी टर्मिनल 1 बिल्डिंग को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण एयरलाइंस को नवी मुंबई शिफ्ट होने को कहा गया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 472, निफ्टी 133 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों केसाथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में तेजी से बढने की आशंकाओं में कमी आने से भी घरेलू बाजार उछला है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 472.77 अंकों की बढ़त के साथ ही 72,382.47 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी इंडेक्स 133.80 अंकों की तेजी की साथ ही 22,555.75 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आये जबकि बाकी 10 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 31 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ बढ़त पर बंद हुए। बची हुई 18 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुए जबकि एक कंपनी का शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल आईटीसी के शेयर सबसे ज्यादा 4.49 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए।

जबकि एचसीएल टेक का शेयर आज सबसे ज्यादा 3.69 फीसदी की गिरावट के साथ बंद

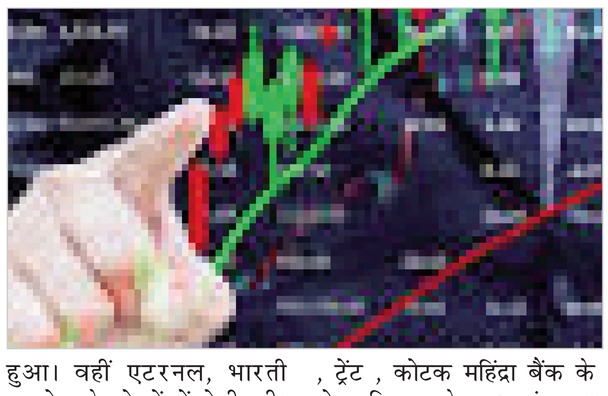

हुआ। वहीं एटरनल, भारती एयरटेल के शेयरों में तेजी रही। आज बजाज फाइनेंस, अडाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलएंडटी, एनटीपीसी तेजी के साथ बंद हुए जबकि एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा, इंन्फोसिस, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में तेजी के साथ खुले।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की गिरावट के साथ 96.31 पर बंद इहुआ। आज सुबह कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के दबाव के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा और 96 प्रति डॉलर के स्तर के आसपास बना रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की समय-समय पर डॉलर की खरीद-बिक्री संबंधी कार्रवाई से दिन के कारोबार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को कम करने और रुपये में तेज गिरावट को रोकने में मदद मिली। हालांकि ऊंची आयात लागत तथा डॉलर की लगातार मजबूती ने निवेशकों की धारणा पर दबाव बनाए रखा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.20 प्रति डॉलर पर खुला। फिर फिसलकर 96.26 प्रति डॉलर पर आ गया जो यह पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की गिरावट है। रुपया गुरुवार को 96 प्रति डॉलर के स्तर से नीचे आ गया था और 96.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

अक्टूबर में म्युचुअल फंड निवेशकों के लिए तीन नए अवसर

- जियोब्लैकरॉक, कोटक और एचडीएफसी ला रहे डेट

मुंबई ।

म्युचुअल फंड में निवेश करने वाले लोगों के लिए अक्टूबर 2026 की शुरुआत में तीन नए निवेश विकल्प खुलने जा रहे हैं। जियोब्लैकरॉक, कोटक महिंद्रा और एचडीएफसी म्युचुअल फंड अपने नए फंड ऑफर (एनएफओ) के साथ बाजार में उतर रहे हैं, जो निवेशकों को विविध रणनीतियों वाले फंड्स में निवेश का मौका देंगे। ये तीनों एनएफओ 5 अक्टूबर को खुल गए हैं और 19 अक्टूबर को बंद होंगे। पहला है जियोब्लैकरॉक इनकम प्लस आर्बिट्राज ओम्नी फंड ऑफ फंड। यह एक ओपन-एंडेड हाइब्रिड स्कीम है, जिसका उद्देश्य एक्टिव या पैसिव डेट और आर्बिट्राज फंड्स में निवेश करके आय अर्जित करना है। न्यूनतम 500 रुपए के निवेश से शुरू होने वाले इस फंड को मॉडरेट रिस्क कैटेगरी में रखा गया है और इसमें कोई लॉक-इन या एग्जिट लोड नहीं है। दूसरा, कोटक निफ्टी 500 इंडेक्स फंड है, जो कोटक महिंद्रा म्युचुअल फंड की इक्विटी फ्लेक्सी कैप स्कीम है। यह निफ्टी 500 इंडेक्स में शामिल कंपनियों के प्रदर्शन को ट्रैक करेगा। इसमें न्यूनतम 1,000 रुपए का निवेश किया जा सकता है और इसे वेरी हाई रिस्क श्रेणी में रखा गया है। तीसरा ऑफर एचडीएफसी निफ्टी लार्ज मिडकैप इंडेक्स फंड है। यह एक एग्रेसिव हाइब्रिड स्कीम है जो इक्विटी और डेट सिक्योरिटीज में निवेश करेगी। इसमें न्यूनतम 100 रुपए से निवेश संभव है और यह हाई रिस्क कैटेगरी में आता है। इन एनएफओ में निवेश से पहले, निवेशकों को उसकी रणनीति, जोखिम और निवेश अवधि का

एशिया के लिए तेल हुआ सस्ता,यूरोप के लिए बढ़ीं कीमतें

ऊंची मालभाड़ा लागत कम करने और बाजार हिस्सेदारी बचाने के लिए बड़ी छूट

नई दिल्ली ।

सऊदी अरब ने नवंबर डिलीवरी के लिए एशियाई देशों को अपने कच्चे तेल की कीमतों में अचानक और अप्रत्याशित रूप से बड़ी कटौती की घोषणा की है। सोमवार को जारी प्राइसिंग डॉक्यूमेंट के अनुसार, यह फैसला बाजार की उम्मीदों के बिल्कुल उलट है, जहां कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना जताई गई थी। दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब ने अपने अरब लाइट क्रूड की आधिकारिक बिक्री कीमत (ओएसपी) में 3 डॉलर प्रति बैरल की कटौती की है, जिससे यह अब ओमान और दुबई के औसत बेंचमार्क से 5 डॉलर प्रति बैरल नीचे (डिस्काउंट पर) मिलेगा। यह जून 2020 के बाद की सबसे बड़ी छूट है। साथ ही, अरब मीडियम और अरब हैवी ग्रेड के तेल में भी 5 डॉलर प्रति बैरल की अतिरिक्त कटौती की गई है। भारत के लिए, जो अपनी 80 फीसदी से अधिक तेल आवश्यकता आयात करता है और सऊदी अरब जिसका दूसरा सबसे बड़ा सप्लायर है, यह कटौती इंडियन ऑयल (आईओसीएल) और बीपीसीएल जैसी कंपनियों के लिए कच्चे माल की खरीद सस्ती करेगी, जिससे उनका लाभ मार्जिन बढ़ेगा। वैश्विक तनाव के बावजूद, भारत में खुदरा स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर होंगी और बढ़ने की संभावनाएं काफी कम हो

जाएंगी। अरामको ने यह कदम एशियाई रिफाइनरियों पर बढ़ी हुई मालभाड़ा लागत (जो फारस की खाड़ी से चीन तक 80,000 डॉलर से 12 लाख डॉलर प्रतिदिन तक पहुंच गई है) का बोझ कम करने के लिए उठाया है। इसके अलावा, रूस और ईरान जैसे प्रतिस्पर्धियों द्वारा भारी छूट पर तेल उपलब्ध कराने के कारण अपनी बाजार हिस्सेदारी को बचाए रखना भी एक प्रमुख कारण है।

भारत का नया निवेश संधि खाका तैयार,निवेशकों के लिए अधिक अनुकूल वित्त मंत्री

कैबिनेट की मंजूरी जल्द, 2016 की खामियां होंगी दूर; कई देशों से बातचीत जारी

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में घोषणा की कि द्विपक्षीय निवेश संधियों (बीआईटी) के लिए एक नया, निवेशक-अनुकूल खाका तैयार है और इसे जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। यह नया ढांचा निवेशकों को अधिक प्रभावी सुरक्षा प्रदान करेगा और 2016 में मंजूर किए गए पुराने खाके की खामियों को दूर करेगा। सीतारमण ने बताया कि पिछले डेढ़ साल से तैयार यह नया खाका निवेशकों के लिए प्रक्रिया को और सुगम बनाएगा। उन्होंने कहा कि नए खाके को अंतिम रूप दिए जाने के बीच भी भारत ने निवेश संरक्षण समझौतों पर बातचीत जारी रखी है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ओमान और कुछ मध्य एशियाई देशों के साथ हुए हालिया समझौतों में पहले से ही नए खाके के कई प्रावधान शामिल किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि भारत कनाडा और रूस सहित कई देशों के साथ द्विपक्षीय निवेश संरक्षण समझौतों

पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिसंबर तक कम से कम तीन और देशों के साथ समझौते पूरे हो सकते हैं, जिसमें कनाडा के साथ वार्ता दिसंबर या अगले साल की शुरुआत तक अंतिम रूप ले सकती है। पिछला 2016 का ढांचा निवेशकों को मध्यस्थता से पहले पांच साल तक इंतजार करने के लिए कहता था, जिसकी व्यापक आलोचना हुई थी।

ओरिएंट केबल्स के शेयर की बाजार में मजबूत शुरुआत, 65 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली ।

ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड का शेयर अपने 272 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 65 प्रतिशत की बढ़त के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी के शेयर ने 448.10 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो निर्गम मूल्य से 64.74 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर यह निर्गम मूल्य से 65.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 450 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 4,589.54 करोड़ रुपये रहा। ओरिएंट केबल्स इंडिया के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 92.27 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 552 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 258-272 रुपये प्रति शेयर था। नए शेयर से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल मशीनरी, उपकरण और पूंजीगत व्यय के अलावा कुछ कर्ज के पुनर्भुगतान या आंशिक पूर्व भुगतान के लिए किया जाएगा। आईपीओ से जुटाई गई राशि के एक हिस्से का इस्तेमाल सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए भी किया जाएगा। ओरिएंट केबल्स नेटवर्किंग केबल और निष्क्रिय नेटवर्किंग उपकरणों में विशेषज्ञता रखती है। यह ब्रॉडबैंड, दूरसंचार, डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा और स्मार्ट बिल्डिंग ऑटोमेशन समेत विभिन्न क्षेत्रों को सेवाएं देती है।

इंडिगो ने बढ़ाया हवाई किराया, 6 अक्टूबर से सफर होगा महंगा

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने बढ़ती विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों के मद्देनजर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ईंधन अधिभार में वृद्धि की घोषणा की है। ये संशोधित शुल्क 6 अक्टूबर से लागू होंगे, जिससे हवाई यात्रियों के लिए यात्रा महंगी हो जाएगी। कंपनी ने बताया कि घरेलू उड़ानों के लिए दूरी के आधार पर अधिभार में 100 रुपये से 350 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर भी यह वृद्धि लागू होगी।

इंडिगो के अनुसार, ईंधन की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और हाल ही में मासिक आधार पर इसमें 14 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे विमान ईंधन की लागत पिछले एक दशक के सबसे ऊंचे स्तरों पर पहुंच गई है। विमानन कंपनियों की परिचालन लागत का एक

महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण, बढ़ती कीमतें लागत संरचना को प्रभावित कर रही हैं, जिसके चलते इंडिगो ने यह कदम उठाया है।

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत, दीर्घकालिक वृद्धि के लिए ऊर्जा सुरक्षा जरूरी- चंद्रशेखरन

विकसित भारत 2047 के लिए ऊर्जा सुरक्षा, विनिर्माण और मानव पूंजी निवेश पर जोर

मुंबई।

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने सोमवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में है और कई संकेतक देश की स्थिरता का प्रमाण हैं। भारतीय फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (आईएफक्यूएम) संगोष्ठी 2026 को संबोधित करते हुए उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ऊर्जा सुरक्षा, उन्नत विनिर्माण और मानव पूंजी में निवेश को महत्वपूर्ण बताया।

चंद्रशेखरन ने जोर देकर कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य में भी लगातार उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन कर रही है और सबसे अधिक वृद्धि दर दर्ज की है।

उन्होंने मजबूत घरेलू मांग, सेवा निर्यात और अनुकूल सरकारी नीतियों को इसका मुख्य चालक बताया।

टाटा चेयरमैन ने कहा कि ऑटो बिक्री, ऋण, बिजली और सीमेंट की मांग में मजबूत वृद्धि जैसे कई आर्थिक संकेतक देश की स्थिर और मजबूत स्थिति को दर्शाते हैं। उन्होंने चालू खाते के घाटे का जीडीपी के एक प्रतिशत से कम रहने, सेवा निर्यात के उच्च स्तर, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और बैंकों की स्वस्थ एनपीए स्थिति का भी उल्लेख किया।

चंद्रशेखरन के अनुसार, विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, संस्थानों और बौद्धिक संपदा पर आधारित समावेशी तथा टिकाऊ विकास की आवश्यकता होगी। दीर्घकालिक वृद्धि को कायम रखने के लिए ऊर्जा सुरक्षा, उन्नत और सटीक विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने तथा मानव पूंजी में निवेश को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने भारतीय विनिर्माताओं से गुणवत्ता के साथ-साथ टिकाऊ विनिर्माण प्रक्रियाओं को भी अपनाने का आग्रह किया।

बॉन्ड यील्ड में भारी उछाल, भारतीय बैंकों को ट्रेजरी में करोड़ों का नुकसान

वैश्विक बिकवाली, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और रुपये की कमजोरी मुख्य कारण

नई दिल्ली ।

भारतीय बैंकों को वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में ट्रेजरी ऑपरेशन से बड़ा मार्क-टू-मार्केट (एमटीएम) नुकसान उठाना पड़ सकता है। बेंचमार्क बॉन्ड यील्ड में रिकॉर्ड बढ़ोतरी इसकी मुख्य वजह है, जिसने बैंकों के निवेश पोर्टफोलियो पर सीधा असर डाला है।

बाजार कारोबारियों के अनुसार, बेंचमार्क 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में 42 आधार अंकों का तेज इजाफा हुआ है, जिससे पहली तिमाही में हुई कमाई का एक बड़ा हिस्सा खत्म होने की आशंका है। बाजार कारोबारियों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में बेंचमार्क 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में 42 आधार अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो बढ़कर 7.17 फीसदी पर बंद हुई। यह 30 सितंबर को अप्रैल 2024 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर था। अकेले सितंबर महीने में ही इसमें 22 आधार अंकों का इजाफा हुआ, जिसने पहली तिमाही में दर्ज की गई लगभग 32 आधार अंकों की गिरावट के असर को पूरी तरह खत्म कर दिया। जब बॉन्ड यील्ड बढ़ती है, तो बॉन्ड की कीमतें गिरती हैं, जिससे बैंकों को अपने अवेलेबल-फॉर-सेल (एएफएस) पोर्टफोलियो में मौजूद प्रतिभूतियों की वैल्यू कम करनी पड़ती है, जिसके परिणामस्वरूप एमटीएम नुकसान होता है।

एक प्राइवेट बैंक के ट्रेजरी प्रमुख ने बताया कि यील्ड में 40 आधार अंक से ज्यादा की बढ़ोतरी से बैंकों को मार्क-टु-मार्केट नुकसान हो सकता है, खासकर उन लेनदारों पर इसका ज्यादा असर पड़ेगा जिनके पास एएफएस पोर्टफोलियो अधिक है। इस उछाल के पीछे वैश्विक और घरेलू दोनों कारण जिम्मेदार हैं। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी 10 साल के ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड 5.34 फीसदी तक पहुंच गई है, जो 2002 के बाद का उच्चतम स्तर है।

एंबेसी डेवलपमेंट्स ने बेंगलुरु में 1800 करोड़ के फ्लैट बेचे

- एंबेसी ओरिजिन्स टाउनशिप ने मचाया धमाल, महज एक हफ्ते में 477 अपार्टमेंट की बुकिंग

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एंबेसी डेवलपमेंट्स ने बेंगलुरु में अपनी नई टाउनशिप परियोजना 'एंबेसी ओरिजिन्स' के साथ बंपर शुरुआत की है। कंपनी ने परियोजना के लॉन्च के मात्र एक सप्ताह के भीतर 1,800 करोड़ रुपये से अधिक के 477 अपार्टमेंट बेचकर मजबूत मांग का प्रदर्शन किया है। सोमवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में यह जानकारी दी गई। उत्तरी बेंगलुरु में 85 एकड़ में फैली इस वृहद टाउनशिप परियोजना एंबेसी ओरिजिन्स के पहले चरण को 16 सितंबर को लॉन्च किया गया था। महज सात दिनों के भीतर, कंपनी ने 10 लाख वर्ग फुट से अधिक बिक्री योग्य क्षेत्र में फैले 477 अपार्टमेंटों की बुकिंग सफलतापूर्वक दर्ज की। इसके पहले चरण में दो रेरा-पंजीकृत परियोजनाएं शामिल हैं, जिनमें कुल 217 विला और 855 अपार्टमेंट हैं। इन दोनों परियोजनाओं में लगभग 26 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य आवासीय क्षेत्र उपलब्ध है, जिससे कंपनी को 4,500 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। एंबेसी डेवलपमेंट्स के आवासीय कारोबार के एक प्रमुख अ धिकारी ने इस सफलता पर टिप्पणी करते हुए कहा, यह जबरदस्त प्रतिक्रिया वित्त वर्ष 2026-27 के लिए हमारी पूर्व-बिक्री और नकदी प्रवाह के लक्ष्यों के प्रति हमारे विश्वास को मजबूत करती है।

एलए 2028 ओलंपिक का टिकट मिलने पर बोले मनप्रीत सिंह

अब अपनी कमजोरियों पर काम करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है कि एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई करना टीम के लिए बेहद अहम है। भारत ने शनिवार को फाइनल में मलेशिया को 5-1 से हराकर लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स पुरुष हॉकी का गोल्ड मेडल जीता। इस जीत के साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एलए 2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। अब टीम को ओलंपिक क्वालीफायर में खेलने की जरूरत नहीं होगी, जिससे खिलाड़ियों और टीम मैनेजमेंट को तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा।

मनप्रीत सिंह बोले- अब अपनी कमजोरियों पर काम कर सकते हैं

मनप्रीत सिंह ने कहा कि सीधे ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि टीम को क्वालीफायर की तैयारी में समय नहीं लगाना पड़ेगा। इस दौरान भारत अपनी कमियों पर काम करते हुए लॉस एंजेलिस ओलंपिक के लिए बेहतर तैयारी कर सकता है। मनप्रीत ने कहा, एशियन गेम्स हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट था। हमने एलए ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। इसलिए हमें क्वालीफायर राउंड नहीं खेलना पड़ेगा और हम खुद पर काम कर सकते हैं और जिन चीजों पर काम करने की जरूरत है, उन पर ध्यान दे सकते हैं। कुल मिलाकर एशियन गेम्स में हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा।

मनप्रीत ने रचा खास रिकॉर्ड – मलेशिया के खिलाफ गोल्ड जीतने के साथ मनप्रीत सिंह ने भी भारतीय हॉकी में एक खास उपलब्धि हासिल की। वह तीन एशियन गेम्स गोल्ड मेडल जीतने वाले इकलौते भारतीय हॉकी खिलाड़ी बन गए हैं। अनुभवी मिडफील्डर के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि वह लंबे समय से भारतीय हॉकी टीम के अहम सदस्य रहे हैं। एशियन गेम्स में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के साथ उनका अनुभव टीम को बड़े टूर्नामेंटों में काफी मदद देता रहा है।

वर्ल्ड कप की खराब याद के बाद मिला बड़ा बूस्ट – एशियन गेम्स गोल्ड और ओलंपिक टिकट भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल ही में टीम का वर्ल्ड कप अभियान उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। अगस्त में हुए वर्ल्ड कप में भारतीय पुरुष टीम आठवें स्थान पर रही थी और सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही थी। ऐसे में एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतना भारतीय टीम के लिए बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला परिणाम है। इस जीत से टीम को आगे की तैयारियों के लिए नई ऊर्जा मिलेगी।

2024 पेरिस ओलंपिक के लिए भी एशियन गेम्स से मिला था टिकट

भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भी एशियन गेम्स के जरिए सीधे क्वालीफाई किया था। 2023 में हांगझोउ एशियन गेम्स में पुरुष हॉकी टीम ने गोल्ड मेडल जीता था, जिसके बाद उसे पेरिस ओलंपिक का सीधा टिकट मिला था। उस समय भी भारत को ओलंपिक से पहले तैयारी के लिए अच्छा समय मिला था। भारतीय टीम ने पेरिस ओलंपिक में इस मौके का फायदा उठाया और लगातार दूसरी बार ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इससे पहले भारत ने टोक्यो ओलंपिक 2021 में भी हॉकी में तीसरे स्थान पर रहते हुए ब्रॉन्ज जीता था।

संक्षिप्त समाचार

वर्ल्ड कप 2027

रोहित शर्मा से लेकर मिचेल स्टार्क तक, इन 5 दिग्गजों का होगा आखिरी वर्ल्ड कप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2027 क्रिकेट के एक सुनहरे दौर के अंत का गवाह बन सकता है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले इस टूर्नामेंट में कई दिग्गज आखिरी बार विश्व कप खेलते नजर आ सकते हैं। भारत के विराट कोहली और रोहित शर्मा समेत कुल पांच बड़े नाम इस सूची में शामिल हैं।

विराट कोहली की आखिरी विश्व कप दहाड़ – विराट कोहली के लिए 2027 वर्ल्ड कप वनडे क्रिकेट का आखिरी बड़ा मंच माना जा रहा है। कोहली ने अब तक 317 वनडे में 15,109 रन बनाए हैं और उनके नाम 55 शतक हैं। 2023 वर्ल्ड कप में 765 रन बनाकर उन्होंने एक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी कायम किया था।

मिचेल स्टार्क की नजर ऐतिहासिक रिकॉर्ड पर – ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी 2027 में अपना आखिरी वनडे वर्ल्ड कप खेल सकते हैं। स्टार्क ने विश्व कप में 28 पारियों में 65 विकेट झटके हैं और इस सूची में वह ग्लेन मैक्ग्रा व मुथैया मुरलीधरन के बाद तीसरे स्थान पर हैं। 2027 में उनके पास वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे सफल गेंदबाज बनने का मौका भी होगा।

रोहित शर्मा भी आखिरी बार दिखेंगे?

रोहित शर्मा के लिए भी 2027 का वर्ल्ड कप एक भावुक विदाई का मंच बन सकता है। रोहित ने 291 वनडे में 12,120 रन बनाए हैं और उनके नाम सात वर्ल्ड कप शतक हैं, जो विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा हैं। तीन दोहरे शतक लगाने वाले रोहित के लिए घरेलू युवाओं की बढ़ती चुनौती के बीच यह उनका आखिरी विश्व कप अभियान हो सकता है।

जापान ओपन

कार्लोस अल्काराज ने फाइनल में बनाई जगह

टोक्यो (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने जापान ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। टोक्यो में खेले गए सेमीफाइनल में दुनिया के नंबर-3 खिलाड़ी ने स्पेन के ही जाउमे मुनार को 5-7, 6-3, 6-1 से हराया।

पहले सेट में मुनार का पलड़ा भारी

मुनार ने मुकाबले की शुरुआत में शानदार प्रदर्शन किया और अल्काराज को कड़ी चुनौती दी। अल्काराज ने पहले सेट में कई गलतियां कीं और चार डबल फॉल्ट भी किए, जिसका फायदा उठाते हुए मुनार ने 7-5 से सेट अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में अल्काराज की वापसी

दूसरे सेट में अल्काराज ने अपने खेल की रफ्तार बढ़ाई और मुनार पर लगातार दबाव बनाया। उन्होंने सटीक फोरहैंड, शानदार वॉली और बेहतरीन ड्रॉप शॉट्स का इस्तेमाल करते हुए तीन बार मुनार की सर्विस तोड़ी और सेट 6-3 से जीत लिया।

निर्णायक सेट में किया दबदबा

तीसरे सेट में अल्काराज ने पूरी तरह मुकाबले पर नियंत्रण हासिल कर लिया। उन्होंने आक्रामक सर्विस और तेज रिटर्न के जरिए मुनार को बेसलाइन के पीछे रखा और 6-1 से सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

2 घंटे 31 मिनट चला मुकाबला

अल्काराज और मुनार के बीच यह रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबला 2 घंटे 31 मिनट तक चला। अल्काराज ने बड़े सर्व और आक्रामक रिटर्न के साथ-साथ शानदार ड्रॉप शॉट्स से एरिएके कोलोसियम में मौजूद दर्शकों का भी मनोरंजन किया।

फाइनल में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका या मोनाको के वैलेंटिन वाशरो से होगा सामना

अब फाइनल में अल्काराज का सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका या मोनाको के वैलेंटिन वाशरो से होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच दूसरा सेमीफाइनल सोमवार को खेला जाना है। अल्काराज की नजर लगातार दूसरी बार जापान ओपन का खिताब जीतने पर होगी।

हांगकांग सिक्सेस 2026

भुवनेश्वर कुमार की कप्तानी में उतरेगी टीम इंडिया

- स्टार खिलाड़ियों को मिला टीम में मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए भारत ने अपनी मजबूत टीम का ऐलान कर दिया है। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि क्रुणाल पंड्या भी टीम का हिस्सा हैं। टीम में कई आईपीएल के अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं, जिससे भारत इस बार टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।

इन 7 खिलाड़ियों को मिली जगह

भारत की टीम में भुवनेश्वर कुमार, क्रुणाल पंड्या, शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नितीश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी नटराजन शामिल हैं। राहुल त्रिपाठी इस टीम में इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें आईपीएल 2026 में एक भी मुकाबला खेलने का मौका नहीं मिला। बाकी खिलाड़ियों के पास आईपीएल का अच्छा अनुभव है और कई खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों के अहम सदस्य रहे हैं।

पाकिस्तान और यूएई से होगी टक्कर

हांगकांग सिक्सेस 2026 का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक किया जाएगा। छह खिलाड़ियों वाली इस टीम प्रारूप की प्रतियोगिता में भारत को ग्रुप-सी में पाकिस्तान और यूएई के साथ रखा गया है। पाकिस्तान मौजूदा चैंपियन है और उसने पिछले संस्करण के फाइनल में कुवैत को 43 रन से हराकर खिताब जीता था।

- **पिछले दो संस्करण में भारत का प्रदर्शन खराब** – भारत ने 2017 में हांगकांग सिक्सेस में हिस्सा नहीं लिया था, जबकि 2024 में रॉबिन उथप्पा की कप्तानी वाली टीम ने टूर्नामेंट में वापसी की। भारत उस संस्करण में ग्रुप स्टेज के अपने चारों मुकाबले हारकर बाहर हो गया था। 2025 में दिनेश कार्तिक की कप्तानी में टीम ने शुरुआत जीत से की, लेकिन बाद में कुवैत, यूएई और नेपाल से हारकर फिर से सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी।
- **लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का मौका** – भुवनेश्वर कुमार ने भारत के लिए आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 में खेला था। क्रुणाल पंड्या और नितीश राणा ने जुलाई 2021 के बाद भारत के लिए लिमिटेड ओवर्स क्रिकेट नहीं खेला है, जबकि टी नटराजन की आखिरी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति मार्च 2021 में हुई थी।

ईरानी कप 2026

मुकेश-आकाश की घातक गेंदबाजी से रेस्ट आफ इंडिया चैंपियन, फाइनल में जम्मू-कश्मीर को हराया

श्रीनगर (एजेंसी)। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली रेस्ट आफ इंडिया ने ईरानी कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में टीम ने रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया। 279 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जेके की पूरी टीम महज 111 रन पर सिमट गई।

- **पहली पारी में जम्मूकश्मीर ने बनाई बढ़त** – मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और रेस्ट आफ इंडिया को 237 रन पर रोक दिया। इसके बाद जेके ने अपनी पहली पारी में 278 रन बनाए और 41 रन की अहम बढ़त हासिल की।
- **स्मरण रविचंद्रन ने पलटा मैच** – 41 रन से पिछड़ने के बाद रेस्ट आफ इंडिया ने दूसरी पारी में शानदार वापसी की। ओपनर सनत सांगवान ने 55 रन बनाए, जबकि स्मरण रविचंद्रन ने 153 गेंदों पर 135 रन की शानदार पारी खेली। रेस्ट आफ इंडिया ने दूसरी पारी में 319 रन बनाकर जम्मू-कश्मीर के सामने 279 रन का लक्ष्य रखा।

मुकेश कुमार ने मचाई तबाही

लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर एक समय 89/3 के स्कोर पर मजबूत स्थिति में नजर आ रहा था। इसके बाद मुकेश कुमार ने घातक गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट झटक लिए और जेके की बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। मुकेश ने 8.4 ओवर में 33 रन देकर 6 विकेट लिए, जिससे जम्मू-कश्मीर की पारी 111 रन पर खत्म हो गई।

आकाश दीप का भी दमदार प्रदर्शन

आकाश दीप ने भी दोनों पारियों में शानदार गेंदबाजी कर रेस्ट आफ इंडिया की जीत में अहम योगदान दिया। उन्होंने पहली पारी में 3 विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 3/25 का शानदार स्पेल किया। वहीं मुकेश चौधरी ने पहली पारी में 5 विकेट लेकर छ्व×च्च को बड़ी बढ़त लेने से रोक दिया।

सूर्यकुमार यादव रणजी ट्रॉफी में लौटेंगे

मुंबई के लिए 11 अक्टूबर से खेल सकते हैं, शार्दूल ठाकुर चोट के कारण शुरुआती मैचों से बाहर

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव 2026-27 रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलने के लिए उपलब्ध हैं। वे मुंबई के पहले एलीट ग्रुप ष्ठ मैच में चंडीगढ़ के खिलाफ खेल सकते हैं। मुंबई और चंडीगढ़ के बीच यह मुकाबला 11 अक्टूबर से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होगा। सूर्यकुमार ने आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच आईपीएल 2026 में खेला था। वहीं, पूर्व मुंबई कप्तान शार्दूल ठाकुर हाथ की चोट के कारण शुरुआती कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी गैरमौजूदगी में तुषार देशपांडे मुंबई के तेज गेंदबाजी अटैक की अगुआई करेंगे।

पिछले साल खेला था आखिरी रणजी मैच

- सूर्यकुमार ने फरवरी 2025 में नागपुर में विदर्भ के खिलाफ मुंबई के लिए आखिरी रणजी मैच खेला था। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, उन्होंने घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है।
- मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, सूर्या ने एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक को आगामी रणजी ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है।
- सूर्यकुमार ने अब तक 86 फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं। उनके नाम 5,758 रन हैं। उन्होंने 144 पारियों में 14 शतक और 30 अर्धशतक लगाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 42.33 है।

वेस्टइंडीज टीम ने मांगा एक्स्ट्रा नारियल पानी

- **इंदौर में 11 अक्टूबर को भारत से टी-20 मुकाबला; डिडाइड्रेशन से बचने शाकाहारी भोजन पर जोर**

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले टी-20 मुकाबले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मैच से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों की डाइट, हाइड्रेशन और रिकवरी का खास ध्यान रखा जा रहा है। इसी बीच वेस्टइंडीज टीम ने इंदौर में नारियल पानी का एक्स्ट्रा स्टॉक रखने की विशेष मांग की है।वेस्टइंडीज टीम के मैनेजर ने मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से फोन पर एक्स्ट्रा नारियल पानी उपलब्ध रखने का आग्रह किया है। एमपीसीए के सीईओ रोहित पंडित के मुताबिक, खिलाड़ियों के लिए सामान्य तौर पर नारियल पानी की व्यवस्था रहती है, लेकिन इस बार वेस्टइंडीज टीम ने इसकी अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है।

- **बारिश के बाद गर्मी बढ़ी, हाइड्रेशन पर फोकस** – इंदौर में बारिश के बाद अब तापमान बढ़ने के साथ गर्मी और ड्राई हीट का असर दिखाई दे रहा है। ऐसे में मैदान पर लगातार दौड़ने, फील्डिंग और बल्लेबाजी-गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ियों के लिए हाइड्रेशन अहम है। टीम प्रबंधन चाहता है कि खिलाड़ियों को जरूरत के समय नारियल पानी आसानी से उपलब्ध हो।
- **वेजेटेरियन मेन्यू पर भी ज्यादा जोर** – दोनों टीमों के खिलाड़ियों की पसंद और जरूरत के अनुसार भोजन की व्यवस्था की जा रही है। डाइट में वेजेटेरियन विकल्प ज्यादा रखे गए हैं। खिलाड़ियों की फिटनेस और मैच के बाद रिकवरी को ध्यान में रखते हुए खान-पान तैयार किया जाएगा।
- **रिकवरी के लिए आइसबाथ टब की व्यवस्था** – मैच और अभ्यास सत्र के बाद खिलाड़ियों की रिकवरी के लिए आइसबाथ टब की व्यवस्था भी की जा रही है। टी-20 में लगातार शारीरिक गतिविधि के चलते खिलाड़ियों पर पड़ने वाले दबाव को देखते हुए रिकवरी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।
- **टीम इंडिया रेडिसन, वेस्टइंडीज मैरियट में रुकेगी** – भारतीय टीम के लिए रेडिसन होटल और वेस्टइंडीज टीम के लिए मैरियट होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई है। दोनों टीमों के इंदौर पहुंचने से पहले होटल, अभ्यास, परिवहन और सुरक्षा से जुड़ी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 4030

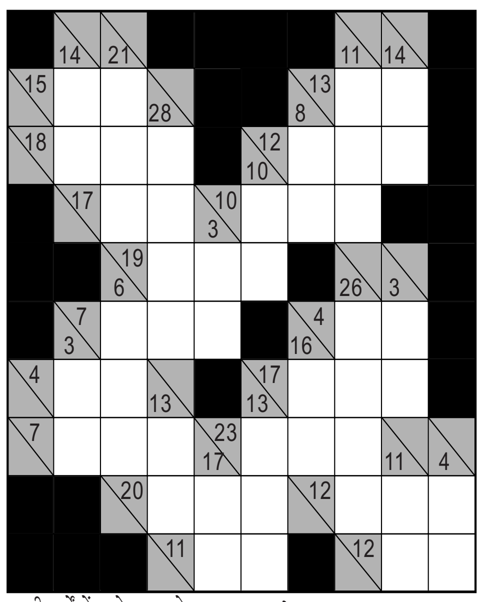

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

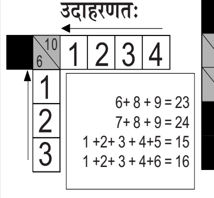

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4029 का हल

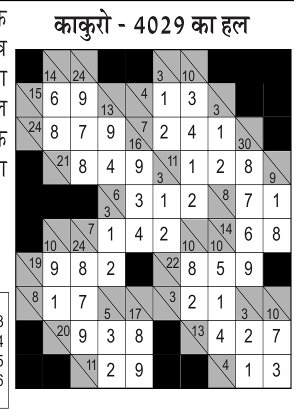

लॉफिंग ज़ोन

पति (पत्नी से) प्रिये यदि मुझे कुछ हो गया तो तुम क्या दूसरी शादी कर लोगी।

नहीं, कभी नहीं। मैं अपना बचा जीवन अपनी बड़ी बहन के साथ गुजार दूँगी लेकिन दूसरी शादी नहीं करूँगी।

पत्नी (पति से) : लेकिन यदि मुझे कुछ हो गया तो क्या तुम दूसरी शादी कर लोगे।

पति : नहीं, मैं भी तुम्हारी बहन के साथ ही रह लूँगा।

अपने प्रेमी की शिकायत करते हुए शीला ने गीता से कहा- यह रमन का बच्चा आजकल मुझसे फ्लर्ट कर रहा है।

गीता- क्यों क्या किया रमन ने?

शीला- कल शाम जब मैं एक रेस्त्राँ में उससे मिलने गई तो वह बहुत देर बाद आया। कारण पूछने पर कहने लगा- अरे, वो नरेश मुझे जबरदस्ती टॉकिज ले गया था फिल्म दिखाने।

गीता- तो इसमें फ्लर्ट की क्या बात है?

शीला- दरअसल, कल नरेश के साथ टॉकिज तो मैं गई थी।

फिल्म वर्ग पहेली - 4030

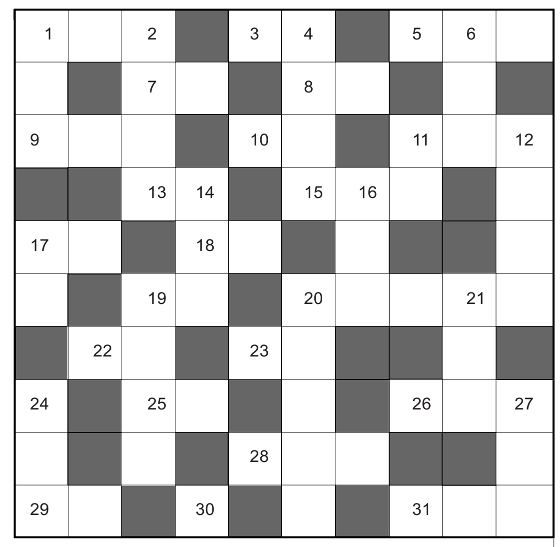

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं ऑचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरूद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 4029

सूडोकु -4030

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4029 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 4030

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली -4029 का हल

जानकारी

क्या है कारण अचानक से नसों में सूजन का

कभी आपने देखा होगा कि हाथ और पैरों में दर्द की वजह से अचानक से नसों में सूजन दिखने लगती है। जिसे वैरिकोज वेंस कहा जाता है, यह एक खतरनाक बीमारी का रूप ले सकता है। कई बार ये इतनी सूजन इतनी बढ़कर हो जाती हैं कि पैरों के बाहर तक दिखने लगती हैं। क्या आप जानते हैं इसका कारण क्या है वेरिकोस वेन, जिसे वेरिकोसिटीस भी कहा जाता है। इस स्थिति में हाथ और पांव में सूजन, फैलाव, अतिरिक्त खून से भर जाना आदि होता है। वेरिकोस वेन न सिर्फ दर्दभरा होता है बल्कि अंग विशेष का रंग नीला या लाल भी हो जाता है। सामान्यतः वेरिकोस वेन होने पर अंग में सूजन ही देखने को मिलती है। यह समस्या आमतौर पर महिलाओं में ज्यादा देखने को मिलती है। गर्भावस्था, मेनोपोज, शरीर के मध्यभाग में दबाव बनना, खासकर पेट में और मोटापे के कारण पैरों में अतिरिक्त भार पड़ने के कारण वेरिकोस वेन की समस्या होने लगती है। लेकिन ज्यादा व्यस्त होने और खानपान के अभाव में यह समस्या किशोरी और युवतियों में भी देखी जा सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक वेरिकोस वेन ज्यादातर पैर के निचले हिस्से में होता है।

क्या है वैरिकोज वेंस की समस्या?

जब नसें ठीक से काम नहीं तो उस स्थिति को वैरिकोज वेंस कहा जाता है। पैरों से ब्लड को नीचे से ऊपर हार्ट तक ले जाने के लिए पैरों की नसों में वाल्व होते हैं, इन्हीं की सहायता ग्रैविटेशन के बाद भी रक्त नीचे से ऊपर यानी हर्ट तक पहुंचता है। लेकिन अगर ये वाल्व खराब हो जाएं या पैरों में कोई समस्या आ जाए, तो ब्लड ठीक से ऊपर चढ़ नहीं पाता और पैरों में ही जमने लगता है। जब शरीर में ब्लड जमने लगता है तब नसें कमजोर हो जाती हैं और फूलने लगती हैं। नसों में सूजन आने का कारण आपकी दिनचर्या में शुमार कुछ ऐसी आदते हैं जो आपके लिए खतरे की घंटी साबित हो सकती है। देर तक खड़े रहना इस समस्या को ज्यादातर उन लोगों में देखा जा सकता है। जिन्हें लगातार एक ही जगह पर खड़ा रहना पड़ता है। लगातार खड़े रहने पर नसों में दबाव पड़ने लगता हैं और ब्लड एक ही जगह पर रूकने लगता है। इससे से राहत पाने के लिए बीच-बीच टहल लेना चाहिए। लगातार बैठे रहना जिस तरह एक ही जगह पर लगातार खड़े रहना हानिकारक है, कुछ उसी तरह एक ही जगह पर बहुत देर तक बैठे रहना भी खतरनाक साबित हो सकता है। इससे आपको बवासीर, कब्ज जैसी समस्याएं भी आ सकती हैं। ऑफिस में भी लगातार बैठे रहने से अच्छा है आप बीच-बीच में उठकर थोड़ा चलें।

अधिक नमक : नमक की अधिक मात्रा लेने पर भी खतरा बढ़ जाता है। इससे ब्लड प्रेशर हाई हो जाता है। इसे कंट्रोल करने के लिए नसों को फैलना पड़ता है। जिसके कारण इस समस्या के होने के चांस बढ़ने लगते हैं।

पैर मोड़कर बैठना: जब आप बहुत देर तक अपने पांव मोड़कर बैठते हैं तो इससे भी रक्त का प्रवाह या तो रुक जाता है या बहुत धीमा हो जाता है। यह पांव में सूजन की समस्या को भी जन्म देता है। इसलिए आपको बहुत देर तक अपने पैर मोड़कर नहीं बैठने चाहिए। डॉक्टर को दिखाएं अगर आपको भी वेरिकोस वेन की समस्या है तो तुरंत डाक्टर को दिखाएं। घर पर कोई भी इसका उपचार शुरू न कर दें, क्योंकि यह भी जानना आवश्यक होता है कि उठते और बैठते समय पैर के किस भाग में दर्द हो रहा है और सूजन पैर के किस हिस्से में दिख रही है। वेरिकोस वेन के दौरान रक्त प्रवाह जानने के लिए अल्ट्रासाउंड भी किया जाता है। इससे नसों में हो रहे रक्तसंचार की स्थिति जानकर डॉक्टर उपचार शुरू करते हैं।ख

सेहत

प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ाने के लिए इन चीजों का करें सेवन

बुखार होने के बाद अगर लगातार शरीर में दर्द की शिकायत हो रही हो तो प्लेटलेट्स की जांच करवाना चाहिए। दरअसल प्लेटलेट्स कम होने के लक्षण भी यही होते हैं। चक्कर आना और शरीर में दर्द होना प्लेटलेट्स कम होने की निशानी है। पर, चिंता की जरूरत नहीं है, क्योंकि कुछ चीजों की मदद से इस समस्या को दूर किया जा सकता है। प्लेटलेट्स छोटी रक्त कोशिकाएं होती हैं, जो खासतौर पर बोनमैरो में पाई जाती हैं। प्लेटलेट्स की कमी इस बात की निशानी है कि खून में बीमारियों से लड़ने की ताकत कम हो रही है। एक स्वस्थ व्यक्ति में सामान्य प्लेटलेट काउंट 150 हजार से 450 हजार प्रति माइक्रोलीटर होता है। जब यह काउंट 150 हजार प्रति माइक्रोलीटर से नीचे चला जाए तो इसे लो प्लेटलेट माना जाता है।

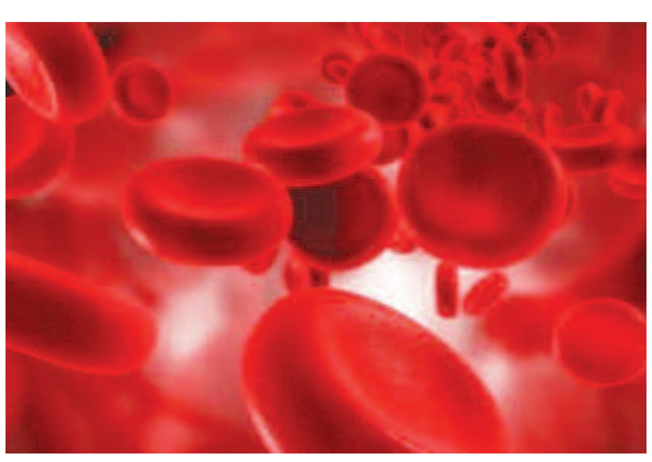

चुकंदर

प्लेटलेट्स बढ़ाने के लिए चुकंदर को तरह-तरह से अपने खाने में शामिल कीजिए। फिर चाहे उसकी सब्जी बनाइए या जूस पीजिए। एंटीऑक्सीट्डेंट से भरपूर चुकंदर में प्लेटलेट्स बढ़ाने के लिए जरूरी सभी गुण होते हैं। यह शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता को भी मजबूत बनाता है। ज्यादा लाभ पाने के लिए दो से तीन चम्मच चुकंदर के रस को एक गिलास गाजर के रस में मिलाकर पीएं।

पपीते का पत्ता

साल 2009 में मलेशिया के शोधकर्ताओं ने माना था कि प्लेटलेट्स बढ़ाने में पपीता ही नहीं, उसकी पत्तियां भी मददगार हैं। खासतौर पर डेंगू बुखार के कारण कम हुए प्लेटलेट्स को संतुलित करने में पपीता फायदेमंद होता है। प्लेटलेट्स संतुलित रखने के लिए नियमित रूप से पपीता खाएं। पपीते के पत्तों को पानी में उबालकर उसे ग्रीन टी के रूप में पीएं, ज्यादा फायदा होगा।

आंवला

आंवले में मौजूद विटामिन-सी प्लेटलेट्स का उत्पादन तो बढ़ाता ही है, रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। नियमित रूप से हर सुबह खाली पेट तीन से चार आंवले खाएं। आंवला इस तरह से नहीं खा पा रहे हैं तो दो चम्मच आंवले के जूस में शहद मिलाकर पीएं।

इन्हें भी आजमाएं

- खाद्य पदार्थों को पका कर खाने की जगह कच्चा ही खाएं।
- कीवी भी प्लेटलेट्स बढ़ाने में मदद करती है।
- गाजर का नियमित सेवन करें।
- इलेक्ट्रोलाइट्स और मिनरल्स प्लेटलेट्स बढ़ाने में बेहद मददगार होते हैं। नारियल पानी में यह दोनों ही तत्व प्रचुर मात्रा में होता है।
- बकरी का दूध भी प्लेटलेट्स बढ़ाता है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

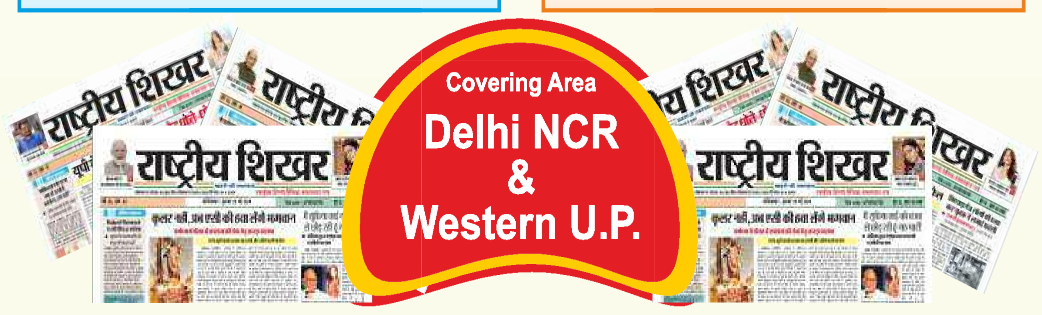

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	50%	Island Position	50%	Strip Advt.	15%
Front Page (Solus)	75%	Right Hand Page	10%	Political Advt.	50%
Back Page	25%	Top of AD Column	15%	Pull Outs	50%
Page Three	20%	Any Other Spl. Position	10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

रघुबीर यादव ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी बातें की

'पंचायत' के प्रधान जी यानी रघुबीर यादव हुंकार में बाप जी बनकर दिखाई दे रहे हैं और उनकी आने वाली फिल्म है 'ओम का हरि'। इन सबको लेकर वो खूब चर्चे में है। एक्टर ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कई सारी बातें की हैं।

बीते सालों में रघुबीर यादव हर रंग की भूमिकाओं में खिले हैं और कभी भी उनके काम पर उंगली नहीं उठी। इस पर वे कहते हैं, 'इतने सालों से मैंने खुद को रियाज़ से जोड़े रखा है। मेरा ताल्लुक हमेशा से थिएटर से रहा है। मैं जब भी कोई काम करता हूं, तो सबसे पहले खुद से पूछता हूं कि मुझे इसे करते हुए अच्छा लग रहा है या नहीं। बस यही कोशिश रहती है कि मेरी नीयत, शिद्दत में और मेरी कोशिश में कोई कमी न रह जाए। मगर परफेक्शन कभी हासिल नहीं होता। प्ले और नाटकों में जरूर कुछ 70-75 प्रतिशत तक पहुंच पाया हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'एक प्ले बेरी जॉन के साथ किया था, जब मैं एनएसडी रेपर्टरी में था। 'बेगम का तकिया' और 'मुख्यमंत्री' जैसे नाटक में काम करके संतुष्टि मिली थी। थिएटर में आप लगातार काम करते हुए अपनी परफॉर्मेंस को इंप्रूव कर सकते थे। लेकिन फिल्मों में ऐसा लगता है कि एक बार काम शूट होकर रिलीज हो गया, तो फिर बस छाती पीटते रहो कि यार, थोड़ा और बेहतर हो सकता था।'

भूखे मर जाना, मगर वैसी फिल्म न करना

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, 'मैंने हर बार कोशिश की है कि अपनी भूमिका को जमा लूं, अपने रोल के साथ न्याय करूं, मगर एक बार ऐसा जरूर हुआ था कि बात बन नहीं पाई थी। मैं सलाम बॉम्बे जैसी कई अच्छी फिल्में कर चुका था। मगर मैं नया-नया आया था और उसी दौरान गुजारे के लिए मैंने एक फिल्म कर ली। उसमें मेरा कोई खास मोह नहीं था। एक बार किसी फंक्शन से लौटते वक्त एक महिला ने मुझे रोककर कहा, 'आपको शर्म नहीं आती किसी को तकलीफ पहुंचाते हुए?' मैं घबरा गया। मैंने सोचा, मैं तो उस महिला को जानता तक नहीं। वो ऐसा क्यों कह रही हैं? मैंने पूछा क्या हुआ? महिला बोलीं, 'आपको वो फिल्म करने की क्या जरूरत थी?' मैंने कहा, 'मैं नया-नया आया हूं, घर चलाने के लिए काम तो करना है।'

उन्होंने कहा, 'आप भूखे मर जाएं, लेकिन इस तरह की फिल्म मत कीजिए।' उनकी बात मेरे दिल में तीर की तरह चुभा गई। मैंने कान पकड़ कर कहा, आज से मैं भूखा मर जाऊंगा, लेकिन ऐसी फिल्म दोबारा नहीं करूंगा।'

रघुबीर की हालिया फिल्म हरी का ओम पिता -पुत्र के बीच जनरेशन गैप के मुद्दे पर आधारित है। असल जिंदगी में रघुबीर भी दो बड़े बेटों (अचल और अबीर) के पिता है। वे कहते हैं, 'हमारा जमाना अलग था। हम किसान के बेटे थे। बात-बात पर पिटते थे। खाना नहीं खाया तो पिटाई, ज्यादा खा लिया तो मार, मगर मैंने अपने दोनों बेटों के साथ कभी मारपीट नहीं की। एक बार डांट जरूर दिया था, मगर उसमें भी उल्टा सुनने के लिए मिल गया। मैंने किसी बात पर अपने बेटे को डांट दिया था, तो कहता है, 'मैं अपने बच्चों के साथ वो नहीं करूंगा, जैसे आपने मेरे साथ किया।' रघुबीर का मानना है कि बच्चों और पैरंट्स के बीच संवाद और खुलापन ही पुल बन सकता है। वे कहते हैं, 'न पिता बेटे से कुछ छुपाए, न बेटा पिता से। मेरा अपने बेटों से ऐसा ही पारदर्शी रिश्ता है। खासकर छोटे बेटे अबीर से। वो मुझे मेरी गलती तक बता देता है। वक्त के साथ मैंने खुद को भी बदलने की कोशिश की है।'

निरहुआ संग डेटिंग की खबरों पर आम्रपाली दुबे ने तोड़ी चुप्पी

भोजपुरी एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे और एक्टर दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' की दोस्ती एक बार फिर चर्चा में है। दोनों की जोड़ी भोजपुरी फिल्मों में काफी पसंद की जाती है और लंबे समय से उनकी दोस्ती को लेकर तरह-तरह की बातें होती रही हैं। कई बार दोनों के डेटिंग की खबरें भी सामने आईं, लेकिन आम्रपाली ने अब 'बिग बॉस 20' के घर में इस पूरे मामले पर अपनी बात रखी है। को-कंटेस्टेंट लव गिल के साथ बातचीत में उन्होंने निरहुआ के साथ अपनी बॉन्डिंग, दोस्ती और शादी को लेकर होने वाली बातों का जिक्र किया। दिनेश लाल यादव के बारे में बात करते हुए आम्रपाली दुबे ने बताया कि जब वह भोजपुरी इंडस्ट्री में आई थीं, तब दिनेश उनके सबसे अच्छे दोस्तों में से एक थे। उन्होंने कहा कि हमारे बीच दोस्ती इतनी गहरी है कि कई बार बिना कुछ कहे ही हम एक-दूसरे की बात समझ जाते हैं।

आम्रपाली ने कहा, ''जब मैं भोजपुरी इंडस्ट्री में आई थी, तब मेरे बेस्ट फ्रेंड दिनेश थे। आज तक ऐसा है कि अगर इस कमरे में आठ लोग हैं और मुझे उन आठ लोगों से कुछ कहना है, तो मुझे दिनेश जी से कुछ कहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मैं सिर्फ उनकी तरफ देखूंगी और वह समझ जाएंगे कि मैं क्या कहना चाहती हूं। फिर वह हंसना शुरू कर देंगे। दोस्तों की दोस्ती ऐसी ही होनी चाहिए। नो-फिल्टर फ्रेंडशिप।'' इसके बाद आम्रपाली ने उन खबरों पर भी बात की, जिनमें दोनों को एक-दूसरे को डेट करने की बात कही जाती है। वह कहती है, ''लोग सोचते हैं कि दिनेश और मैं डेट कर रहे हैं। बेचारे दिनेश तो यह कहते-कहते परेशान हो गए हैं कि मुझे अपनी जिंदगी में किसी से शादी कर लेनी चाहिए। मैं उन्हें क्या बताऊं? असल में लोगों को लगता है कि शादी करना बहुत आसान है। उन्हें समझ नहीं आता कि हम लड़कियों को कई सालों में जो कुछ बनाया है, उसे छोड़ना पड़ता है। इसलिए लड़कों के लिए यह कहना बहुत आसान है कि शादी कर लो।''

आम्रपाली और निरहुआ की बात करें, तो दोनों की जोड़ी पहली बार 2014 की फिल्म 'निरहुआ हिंदुस्तानी' में साथ नजर आई थी। यह फिल्म आम्रपाली के भोजपुरी सिनेमा में डेब्यू के तौर पर भी खास थी। इससे पहले वह हिंदी टीवी शोज में काम कर चुकी थीं। 'सात फेरे : सलोनी का सफर', 'मायका' और 'रहना है तेरी पलकों की छांव में' जैसे शोज में आम्रपाली नजर आई थीं। 'निरहुआ हिंदुस्तानी' की सफलता के बाद दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और उनकी जोड़ी भोजपुरी सिनेमा में काफी लोकप्रिय हो गई। दोनों को 'पटना से पाकिस्तान', 'निरहुआ रिक्शावाला 2', 'राजा बाबू', 'निरहुआ हिंदुस्तानी 2', 'निरहुआ हिंदुस्तानी 3', 'निरहुआ चलल लंदन' और 'शेर सिंह' जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। इसे लगातार साथ काम करने और मजबूत केमिस्ट्री की वजह से दोनों के रिश्ते को लेकर भी लंबे समय से चर्चा होती रही है।

मोहित सूरी की नई फिल्म में फिर साथ आ रहे अहान और अनीत

फिल्म 'सैयारा' से सिनेमाघरों में धूम मचा चुकी अनीत पड्डा और अहान पांडे की जोड़ी एक बार फिर से साथ नजर आने के लिए बिल्कुल तैयार है। मजेदार ये है कि फिर से ये दोनों किसी और की नहीं बल्कि मोहित सूरी अपनी अगली निर्देशित फिल्म में फिर से साथ दिखेंगे।

साल 2025 की हिट रोमांटिक फिल्म 'सैयारा' से रातों-रात स्टार बने अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आनेवाली है। मोहित सूरी अपनी अगली निर्देशित फिल्म के लिए दोनों नए कलाकारों को एक बार फिर साथ खींच लाए हैं। आदित्य चोपड़ा द्वारा प्रड्यूस इस प्रोजेक्ट की शूटिंग बहुत जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसी के साथ अहान और अनीत की इस फिल्म को साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी हो रही है। मोहित सूरी की फिल्म की शूटिंग अक्टूबर में शुरू होगी। 'वरायटी इंडिया' की रिपोर्ट के मुताबिक, सूरी की अगली निर्देशित फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में शुरू करने की प्लानिंग हो चुकी है। वहीं अहान पांडे और अनीत पड्डा की इस फिल्म को लेकर कहा जा रहा था कि मेकर्स इस फिल्म का नाम 'सतरंगा' रखने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म प्रड्यूसर्स की ओर से टाइटल को लेकर अभी तक कोई कन्फर्मेशन नहीं है।

फिल्म का टाइटल 'टी-सीरीज' के तहत रजिस्टर हो चुका है रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि फिल्म का टाइटल 'टी-सीरीज' के तहत रजिस्टर हो चुका है, लेकिन प्रोडक्शन ने अभी तक ऑफिशियली इसकी घोषणा नहीं किया है। इसलिए इस बात की जानकारी फिलहाल नहीं है कि फिल्म का नाम फाइनली 'सतरंगा' ही है या कुछ और। इस प्रोजेक्ट की ऑफिशियल घोषणा अप्रैल में की गई थी, जिसमें स्टूडियो ने इसे एक बेहतरीन लव स्टोरी ही बताया था।

इसे 2027 में वर्ल्डवाइड रिलीज करने की योजना

'सैयारा' बनाने वाले अक्षय विधानी इस फिल्म से जुड़े हैं और इसे 2027 में वर्ल्डवाइड रिलीज करने की योजना पर काम कर रहे हैं। अब खबर आई है कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में शुरू होगी। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी अधिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि ये आम लव स्टोरी से काफी अलग और कहीं अधिक लाजवाब होगी।

मोहित सूरी की ये नई फिल्म 'सैयारा' का सीक्वल नहीं है यहां ये भी कहा गया है कि मोहित सूरी की ये नई फिल्म 'सैयारा' का सीक्वल नहीं है बल्कि ये एक नई और अलग तरह की फिल्म होगी। फिल्म 'सैयारा'से अहान की बतौर लीड होरो एक्टिंग करियर की शुरुआत हुई ।

आयुष्मान ने बताया फिल्मों की सफलता का राज

आयुष्मान ने कम बजट में बनी फिल्मों 'हनुमान अंश' और 'ऑब्सेशन' की सफलता पर खुशी जताई है। उनका कहना है कि आज के दौर में ऐसी फिल्मों को ज्यादा बनाया जाना चाहिए, जो कम बजट में बनें और सीधे दर्शकों से जुड़ें। हाल ही में एक सेशन के दौरान आयुष्मान खुराना ने मौजूदा थिएटर बिजनेस पर बात की। अभिनेता ने कहा कि 'हनुमान अंश' और 'ऑब्सेशन' दोनों बिल्कुल अलग तरह की फिल्में हैं, लेकिन दोनों का बजट कम है। आयुष्मान ने कहा, 'हनुमान अंश और ऑब्सेशन दो अलग-अलग दुनिया की फिल्में हैं और कम बजट में बनी हैं। मुझे लगता है कि हमें ऐसी और फिल्में बनानी चाहिए। हमें बजट का ध्यान रखना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा लोगों से जुड़ने की कोशिश करनी चाहिए। यह सुनने में आसान लगता है, लेकिन ऐसा करना आसान नहीं है।'

आयुष्मान के मुताबिक, आज दर्शकों के पास अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर कई बड़े कलाकारों और फिल्मों को देखने का मौका है। ऐसे में किसी फिल्म की सफलता सिर्फ बड़े स्टार या बड़े बजट पर निर्भर नहीं करती। फिल्म की कहानी और उसकी सच्चाई दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने में अहम भूमिका निभाती है। इस सेशन में फिल्ममेकर श्रीराम राघवन और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के इंडिया थिएट्रिकल के वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर डेंजिल डायस भी मौजूद थे।

'उड़ता तीर' में आयुष्मान खुराना के अलावा राम कपूर, राहुल बोस, गुलशन ग्रोवर, सुहैल नय्यर, मुकुल देव, बृजेंद्र काला, संदीप आनंद, रघुबीर यादव, सुप्रिया पिलगांवकर और स्मिता तांबे जैसे कलाकार हैं। 'उड़ता तीर' 9 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आएंगे सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति अभिनेता जहीर इकबाल जल्द 'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आएंगे। फिल्म का ऐलान मेकर्स ने कर दिया है। साथ ही फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी हुआ है। काफी वक्त से सोनाक्षी सिन्हा ने सिल्वर स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। वहीं उनके पति जहीर इकबाल का भी कोई नया प्रोजेक्ट सामने नहीं आया था। मगर अब

कपल बहुत जल्द फिल्म 'तू है मेरी किरण' में साथ अभिनय करता दिखाई देगा। फिल्म रोमांटिक थ्रिलर होगी। फिल्म के फस्ट लुक में सोनाक्षी एक टेबल पर लैपटॉप पर काम करती दिखाई दे रही हैं। वहीं उनके पास बैठे जहीर उन्हें घूर रहे हैं।

फिल्म 'तू है मेरी किरण' का फर्स्ट लुक रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फिल्म की ट्रोलिंग शुरू हो गई। यूजर्स ने फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह के कमेंट्स किये। एक यूजर ने लिखा, 'सुपर फ्लॉप होगी मेरे शब्द याद रखना।' वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'क्या सच में आपके लगता है कि इस तरह की फिल्म कोई देखेगा।

यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी सिन्हा और जहीर किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हों। इससे पहले 2022 में रिलीज हुई फिल्म डबल एक्स एल में भी दोनों ने साथ अभिनय किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी।

'दृश्यम 3' के लिए इमोशनल हुईं शिवालिका ओबेरॉय

अभिनेता अजय देवगन की थ्रिलर की फिल्म 'दृश्यम 3 : द कन्क्लूज' रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की पत्नी और अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय ने पति पर गर्व जताते हुए कहा कि इस फिल्म के पीछे कड़ी मेहनत और कई जागी रातें भी हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सेट की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने बताया कि वह इस सफर को करीब से देख पाईं, यह उनके लिए सौभाग्य की बात है और साथ ही फिल्म में परिवार के एंगल के मजबूत होने का भी इशारा किया। अभिनेत्री ने लिखा, 'मैंने उस सपने को पूरा होते हुए देखा है, कड़ी मेहनत, बिना सोई रातें और उसके पीछे का जज्बा भी देखा है। दुनिया वो देखेगी, जो मैं अब तक देखती आ रही हूं और अगर आपने 'दृश्यम' देखी है, तो आप जानते ही हैं, जब परिवार की बात आती है, तो मेरे पति कोई मजाक नहीं करते।' अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव, रजत कपूर, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत भी हैं।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी डिग्री से डॉक्टर बना भारतीय मूल का दक्षिण अफ्रीकी, गिरफ्तार

डरबन , एजेंसी। भारतीय मूल के 39 वर्षीय रेशल दयानंद पर फर्जी मेडिकल डिग्री से डॉक्टर के रूप में पंजीकरण और अस्पताल में इंटर्न के तौर पर काम करने का आरोप है। बुधवार को डरबन की विशेष वाणिज्यिक अपराध अदालत में उसपर जालसाजी, धोखाधड़ी और स्वास्थ्य पेशा अधिनियम व इलेक्ट्रॉनिक संचार और लेनदेन अधिनियम के उल्लंघन का आरोप लगा। उसे चेतावनी देकर रिहा कर दिया गया। क्वाजुलु-नटाल पुलिस प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सिम्फिव मलोंगो ने स्थानीय दैनिक द विटनेस को बताया कि मामला 19 नवंबर, 2026 तक टाल दिया गया है। दयानंद ने क्वाजुलु-नटाल विश्वविद्यालय में बैचलर ऑफ मेडिसिन और बैचलर ऑफ सर्जरी की डिग्री पूरी नहीं की। 2013 में उसे बाहर किया गया था, फिर 2015 में प्रवेश मिला, पर वह एक अंतिम मॉड्यूल पास नहीं कर सका। डिग्री के बिना भी, दयानंद ने 2016 में हेल्थ प्रोफेशंस काउंसिल ऑफ साउथ अफ्रीका में अवैध पंजीकरण कराया। उसने नॉर्थडेल अस्पताल में इंटर्नशिप की। अधिकारियों का आरोप है कि उसने विश्वविद्यालय के एक अधिकारी के साथ मिलकर फर्जी शैक्षणिक प्रतिलेख और डिग्री प्रमाण पत्र बनाए।

तूफान के चलते 550 साल पुराना होलेई सी आर्च समुद्र में समाया

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रशांत महासागर में उठे भीषण चक्रवाती तूफान के दौरान हवाई वोल्केनो नेशनल पार्क का 550 साल पुराना होलेई सी आर्च ढहकर समुद्र में समा गया। करीब 90 फीट ऊंची यह प्राकृतिक चट्टानी मेहराब सदियों से समुद्र की लहरों के बीच खड़ी थी और पर्यटकों व फोटोग्राफरों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र थी। अमेरिकी नेशनल पार्क सर्विस (एनपीएस) ने इसके ढहने की पुष्टि की है।

सरकार की सख्ती के बाद एपल ने भारत में अपने एप स्टोर से बिटचैट हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। एपल ने भारत में ऑफलाइन मैसेजिंग एप बिटचैट को अपने एप स्टोर से हटा दिया है। एप के डेवलपर जैक डोर्सी ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की मांग पर की गई है। उन्होंने एपल की एप रिव्यू टीम की ओर से भेजे गए नोटिस का स्क्रीनशॉट भी साझा किया। एपल के नोटिस के अनुसार, भारत में एप स्टोर इसलिए हटाया गया क्योंकि इसमें ऐसा कंटेंट शामिल है जिसे भारत में अवैध माना गया है। यह एप रिव्यू गाइडलाइन्स के अनुरूप नहीं है। कंपनी ने यह भी कहा कि डेवलपर एप को हटाए जाने या भारत के कानूनों और आवश्यकताओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए सीधे मंत्रालय से संपर्क कर सकता है। बिटचैट दूसरे देशों के एप स्टोर पर उपलब्ध रहेगा। भारत में इसका टेस्ट फ्लाइट संस्करण भी उपलब्ध नहीं रहेगा और सार्वजनिक टेस्टफ्लाइट लिंक काम नहीं करेंगे। बिटचैट पर सरकार की कार्रवाई का यह दूसरा मामला है। इससे पहले जुलाई में भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने माइक्रोसॉफ्ट के स्वामित्व वाले गिटहब को बिटचैट हटाने का निर्देश दिया था। उस समय डोर्सी ने सरकार के कदम पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि भारत सरकार बिटचैट जैसी तकनीकों को पसंद नहीं करती और इसे हटाना चाहती है। बिटचैट ब्लूटूथ आधारित विकेंद्रीकृत नेटवर्क के जरिये आसपास के उपकरणों के बीच सीधे संचार की सुविधा देता है।

फ्रांस छात्र आंदोलन बेकाबू, अब तक 5000 गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में कक्षाओं की बदतर स्थिति, फंड की कमी और शिक्षकों की भारी कमी के खिलाफ चल रहा छात्र आंदोलन अब पूरी तरह हिंसक रूप ले चुका है। स्थिति इतनी बिगड़ गई है कि पेरिस के पुलिस प्रमुख ने इसे नियंत्रण से बाहर करार दिया है। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने की अपील की है और चेतावनी दी है कि हिंसा और तोड़फोड़ से अब पूरी सख्ती से निपटा जाएगा। पिछले सोमवार से लेकर अब तक देश भर में लगभग 5,000 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें से ज्यादातर किशोर हैं। शुक्रवार को पूरे फ्रांस में दंगा रोधी पुलिस और हाई स्कूल के छात्रों के बीच भीषण झड़पें हुईं। इस हिंसा में दर्जनों लोग घायल हुए हैं।

हादसे का शिकार हुई एयर एम्बुलेंस: बरमूडा से बोस्टन की उड़ान के दौरान टूटा संपर्क, नैनटकेट के पास मिला मलबा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के मैसाचुसेट्स के नैनटकेट तट के पास एक एयर एम्बुलेंस का मलबा मिला है। यह एयर एम्बुलेंस शनिवार को बरमूडा से बोस्टन की उड़ान के दौरान अटलांटिक महासागर के ऊपर गायब हो गई थी। इसमें छह लोग सवार थे। यह जानकारी अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने दी। कोस्ट गार्ड ने एक बयान में कहा कि इसमें चार कनाडाई और दो बरमूडा के नागरिक सवार थे। खोज जारी रहने के दौरान उनके करीबी रिश्तेदारों को सूचित कर दिया गया था। उन्होंने आगे कहा कि उनका एक जहाज रात भर और रविवार को भी पानी में खोज जारी रखा।

विमान में क्या दिक्कत थी : एयर ट्रैफिक ऑडियो से पता चलता है कि मेडिकल ट्रांसपोर्ट विमान में शायद बिजली से जुड़ी समस्याएं थीं। वह बिना नेविगेशन के (ब्लाइंड) आ रहा था, तभी शनिवार तड़के गायब होने से कुछ देर पहले ही सामने एक तूफान आ गया।

ट्रैफिक कंट्रोल ऑडियो से क्या पता चला : एयर ट्रैफिक कंट्रोल ऑडियो के अनुसार, जब जेट तट के पास पहुंचा तो पायलट ने बिजली से जुड़ी समस्याओं की सूचना दी और इमरजेंसी घोषित कर दी। एक कंट्रोलर को पायलट से यह पूछते हुए सुना जा सकता है, 'रोजर, आपने कहा कि आप बिना नेविगेशन के आ रहे हैं। क्या आपने यही कहा था प्लाइटरडार24 की डेटा से क्या पता चला? इससे मैरी शियावो, जो ट्रांसपोर्टेशन डिपार्टमेंट की पूर्व इंस्पेक्टर जनरल हैं, उनको लगता है कि हो सकता है कि विमान के नेविगेशन इंस्ट्रूमेंट तब काम करना बंद कर गए हों, जब रडार पर उसके रास्ते में एक तूफान आया। फ्लाइट ट्रैकिंग साइट प्लाइटरडार24 के शुरुआती डेटा के अनुसार, विमान अपनी लगभग 24,000 फीट की ऊंचाई से तेजी से नीचे आकर लगभग 10,000 फीट की ऊंचाई पर आ गया था।

एविएशन अटॉर्नी शियावो ने क्या बताया : एविएशन अटॉर्नी शियावो ने कहा, 'इस बड़ी गिरावट के साथ कुछ बुरा हुआ। वे उस बड़े तूफान में चले गए। इंस्ट्रूमेंट खराब होने और बिना नेविगेशन के उड़ान भरने के लिए यह एक बहुत ही खतरनाक जगह है। दिशा का पता न चलना बहुत आसान है और यह पता नहीं चल पाता कि आप मुड़ रहे हैं, ऊपर जा रहे हैं, नीचे आ रहे हैं, आदि। स्पेशल ओरिएंटेशन (स्थान का सही अंदाजा) बहुत जल्दी खत्म हो जाता है।' बरमूडा एयरपोर्ट के ऑपरेटर, स्काईपोर्ट के एक बयान के अनुसार, कनाडाई-रजिस्टर्ड एयर एम्बुलेंस जेट में चार क्रू मेंबर और दो यात्री सवार थे, जब वह मैसाचुसेट्स के लिए रात की उड़ान भरने के लिए बरमूडा के एलएफ वेड इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रवाना हुआ था। देश के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर स्टीवन मैकिनॉन ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि ट्रांसपोर्ट कनाडा खोज और बचाव कार्यों पर अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा था और स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए था।

कोस्ट गार्ड ने बताया कि फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने जानकारी दी है कि गल्फस्ट्रीम ल100 का संपर्क शनिवार तड़के ही टूट गया था। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने कहा कि वह स्थिति के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रहा है, लेकिन उसने तुरंत यह नहीं बताया कि वह इसकी जांच करेगा या नहीं।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल से बातचीत की रिकॉर्डिंग आई सामने : एयर ट्रैफिक कंट्रोल के साथ बातचीत की रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि शनिवार सुबह लापता होने से ठीक पहले विमान में बिजली से जुड़ी दिक्कतें आईं और वह तूफान में फंस गया। ऐसी स्थितियों में, विमान के बिना इंस्ट्रूमेंट्स की मदद के उड़ने की संभावना थी। विमान के लापता होने से ठीक पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोल के साथ बातचीत में, पायलट ने बिजली की समस्या बताई और इमरजेंसी घोषित की। इस बातचीत का ऑडियो एक वेबसाइट पर पोस्ट किया गया है, जिसमें एक कंट्रोलर को पायलट से यह पूछते हुए सुना जा सकता है, 'रोजर, क्या आपने कहा कि आप डेड रेकनिंग (नेविगेशनल एड्स के बिना उड़ान) से आ रहे हैं? क्या आपने यही कहा कनाडा में रजिस्टर्ड थी एयर एम्बुलेंस ऐसी स्थिति में, पायलट को यह पता लगाने में मुश्किल हो सकती है कि विमान मुड़ रहा है, ऊपर जा रहा है या नीचे आ रहा है।यह विमान, जिसने बरमूडा के एल.एफ.वेड इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी, कनाडा में रजिस्टर्ड एक एयर एम्बुलेंस थी। एयरपोर्ट चलाने वाली कंपनी 'स्काईपोर्ट' के अनुसार, इसमें छह लोग सवार थे, चार क्रू मेंबर और दो यात्री। यह विमान रात में बरमूडा से मैसाचुसेट्स के लिए रवाना हुआ था। कनाडा के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर स्टीवन मैकिनॉन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्ग' पर बताया कि विमान में सवार छह लोगों में से चार कनाडाई नागरिक थे।

लॉस एंजिल्स में यूनिवर्सिटी कैंपस के पास देर रात गोलीबारी, दो लोगों की मौत; दर्जनों लोग हिरासत में

लॉस एंजिल्स , एजेंसी। लॉस एंजिल्स में यूनिवर्सिटी कैंपस के पास एक स्ट्रिप मॉल में हुई गोलीबारी में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही दर्जनों अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया। यह जानकारी लोकल मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक है।

यह घटना कब हुई : न्यूयॉर्क पोस्ट की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार, यह गोलीबारी शुक्रवार रात 11 बजे के कुछ समय बाद यूनिवर्सिटी प्लाजा में हुई, जो कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, नॉर्थ्रिज से लगभग एक ब्लॉक दूर स्थित एक लोकप्रिय शॉपिंग सेंटर है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने न्यूयॉर्क पोस्ट का हवाला देते हुए बताया कि पुलिस को बड़ी संख्या में लोगों के जमा होने की सूचना मिली और मौके पर पहुंचने पर उन्हें गोली चलने की आवाज सुनाई दी। गोलीबारी के बाद, प्लाजा में एक इमारत के बाहर दर्जनों लोगों को हिरासत में लिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, हिरासत में लिए गए कई लोग गोलीबारी के समय पास के एक लाउंज के अंदर थे।

रिपोर्ट में क्या बताया गया है : लोकल टीवी स्टेशन केटीएलए के अनुसार, लॉस एंजिल्स पुलिस विभाग के लेफ्टिनेंट गाइ गोलन ने बताया कि मारे गए दोनों लोग एक पुरुष और एक महिला थे। माना जा रहा है कि दोनों की उम्र 18 से 25 साल के बीच थी। केटीएलए की रिपोर्ट के मुताबिक, गोलन ने कहा कि अधिकारी एक और संभावित पीड़ित की तलाश कर रहे हैं और पुलिस घटनास्थल के अंदर और आसपास के इलाके में जांच जारी रखे हुए है। इससे पहले सितंबर में, अमेरिका के मिनेसोटा राज्य के सबसे बड़े शहर मिनियापोलिस में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई थी।

संदिग्ध की भी मौत हो गई थी। लोकल टेलीविजन स्टेशन केएसटीपी ने यह जानकारी दी। संदिग्ध ने आत्महत्या कर ली। वहीं, 2 सितंबर, बुधवार (स्थानीय समय) को हुई इस गोलीबारी में तीन पुलिस अधिकारियों सहित छह अन्य लोग घायल हो गए। मिनियापोलिस शहर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि स्थानीय समय के अनुसार शाम लगभग 4:36 बजे पुलिस अधिकारियों को गोलीबारी की घटना स्थल पर भेजा गया था।

अधिकारी एक ऊंची अपार्टमेंट बिल्डिंग में दाखिल हुए, जहां उन्हें पीड़ित मिले और और गोलियां चलने की आवाज सुनाई दी। अधिकारी गोली चलने की आवाज़ का पीछा करते हुए इमारत की ऊपरी मंजिल पर पहुंचे। उस मंजिल पर, अधिकारियों को धुंध का सामना करना पड़ा जिससे कुछ भी साफ दिखाई नहीं दे रहा था। पोस्ट में आगे बताया गया कि तीन अधिकारी घायल हो गए, जिनमें से दो को गोली लगी थी।

इंडोनेशिया में भूकंप के तेज झटके, 5.2 तीव्रता ने लोगों में फैलाई दहशत; नुकसान की कोई खबर नहीं

जकार्ता , एजेंसी। इंडोनेशिया में आज सुबह करीब 5 बजे 5.2 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। जानकारी के अनुसार इसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। नेशनल सिस्मोलॉजिकल सेंटर के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 5.2 थी। यह भूकंप रविवार सुबह 5:07 बजे आया। रिक्टर स्केल पर 5.2 तीव्रता वाले एक जबरदस्त भूकंप ने इंडोनेशिया को हिला दिया, जिससे लोगों में डर का माहौल बन गया।

लोगों में घबराहट फैल गई : सुबह जब भूकंप आया, तो ज्यादातर लोग घरों के अंदर थे। तेज झटकों से लोगों में घबराहट फैल गई और वे बाहर की ओर भागे, जिससे हर तरफ डर का माहौल बन गया। इंडोनेशिया को भूकंप के लिहाज से संवेदनशील इलाका माना जाता है। भूकंप के असर को समझने के लिए उसकी तीव्रता और गहराई को जानना जरूरी होता है। इस भूकंप से नुकसान को लेकर अभी तक कोई जानकारी नहीं है। साथ ही जान-माल के नुकसान के बारे में भी कोई खबर नहीं है। वैज्ञानिकों ने भूकंप के दौरान लोगों को अपने बचाव के लिए कुछ उपाय बताया गया है। जिसका पालन करने से लोग सुरक्षित रह सकते हैं। कुछ दिन पहले पेरू में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया था। दक्षिणी पेरू में जोरदार झटके महसूस किए गए। पेरू की दक्षिणी एंडीज पर्वत श्रृंखला में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। इका और अरेक्विपा समेत कई इलाकों में झटके महसूस किए गए। अब तक किसी बड़े नुकसान या जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। स जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप स्थानीय समयानुसार दोपहर 1 बजे आया। इसका केंद्र अयाकुचो क्षेत्र के पारिनाकोचास डिपार्टमेंट में उपहुआचो से लगभग 38 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था।

पश्चिम एशिया: सऊदी अरब की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको पर हूतियों का हमला, बढ़ सकती हैं तेल की कीमतें

सना, एजेंसी। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने शनिवार (स्थानीय समय) को सना और सादा में हूतियों के महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमले की पुष्टि की। यह कार्रवाई तब हुई जब हूती समूह ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको की सुविधाओं को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन से हमला करने का दावा किया।

बढ़ सकती तेल की कीमत : अरामको संयंत्र से उठती आग की लपटों और घने धुएं ने चिंता बढ़ा दी है। सऊदी अरब की यह बड़ी तेल कंपनी तेल सप्लाई में अहम भूमिका निभाती है। ऐसे में अगर हमले से संयंत्र को बड़ा नुकसान हुआ है, तो तेल की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार पर भी पड़ सकता है और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिल सकती है। वहीं, पश्चिम एशिया में पहले से ही तनाव बना हुआ है। ऐसे में अरामको पर हुआ यह हमला ऊर्जा बाजार के लिए नई चिंता खड़ी कर सकता है।

सैन्य कार्रवाई के बाद जारी किया बयान : इन घटनाओं से जारी संघर्ष और बढ़ गया है। दोनों पक्षों ने सैन्य कार्रवाई का दावा करते हुए बयान जारी किए हैं। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार की सशस्त्र सेनाओं के मीडिया सेंटर सेजारी एक बयान में आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि यमनी सेनाएं हूतियों के नियंत्रण वाले इलाकों पर हमले कर रही हैं। आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, 'हम सना और सादा में आतंकवादी हूती मिलिशिया के अहम ठिकानों पर जबरदस्त हमले कर रहे हैं'। प्रवक्ता ने आगे चेतावनी दी कि हूती की सैन्य क्षमताओं पर हमले जारी रहेंगे। प्रवक्ता ने कहा, 'हूती मिलिशिया की क्षमताएं हमारी सेना के हमलों से सुरक्षित नहीं रहेंगी और हम उन्हें नष्ट कर देंगे।'

हूती की ओर से यह हमला क्यों किया गया है : यह बयान तब आया जब हूती समूह ने कहा कि उसने बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल करके रियाद में अरामको को निशाना बनाते हुए एक सैन्य अभियान चलाया है। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी के बयान के अनुसार, यह हमला सऊदी अरब की ओर से सना और उनके नियंत्रण वाले अन्य इलाकों पर किए गए हमलों के जवाब में किया गया था। हूती के बयान में कहा गया, 'राजधानी सना और आजाद कराए गए प्रांतों के खिलाफ सऊदी आक्रामकता के जवाब में जिसमें पिछले 24 घंटों में 60 हवाई हमले और मिसाइल हमले हुए, हूती समूह ने कहा कि उसने रियाद में अरामको की सुविधाओं के खिलाफ बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन का इस्तेमाल करके एक खास मिलिट्री ऑपरेशन चलाया।

नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित को इजरायली स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल करने का दिया आमंत्रण

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार देर रात भारतीय पायलट स्मित मच्छार से बात की। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, पीएम नेतन्याहू ने उन्हें इजरायल के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मशाल जलाने के लिए आमंत्रित किया। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने स्मित मच्छार से कहा, 'मैं चाहूंगा कि कैप्टन स्मित और पीएम मोदी हमारे स्वतंत्रता दिवस पर जश्न की लौ थामे रहें। यह हमारा सबसे बड़ा सम्मान है। हम आमतौर पर इसे इजरायली नागरिकों के लिए रखते हैं, लेकिन इस मामले में इजरायल के सभी नागरिक आपको गले लगाएंगे।' स्मित मच्छार, जो वर्तमान में दुबई में कार्यरत हैं ने बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट

के कॉकपिट के अंदर अपने सह-पायलट द्वारा हमला किए जाने के बाद एक बड़े हादसे को टाल दिया। गंभीर चोट लगने के बावजूद भारतीय पायलट ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाबी हासिल की, जिससे यात्री और क्रू मेंबर हस्तक्षेप कर सके। ऐसे में उन्होंने विमान के यात्रियों की जान बचा ली। वहीं, इससे पहले दुबई के क्राउन प्रिंस और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री हमदान बिन मोहम्मद ने शनिवार को फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड1073 के बहादुर भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार से अस्पताल में मुलाकात की और उनके साहस की सराहना की। हमदान बिन मोहम्मद ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'कैप्टन स्मित मच्छार से मुलाकात की। फ्लाईदुबई के इस पायलट ने साहस और जिम्मेदारी की सर्वोच्च मिसाल पेश की। हमारी ओर से और देश के नेतृत्व की ओर से उन्हें पूरा सम्मान और प्रशंसा। हमें गर्व है कि वह हमारी टीम का हिस्सा हैं।

इससे पहले यूएई स्थित भारतीय दूतावास ने बताया था कि कैप्टन मच्छार की हालत में सुधार हो रहा है। भारतीय मिशन ने कहा कि वह उनके परिवार और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं तथा उनके इलाज और जल्द स्वस्थ होने के लिए हरसंभव सहयोग दिया जा रहा है।

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा से पहले मंदिर में सात मूर्तियां खंडित, जांच में जुटी पुलिस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के तंगेल जिले के मिर्जापुर उपजिला में आगामी दुर्गा पूजा से पहले एक मंदिर में बनाई जा रही सात मूर्तियां अज्ञात लोगों ने खंडित कर दीं। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, बांग्लादेश में हिंदू धार्मिक स्थलों पर हमलों को लेकर बढ़ती चिंता के बीच यह घटना सामने आई है। मंदिर प्रशासन और पुलिस के अनुसार, मिर्जापुर के जमुरकी पश्चिमपाड़ा इलाके में बुधवार रात से गुरुवार सुबह के बीच मूर्तियों में तोड़फोड़ की गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि जमुरकी आर्य समिति के तहत इस मंदिर में करीब 85 वर्षों से दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर में इस साल दुर्गा पूजा की तैयारियां चल रही थीं। मुख्य देवी दुर्गा की मूर्ति समेत सात मूर्तियां लगभग तैयार हो चुकी थीं और केवल रंगाई का काम बाकी था। जमुरकी आर्य समिति के अध्यक्ष प्रकाश बकाली ने बताया, 'हम बुधवार रात करीब 10 बजे तक मंदिर में थे। इसके बाद घर चले गए। गुरुवार सुबह जब मंदिर लौटे तो मूर्तियां टूटी हुई मिलीं। '

उन्होंने कहा, 'हमें नहीं पता कि यह किसने किया। हमने पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। अब हमारी मांग है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां जिम्मेदार लोगों का पता लगाएं और उन्हें कानून के दायरे में लाएं।' घटना की पुष्टि करते हुए तंगेल के सहायक पुलिस अधीक्षक अदनान मुस्तफिज ने बताया कि कुछ मूर्तियां आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मिली हैं। उन्होंने कहा, 'हम दोषियों की पहचान कर उन्हें कानून के दायरे में लाने के लिए जांच कर रहे हैं। जरूरी सुरक्षा

व्यवस्था भी की गई है।' रिपोर्ट में इस घटना को बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों और अल्पसंख्यक समुदायों पर हमलों को लेकर जताई जा रही चिंताओं से जोड़ा गया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, पिछले महीने फरीदपुर शहर के उत्तर कालीबाड़ी मंदिर से देवी काली की मूर्ति के साथ कई आभूषण और धार्मिक वस्तुएं चोरी हो गई थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, चोरी हुई वस्तुओं में देवी काली की मूर्ति, उस पर चढ़ाए गए करीब 7 से 8 तोला सोने के आभूषण, भगवान विष्णु, राधा-कृष्ण और मनसा की पीतल की छोटी मूर्तियां शामिल थीं। इसके अलावा शिवलिंग के चारों ओर रखा करीब 8 से 10 तोला वजन का चांदी का सांप भी चोरी होने की बात कही गई थी। हाल ही में अवामी लीग ने 2001 से 2006 तक रही बीएनपी-जमात-ए-इस्लामी गठबंधन सरकार के कार्यकाल का जिक्र करते हुए आरोप लगाया था कि उस अवधि में अल्पसंख्यक समुदायों के साथ जो घटनाएं हुई थीं, वैसी स्थिति 2026 में फिर दिखाई दे रही है। अवामी लीग ने मंदिरों पर हमले, घरों में आगजनी, जमीन कब्जाने, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और हिंदुओं के देश छोड़ने के लिए मजबूर होने के आरोप लगाए थे। ये अवामी लीग के आरोप हैं।

अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को निकाला:आदेश मिलने के बाद भी न्यूयॉर्क में रुके रहे

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को देश से बाहर भेज दिया है। दोनों संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे थे, लेकिन महासभा खत्म होने के बाद भी वहीं रुके रहे। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी विदेश विभाग ने सोमवार को न्यूयॉर्क स्थित ईरानी मिशन को निर्देश दिया था कि यूएन महासभा में शामिल होने आए उसके प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्य अमेरिका से रवाना हो जाएं।

ज्यादातर प्रतिनिधि चले गए, लेकिन दो राजनयिक न्यूयॉर्क में ही रुके रहे। शुक्रवार को अमेरिकी अधिकारियों ने ईरानी मिशन को बताया कि उन्हें दोनों के अब भी न्यूयॉर्क में मौजूद होने की जानकारी है। इसके बाद ईरान को दोबारा संदेश भेजकर दोनों राजनयिकों को तुरंत अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया। इसके बाद एक राजनयिक शुक्रवार रात और दूसरा शनिवार सुबह न्यूयॉर्क से रवाना हो गया।

अमेरिका से जंग के बावजूद न्यूयॉर्क गए थे ईरानी राष्ट्रपति : ईरान और अमेरिका में जंग के बावजूद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान यूएन महासभा में शामिल होने न्यूयॉर्क पहुंचे थे। 23 सितंबर को यहां उन्होंने दुनिया के सामने ईरान का पक्ष रखा और अमेरिका-इजराइल पर कई गंभीर आरोप लगाए। पजशकियान अपने भाषण में युद्ध

में मारे गए बच्चों की तस्वीरें भी लेकर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि ईरान ने पिछले 200 साल में किसी देश पर हमला नहीं किया है, बल्कि उसका देश खुद आतंकवाद और हमलों का शिकार रहा है। उन्होंने अमेरिका और इजराइल पर ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने का आरोप लगाया। पजशकियान ने यह भी साफ किया कि ईरान परमाणु हथियार नहीं चाहता, लेकिन शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक के इस्तेमाल का अधिकार नहीं छोड़ेगा। इसके अलावा उन्होंने पश्चिमी देशों पर दोहरे रवैये और ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर भी सवाल उठाए।

यूएन महासभा में विदेशी प्रतिनिधियों के लिए तय नियम : यूएन महासभा हर साल न्यूयॉर्क स्थित यूएन मुख्यालय में होती है। इसमें दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, राजनयिक और अधिकारी शामिल होते हैं। ईरान का प्रतिनिधिमंडल भी इसी बैठक के लिए न्यूयॉर्क आया था। विदेशी प्रतिनिधियों को अमेरिका में रहने के लिए वीजा और राजनयिक नियमों का पालन करना होता है। उनका दर्जा और अमेरिकी सरकार की अनुमति यह तय करती है कि वे कितने समय तक वहां रह सकते हैं। महासभा खत्म होने के बाद भी अमेरिका में रुकने के लिए वैध अनुमति जरूरी है। बैठक में शामिल होने की अनुमति का मतलब यह नहीं कि प्रतिनिधि अपनी मर्जी से वहां रुक सकते हैं। नियमों के उल्लंघन पर अमेरिका उन्हें देश छोड़ने का आदेश दे सकता है। यूएन में ईरानी डेलिगेशन को स्टारलिंक देने पहुंचे थे इजराइली अधिकारी यूएन महासभा में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरानी डेलिगेशन को स्टारलिंक डिवाइस देने की पेशकश की थी। उन्होंने कहा था कि इससे ईरान के लोग इंटरनेट का इस्तेमाल कर अपनी बात दुनिया तक पहुंचा सकेंगे। नेतन्याहू के भाषण के बाद एक इजराइली अधिकारी स्टारलिंक डिवाइस लेकर ईरानी अधिकारियों के पास पहुंचे। उन्होंने डिवाइस लेने की अपील करते हुए कहा कि यह उनके लिए उपयोगी हो सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)